



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 6] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 9, 1980 (माघ 20, 1901)  
No. 6] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 9, 1980 (MAGHA 20, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

#### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

दिनांक 27 दिसम्बर 1979

नई दिल्ली-110011, दिनांक 29 नवम्बर 1979

सं० ए०-32013/1/79-प्रशा० I—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित अधिकारियों को उनमें से प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I में तदर्थ आधार पर अवर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :—

क्रम सं०	नाम	अवधि
	सर्वश्री	
1.	आर० एन० खुराना (अनुभाग अधिकारी)	1-10-79 से 19-11-79 तक
2.	एम० ए० गणपति राम (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड क)	1-10-79 से 3-11-79 तक
3.	टी० एम० कोकिल (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड क)	25-9-79 से 23-11-79 तक
4.	एस० श्रीनिवासन (अनुभाग अधिकारी)	3-10-79 से 23-11-79 तक

1-446GI/79

(1461)

सं० ए०-11016/1/76-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग के के० सं० से० संवर्ग के अनुभाग अधिकारी श्री के० एल० सूरी को राष्ट्रपति द्वारा 14 दिसम्बर, 1979 से 29-2-1980 तक या आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अफसर का कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. श्री के० एल० सूरी को कार्मिक तथा प्रशा० सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 12/1/74-के० सं० (1) दिनांक 11-12-1975 की शर्तों के अनुसार 75/- रुपये प्रतिमास विशेष वेतन मिलेगा।

सं० ए०-11016/1/76-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग के के० सं० से० संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जीत राम को राष्ट्रपति द्वारा शुरू में 21-12-79 से 29-2-80 तक की अवधि के लिए अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए०-32013/3/79-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में के० सं० से० संवर्ग के स्थायी ग्रेड I अधिकारी तथा उसी संवर्ग में अवर सचिव के रूप में कार्यरत श्री बी० एस० जौली को, राष्ट्रपति द्वारा 6 नवम्बर, 1979 से 31 दिसम्बर, 1979 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ

लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के० स० सेवा के चयन ग्रेड में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 31 दिसम्बर 1979

सं० पी०/28-प्रशा० I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी ग्रेड-I अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थानापन्न उप सचिव श्री बी० एस० जोली को राष्ट्रपति द्वारा 31-12-1979 (अपराह्न) से निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के पश्चात् सरकारी सेवा में नियुक्त होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

दिनांक 8 जनवरी 1980

सं० ए०-12025/1/78-प्रशा०-I—कामिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 9/13/78 सी० एस० II दिनांक 26 दिसम्बर, 1979 के साथ पठित का० जा० सं० 9/13/78-सी० एस० II दिनांक 22 दिसम्बर, 1979 के अनुसरण में राष्ट्रपति द्वारा स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ग) श्री आई० एन० शर्मा को 26-12-79 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उसी संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

किन्तु श्री आई० एन० शर्मा की नियुक्ति दिल्ली हाई कोर्ट में दायर 1975 की सिविल रिट पिटीशन नं० 284 के अनुसार विनियमित होगी।

सं० ए०-32014/3/79-प्रशा० I—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में स्थानापन्न वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) श्री जोगिन्दर सिंह को 24-12-79 से 23-2-80 तक दो महीने की अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में निजी सचिव (के० स० स्टे० से० का ग्रेड क) के रूप में अस्थायी और तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 9 जनवरी 1980

सं० ए०-32013/3/79-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 17-9-79 और 2-11-79 के अनुक्रम में राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के के० स० से० संवर्ग के स्थायी ग्रेड I अधिकारी श्री एस० के० बोस और श्री एम० आर० भागवत को क्रमशः 19-11-79 और 24-11-79 से और तीन महीने की अवधि के लिए संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया है।

एस० बालचन्द्रन,  
अवर सचिव,

संघ लोक सेवा आयोग

गृह मन्त्रालय

(कामिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1980

सं० 20014/46/75-प्रशा०-I—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/सामान्य अपराध स्कंध, कलकत्ता

में प्रतिनियुक्त पश्चिम बंगाल पुलिस के अधिकारी श्री आर० सी० मुखर्जी, पुलिस निरीक्षक ने दिनांक 30-11-79 (अपराह्न) से पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध स्कंध, कलकत्ता के कार्यालय में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० ए०-19021/4/78-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री पी० एस० हूरा, भारतीय पुलिस सेवा (पंजाब-1962) को दिनांक 1 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

की० ला० भोवर,  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)

समन्वय निदेशालय

(पुलिस बेतार)

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1980

सं० ए०-12012/1/79-प्रशासन—निदेशक, पुलिस दूर-संचार समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त निदेशालय में अगले आदेशों तक स्थानापन्न अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर वेतनमान में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- नियुक्त करते हैं:—

- |                            |                    |
|----------------------------|--------------------|
| 1. श्री एस० के० शर्मा      | 29-11-79 पूर्वाह्न |
| 2. श्री एस० आर० रामास्वामी | 28-12-79 पूर्वाह्न |
| 3. श्री एन० रामा कृष्णन    | 31-10-79 पूर्वाह्न |

छत्तपति जोशी,  
निदेशक,  
पुलिस दूर-संचार

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 16 जनवरी 1980

सं० ई०-38013(3)/20/79-कामिक—भिलाई से स्थानांतरित होने पर श्री ईश्वर सिंह ने श्री आर० के० भगत, सहायक कमांडेंट के स्थान पर 14 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट बी० एच० ई० एल० झांसी के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया तथा श्री भगत ने भिलाई में स्थानांतरित होने पर उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० ई०-32015(1)/6/74-कामिक—पुनर्नियुक्ति की अवधि की समाप्ति पर तथा निवर्तन की आयु होने पर ले० कर्नल के० पार्थसारथी ने 31 दिसम्बर, 1979 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट, मद्रास पोर्ट ट्रस्ट, मद्रास, के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

(ह०) अपठनीय  
महानिरीक्षक  
के० औ० सु० ब०

**श्रम मंत्रालय**  
(श्रम व्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 9 फरवरी 1980

सं० 23/3/79-सी० पी० आई०--दिसम्बर, 1979 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) नवम्बर, 1979 के स्तर से छः अंक बढ़ कर 374 (तीन सौ चौहत्तर) रहा है। दिसम्बर 1979 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 455 (चार सौ पचपन) आता है।  
आनन्द स्वरूप भारद्वाज,  
संयुक्त निदेशक  
श्रम व्यूरो

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 जनवरी 1980

सं० 11/116/79-प्रशा०-I-1581—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री एच० सी० गुप्ता को तारीख 24 दिसम्बर, 1979 के अपराह्न से अगले आदेशों तक जनगणना कार्य निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ में प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री गुप्ता का मुख्यालय बरेली में होगा।

सं० 10/56/79-प्रशा०-I-1584—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर कार्यरत श्री बी० बी० राव को उसी कार्यालय में पूर्णतः अस्थाई और तबर्ष आधार पर, तारीख 27 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से 1 वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, इनमें से जो भी अवधि कम हो, पद्धति विश्लेषक (सिस्टम अनालिस्ट) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री राव का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तबर्ष नियुक्ति श्री राव को पद्धति विश्लेषक के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तबर्ष तौर पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वर्गित होंगी और उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तबर्ष नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

सं० 11/116/79-प्रशा०-I-1585—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री दयाराम को, तारीख 29 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक जनगणना कार्य निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ में प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री दयाराम का मुख्यालय आगरा में होगा।

सं० 11/116/79-प्रशा०-I-1588—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार को तारीख 27 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक जनगणना कार्य निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ में प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री नरेन्द्र कुमार का मुख्यालय फैजाबाद में होगा।

सं० 11/116/79-प्रशा०-I-1591—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री मोती लाल को तारीख 29 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक जनगणना कार्य निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ में प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री मोती लाल का मुख्यालय वाराणसी में होगा।

दिनांक 18 जनवरी 1980

सं० 10/31/79-प्रशा०-I-2381—राष्ट्रपति, सूचना और प्रसारण मंत्रालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री के० सी० सेठ को नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 2 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री सेठ का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 10/32/79-प्रशा०-I-2382—राष्ट्रपति, गृह मंत्रालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री एल० के० प्रसाद को नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 2 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा सहायक निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री प्रसाद का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 10/20/79-प्रशा०-I-2383—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 12/5/74-म० पं० (प्रशा०-I) तारीख 5 सितम्बर, 1979 के अनुक्रम में, राष्ट्रपति, कलकत्ता में भारत के महापंजीकार के कार्यालय (भाषा प्रभाग) में श्रीमती कृष्णा चौधरी की भाषा विद के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को तारीख 30 जून, 1980 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी पहले हो, इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 12/5/74-म० पं० (प्रशा०-I) तारीख 28 मार्च, 1979 के पैरा 2 में बनाई गई शर्तों पर सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. श्रीमती चौधरी का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

सं० 10/26/79-प्रशा०-I-2386—राष्ट्रपति, भारतीय सांख्यिकीय सेवा के ग्रेड-I के अधिकारी जे० एम० हुल्ला को नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 7 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, अस्थाई क्षमता में उप महापंजीकार (जन्म-मृत्यु सांख्यिकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

पी० पद्मनाभ,

भारत के महापंजीकार

मुद्रण निदेशालय

निर्माण भवन, बी विंग

नई दिल्ली-11, दिनांक 15 जनवरी 1980

सं० एम० (51) प्रशासन--मुद्रण निदेशालय ने भारत सरकार मुद्रणालय, मिंटो रोड, नई दिल्ली के लेखाकार श्री जसवंत सिंह को भारत सरकार मुद्रणालय, अलीगढ़ में सहायक प्रबंधक (प्रशासन) के पद पर रु० 650-30-740-35-810 रु० रो०-35-880-40-1000-रु० रो०-

40-1200 के वेतन मान में स्थानापन्न रूप में 19 अक्टूबर, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक नियुक्त किया है।

सं० एम (61) प्रशासन-II—मुद्रण निदेशक ने श्री बी० माधवन को भारत सरकार मुद्रणालय, शिमला में सहायक प्रबंधक (प्रशासन) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन मान में स्थानापन्न रूप में 17 दिसम्बर, 1979 के अपराह्न से अगले आदेश होने तक नियुक्त किया है।

मदन मोहन जोशी,  
उप निदेशक (प्रशासन)

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग  
कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश  
ग्वालियर, दिनांक 10 जनवरी 1980

सं० प्रशासन-1/461—श्री आई० एस० कोहली (01/171) स्थानापन्न लेखा अधिकारी, कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश को, केन्द्रीय कर्मचारियों को पेंशन नियम 1972 के नियम 48-ए के अनुसार भारत सरकार के गृह मंत्रालय के कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के कार्यालय आपन क्रमांक-25013/7/77-एस्टे० (ए) दिनांक 26-8-77 में निर्धारित शर्तों के अनुसार दिनांक 1-3-80 पूर्वाह्न से शासकीय सेवा से स्वेच्छिक निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

(प्राधिकार :—महालेखाकार-प्रथम के आदेश दिनांक 31-12-1979)

धु० च० साहू,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय  
आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी, 1980

सं० 1/80/ए/एम—राष्ट्रपति जी निम्नलिखित सहायक चिकित्सा अधिकारियों को प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तारीखों से, आगामी आदेश न होने तक, आर्डनेन्स फैक्टरियों में नियुक्त करते हैं।

क्रम	नाम एवं पद	नियुक्ति स्थान	दिनांक संख्या
1.	डा० कुमारी सुशीला कुमारी साहू, सहायक चिकित्सा अधिकारी	मेटल एण्ड स्टील फैक्टरी, ईशापुर	24-7-79
2.	डा० के० जे० धुलिया, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेन्स फैक्टरी, खमारिया	2-8-79
3.	डा० (कुमारी) विमला सुब्रामनियम आइयर, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेन्स फैक्टरी, भुसावल	11-9-79

4. डा० चन्दर कान्त, सहायक चिकित्सा अधिकारी, आर्डनेन्स फैक्टरी, अम्बरनाथ 8-10-79

श्री० पी० बहल,  
अपर महानिदेशक,  
आर्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय  
(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय  
नई दिल्ली, 10 जनवरी 1980

आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण  
(स्थापना)

सं० 6/1085/75 प्रशासन "राज"/237—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री पी० के० दत्त ने 31 दिसम्बर, 1979 के अपराह्न से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 15 जनवरी 1980

सं० 6/581/59 प्रशासन "राज"/260—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री एस० के० जुह्वा ने 31 दिसम्बर, 1979 के अपराह्न से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र) के कार्यालय, नई दिल्ली में नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सी० एस० आर्य,  
उप मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात,  
श्रुते मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात

उद्योग मंत्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय  
नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 जनवरी 1980

सं० ए०-19018(392)/79-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, श्री एन० ए० रामाकृष्णन् को लघु उद्योग विस्तार केन्द्र, शोरानूर (केरल) में दिनांक 22 नवम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(423)/79-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपतिजी, श्री अनिल भंडारी को लघु उद्योग विस्तार केन्द्र, जबलपुर में दिनांक 5 नवम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्रपाल गुप्त,  
उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय  
(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1980

सं० प्र० 6/247(548)66—राष्ट्रपति, इस महानिदेशालय के अधीन निरीक्षण निदेशक (धातु), जमशेदपुर के कार्यालय



सेवा ग्रुप 'ए' धातु शाखा के ग्रेड III श्री बी० एन० राजदान का सेवा से दिया गया त्यागपत्र दिनांक 18-12-79 से स्वीकार करते हैं।

(प्रशासन अनुभाग-I)

दिनांक 11 जनवरी 1980

सं० प्र० 1/1(1018)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा अवर प्रगति अधिकारी श्री एस० के० बैनर्जी को दिनांक 31-12-79 के पूर्वाह्न से पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड II) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सहायक निदेशक (ग्रेड II) के रूप में श्री एस० के० बैनर्जी की पदोन्नति पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर होगी और उनसे अन्यथा वरिष्ठ अधिकारियों के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा और उन्हें वर्तमान स्थानापन्न व्यवस्था के आधार पर भविष्य में पदोन्नति का दावा करने का हक नहीं होगा।

सं० प्र० 1/1(1144)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, मद्रास में अधीक्षक श्री पाल जैबियर को दिनांक 3-10-79 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक, मद्रास के कार्यालय में श्री के० बी० सिवरामकृष्णन जो 12-12-79 से छुट्टी पर गए हैं के स्थान पर सहायक निदेशक (ग्रेड II) के पद पर पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 जनवरी 1980

सं० प्र० 1/1(858)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान भंडार महानिरीक्षक के नियंत्रक के कार्यालय कानपुर में भंडार अधिकारी श्री जी० के० दास को दिनांक 31-12-79 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (पूर्ति) (ग्रेड II) के रूप में नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र० 1/1(1024)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अवर क्षेत्राधिकारी श्री जे० के० एस० पायल को 2-1-1980 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री जे० के० एस० पायल की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर उनसे अन्यथा वरिष्ठ अधिकारियों के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना होगी और वर्तमान स्थानापन्न व्यवस्था से उन्हें भविष्य में पदोन्नति का दावा करने का कोई हक नहीं होगा।

सं० प्र० 1/1(1044)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अवर प्रगति अधिकारी श्री बलबीर सिंह को दिनांक

27-12-79 के पूर्वाह्न से इसी महानिदेशालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री बलबीर सिंह की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में नियुक्ति पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर होगी और उनसे अन्यथा वरिष्ठ अधिकारियों के हक पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना होगी और इससे उन्हें वर्तमान स्थानापन्न व्यवस्था के आधार पर भविष्य में पदोन्नति का दावा करने का कोई हक नहीं होगा।

सं० प्र० 1/1(1048)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, बम्बई में अधीक्षक श्री एल० जी० काम्बले को दिनांक 19-12-79 के पूर्वाह्न से उसी कार्यालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री एल० जी० काम्बले की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में नियुक्ति पूर्णतः अस्थाई तथा तदर्थ आधार पर अन्यथा वरिष्ठ अधिकारियों के अधिकारों पर बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले और उन्हें वर्तमान व्यवस्था के आधार पर भविष्य में पदोन्नति के लिए किसी प्रकार का हक न होने के आधार पर है।

(प्रशासन अनुभाग-6)

दिनांक 17 जनवरी, 1980

सं० ए०-17011/168/80-प्र० 6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी) श्री टी० आर० घोष को दिनांक 13 दिसम्बर 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर

उपनिदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान।

इस्पान, खान और कोयला मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 14 जनवरी 80

सं० 455वी ए-32013 (प्र० अ०)/78/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री बी० के० चटर्जी को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, तदर्थ आधार पर, केन्द्रीय भेत्त, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, नागपुर के प्रशासनिक अधिकारी श्री एस० दास गुप्त के अवकाश रिक्ति के स्थान पर 8-10-1979 के पूर्वाह्न से 8-11-1979 (पूर्वाह्न) तक पदोन्नति पर नियुक्ति किया गया।

दिनांक 15 जनवरी 1980

सं० 520बी/ए-32013(प्र० अ०)/78/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री ए० डी० मुखर्जी को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, तदर्थ आधार पर, कोयला प्रभाग, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, कलकत्ता के प्रशासनिक अधिकारी श्री एम० एम० दाम के अवकाश रिक्ति के स्थान पर 4-12-1979 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया गया।

बी० एस० कृष्णस्वामी  
महानिदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1980

सं० 6(112)/62-एस-I—आकाशवाणी, त्रिचिरापल्ली के कार्यक्रम निष्पादक श्री एस० विश्वासम वार्धक्य आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31 अगस्त, 1979 अपराह्न से सेवा-निवृत्त हो गए।

नन्द किशोर भारद्वाज  
प्रशासन उपनिदेशक  
कूने महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म समारोह निदेशालय नियम

सत्ताइसवां राष्ट्रीय नियम फिल्म समारोह 1980

नई दिल्ली-110003, दिनांक 25 जनवरी 1980

सं० 1/2/79-एफ एफ डी नियम

**विनियमावली**

(1) सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के फिल्म समारोह निदेशालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय फिल्म समारोह का प्राप्त वाक्य 'सत्यम् शिवम् सुन्दरम्' है।

इस समारोह के आयोजन के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:—

- (i) कलात्मक सौंदर्य से पूर्ण तथा सामाजिक महत्व की फिल्मों के निर्माण को प्रोत्साहन देना;
- (ii) विभिन्न क्षेत्रों की फिल्म संस्कृति के बोध एवं विवेचन में योगदान देना तथा;
- (iii) राष्ट्रीय एकता एवं संगठन की भावना को विकसित करना।

(2) भारत में 1979 के दौरान निर्मित, केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड द्वारा प्रमाणन के लिए प्राप्त और 31 जनवरी, 1980 से पहले प्रमाणित कोई भी फिल्म जो समारोह के उद्देश्य के अनुरूप हो, इस समारोह में शामिल की जा सकती है। भारत सरकार द्वारा मान्य किसी भी फिल्म संस्थान द्वारा 1979 में निर्मित फिल्में इसमें शामिल हो सकती हैं, किन्तु सार्वजनिक

प्रदर्शन के लिए इन फिल्मों के मामले में भी सेंसर बोर्ड का प्रमाण पत्र आवश्यक है। प्रविष्टि के लिए भेजी गई फिल्में 35 मि. मी. या 16 मि. मी. गेज की होनी चाहिए। लघु फिल्मों की लम्बाई 35 मि. मी. के लिए 1000 मी. और 16 मि. मी. के लिए 400 मी. से आमतौर पर अधिक नहीं होनी चाहिए।

(3) समारोह में प्रविष्टि के रूप में भेजी गई फिल्म नियम 2 के अधीन बिल्कुल उसी रूप में होनी चाहिए जिस रूप में फिल्म सेंसर बोर्ड द्वारा प्रमाणित की गई हो।

(4) कोई भी फिल्म जिसके साथ फिल्म समारोह निदेशालय का कोई पदाधिकारी किसी भी रूप में सम्बन्ध रखता हो, समारोह में शामिल नहीं हो पाएगी।

(5) समारोह के लिए प्रविष्टि, सरकारी विभाग, सरकार द्वारा मान्य संस्थान, निजी निर्माता/निर्माता कम्पनी, कोई भी भेज सकता है। संलग्न प्रवेश पत्र (दो प्रतियों में) पूरी तरह भर कर 15 मार्च, 1980 तक हर हालत में फिल्म समारोह निदेशालय में पहुंच जाना चाहिए।

(6) राष्ट्रीय फिल्म समारोह में शामिल करने के लिए फिल्मों के प्रिंट 15 मार्च, 1980 तक फिल्म समारोह निदेशालय में अवश्य पहुंच जाने चाहिए। यदि संभव हो तो फिल्मों के प्रिंट प्रवेश पत्रों के साथ ही भेज देने चाहिए। प्रिंट भेजने के साथ ही प्रेषक को फिल्म का शीर्षक, भाषा, रीलों की संख्या, प्रिंट कब और किस प्रकार भेजा गया, इस बारे में डाक या तार द्वारा तुरन्त सूचना दे देनी चाहिए।

(7) फिल्म समारोह में प्रविष्टि कथाचित्र तथा लघु फिल्म से सम्बन्धित निम्नलिखित सामग्री प्रवेश पत्र के साथ निदेशालय में 15 मार्च, 1980 के पूर्व पहुंच जानी चाहिए।

- (i) कथाचित्र के साथ अंग्रेजी में कथासार की 40 प्रतियां और लघु फिल्मों के साथ कमेंटरी की 15 प्रतियां;
- (ii) प्रचार सामग्री—छ: बड़े पोस्टर एवं छ: फोटो सेटम;
- (iii) फिल्म की मूल भाषा में स्क्रिप्ट की 5 प्रतियां तथा अंग्रेजी या हिन्दी में अनुदित स्क्रिप्ट की 5 प्रतियां,
- (iv) निर्माता, निर्देशक एवं मुख्य कलाकारों की संक्षिप्त जीवनियां;
- (v) निर्माता, निर्देशक एवं मुख्य कलाकारों के दो दो फोटोग्राफ।

(8) 35 मि. मी. 1,000 मीटर तथा 16 मि. मी. में 400 मीटर से अधिक लम्बी फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि के साथ 100 रुपए और उस से कम लम्बाई की फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि के साथ 50 रुपए प्रवेश शुल्क भेजना होगा। यह शुल्क वापिस नहीं किया जाएगा। प्रवेश शुल्क की राशि सहायक निदेशक, फिल्म समारोह निदेशालय के नाम डिमांड ड्राफ्ट द्वारा स्टेट बैंक आफ इंडिया, रेल भवन, नई दिल्ली में भुगतान योग्य हो और प्रवेश पत्र के साथ भेजी जानी चाहिए।

(9) भारत सरकार द्वारा दो ज्यूरियां गठित की जाएंगी—एक कथाचित्रों के लिए, दूसरी लघु फिल्मों के लिए।

(10) कथाचित्रों के लिए ज्यूरि का गठन निम्नलिखित ढंग से होगा :—

(क) अध्यक्ष, भारत सरकार द्वारा मनोनीत और

(ख) कला, मानविकी और फिल्म के क्षेत्र में प्रविष्टित व्यक्ति जिनकी संख्या 24 से अधिक नहीं होगी और जो फिल्मों की विषय वस्तु, कलात्मकता और तकनीकी गुण दोष परखने की योग्यता रखते हों। इन सदस्यों को सरकार नामजद करेगी।

(11) कथाचित्र ज्यूरि के अध्यक्ष अपने विवेक से विभिन्न भाषाओं के कथा चित्रों तथा बालचित्रों को परखने हेतु ज्यूरि के सदस्यों में से आवश्यकतानुसार अलग अलग नामिकाएं गठित कर सकते हैं।

(12) प्रत्येक नामिका कथाचित्रों के लिए ऊपर निर्दिष्ट ज्यूरि को पुरस्कारों के लिए उपयुक्त समझे जाने वाले अधिक से अधिक तीन कथाचित्रों की सिफारिश श्रेष्ठता क्रम का उल्लेख किए बिना करेगी। फिर भी, नामिका की राय में यदि कोई विशिष्ट फिल्म अन्य फिल्मों से नियम 24-I (VI) से (XVI) तक के अन्तर्गत व्यक्ति विशेष की उपलब्धियों के लिए नियत पुरस्कार पाने की अधिकारी है, तो उस अवस्था में फिल्म के शीर्षक के साथ विशिष्ट श्रेणी भी निर्दिष्ट करनी होगी।

(13) तत्पश्चात् कथाचित्रों के लिए ज्यूरि विभिन्न नामिकाओं और बाल चित्रों सम्बन्धी नामिका द्वारा सिफारिश की गई सभी फिल्मों को देखेंगी तथा नियम 24-I के अन्तर्गत विभिन्न श्रेणियों के पुरस्कारों के लिए फिल्मों की सिफारिश करेगी।

(14) कथाचित्रों के लिए ज्यूरि सर्वप्रथम निम्नलिखित तीन पुरस्कारों के लिए फिल्मों का चयन करेगी।

—सर्वोत्तम कथाचित्र, नियम 24-I (i) के अन्तर्गत।

—लोकप्रियता, स्वस्थ मनोरंजन तथा कलात्मक सौंदर्य वाला सर्वोत्तम कथाचित्र, नियम 24-I (ii) के अन्तर्गत।

—राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम कथाचित्र, नियम 24-I (iii) के अन्तर्गत।

इन पुरस्कारों के लिए चुनी गई फिल्में इन विनियमों के नियम 24-I (iv) के अन्तर्गत प्रादेशिक भाषा पुरस्कार प्राप्त करने की पात्र नहीं होंगी।

(15) लघुचित्रों के लिए ज्यूरि में अध्यक्ष और 4 से अधिक सदस्य होंगे। यह ज्यूरि सरकार द्वारा गठित की जाएगी। यह ज्यूरि विनियम 24-II के अन्तर्गत पुरस्कार श्रेणी के लिए सिफारिश करेगी।

(16) राष्ट्रीय फिल्म समारोह में सम्मिलित किसी भी फिल्म से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सम्बन्ध रखने वाला व्यक्ति, कथाचित्रों के लिए ज्यूरि और लघु फिल्मों के लिए ज्यूरि, जो भी हो, उसका सदस्य मनोनीत नहीं हो सकता।

(17) दोनों ज्यूरिया फिल्मों को परखने हेतु अपनी-अपनी प्रक्रियाएं स्वयं निर्धारित करेंगी।

(18) दोनों ज्यूरियों का 'कोरम' मनोनीत सदस्यों की संख्या के आधे से कम नहीं होगा।

(19) निदेशक, फिल्म समारोह निदेशालय या उनके द्वारा मनोनीत कोई भी व्यक्ति राष्ट्रीय फिल्म समारोह की योजना के बारे में आवश्यक जानकारी और स्पष्टीकरण देने हेतु दोनों ज्यूरियों की बैठकों में भाग ले सकता है।

(20) ज्यूरियों के सदस्य बैठकों की कार्यवाही को बिल्कुल गोपनीय रखेंगे। साथ ही, उनके काम के दौरान, उन्हें जो सामग्री उपलब्ध कराई गई है, उसका राष्ट्रीय फिल्म समारोह के परिणामों की औपचारिक घोषणा से पहले किसी भी प्रकार माध्यम जैसे समाचार पत्र, रेडियो, दूरदर्शन आदि के जरिए प्रचार के लिए इस्तेमाल नहीं करेंगे।

(21) इन नियमों में निहित कोई भी बात कथाचित्रों की ज्यूरि तथा लघु फिल्मों की ज्यूरि के लिए यह सिफारिश करने में बाधक नहीं होगी कि किसी विशिष्ट भाषा या श्रेणी की फिल्मों में से कोई भी फिल्म या उनके द्वारा परखी गई फीचर फिल्मों का कोई भी पटकथा लेखक, निर्देशक, कला निर्देशक, कैमरामैन, अभिनेता, अभिनेत्री, बाल अभिनेता, अभिनेत्री, पार्श्वगायक, ध्वनि आलेखक, सम्पादक और संगीत निर्देशक पुरस्कार के लिए समुचित स्तर पर नहीं है।

(22) यदि किसी प्रविष्ट फिल्म के पक्ष में किसी भी प्रकार की पैरवी होगी तो वह पुरस्कार के अयोग्य ठहरा दी जाएगी। यदि दोनों ज्यूरियों का कोई भी सदस्य किसी विशिष्ट फिल्म के लिए पैरवी करता हुआ पाया गया तो वह ज्यूरि की सदस्यता के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है।

(23) दोनों ज्यूरियों के सदस्य विनियमों के अन्तर्गत स्वीकार्य यात्रा भत्ते के अलावा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रतियोगिता से सम्बन्धित बैठकों में उपस्थित होने अथवा फिल्मों के प्रीव्यू के लिए सरकार द्वारा निर्धारित परामर्श फीस पाने के हक्दार होंगे।

(24) राष्ट्रीय फिल्म समारोह में शामिल फिल्में निम्नांकित पुरस्कारों के लिए प्रतियोगी हो सकती हैं :—

#### I—कथाचित्र

(i) सर्वोत्तम कथाचित्र

सर्वोत्तम कथाचित्र के निर्माता को स्वर्ण कमल तथा 40,000 रुपए का नकद पुरस्कार, निर्देशक को स्वर्ण कमल तथा 20,000 रुपए का नकद पुरस्कार।

(ii) लोकप्रिय, स्वस्थ मनोरंजन और कलात्मक सौंदर्य वाले सर्वोत्तम कथाचित्र के लिए पुरस्कार, निर्माता को स्वर्ण कमल, निर्देशक को रजत कमल।

(iii) राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम कथाचित्र निर्माता को रजत कमल तथा 30,000 रुपए का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल तथा 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार।

यह पुरस्कार न केवल उन फिल्मों के लिए दिए जाएंगे जिनमें साम्प्रदायिक सद्भाव और देशभक्ति का चित्रण हो बल्कि उन फिल्मों के लिए भी दिए जाएंगे जिनमें दलित वर्गों के उत्थान या विभिन्न क्षेत्रों के बीच एकता की भावना को दिखाया गया हो।

- (iv) प्रत्येक प्रादेशिक भाषा के सर्वोत्तम कथाचित्र के लिए पुरस्कार  
निम्नलिखित भाषाओं में सर्वोत्तम कथाचित्र के निर्माता को रजत कमल और 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार और निर्देशक को रजत कमल और 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार :—

—हिन्दी (उर्दू, हिन्दुस्तानी और भोजपुरी, राजस्थानी तथा मैथिली जैसी बोलियों सहित), मराठी, (कांकणी सहित), गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी, सिन्धी, अंग्रेजी, बंगला, असमिया, उड़िया, मणिपुरी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम।

- (v) सर्वोत्तम बाल फिल्म  
निर्माता को स्वर्ण कमल और 15,000 रुपए का नकद पुरस्कार तथा निर्देशक को रजत कमल और 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार।
- (vi) सर्वोत्तम निर्देशन  
सर्वोत्तम निर्देशक को रजत कमल और 20,000 रुपए का नकद पुरस्कार।
- (vii) सर्वोत्तम स्क्रीन प्ले  
सर्वोत्तम स्क्रीन प्ले लेखक को रजत कमल तथा 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार।
- (viii) सर्वोत्तम अभिनय  
(क) सर्वोत्तम अभिनेता को रजत कमल तथा 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार ;  
(ख) सर्वोत्तम अभिनेत्री को रजत कमल तथा 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार ;  
(ग) सर्वोत्तम बाल अभिनेता, अभिनेत्री, (जिनकी आयु 14 वर्ष से अधिक न हो) को रजत कमल तथा 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार।
- (ix) सर्वोत्तम फोटोग्राफी (रंगीन)  
रंगीन फिल्मों के सर्वोत्तम फोटोग्राफर को रजत कमल तथा 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार।
- (x) सर्वोत्तम फोटोग्राफी (सादी)  
सादी फिल्मों के सर्वोत्तम फोटोग्राफर को रजत कमल तथा 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार।
- (xi) सर्वोत्तम ध्वनि आलेखन  
सर्वोत्तम ध्वनि आलेखक को रजत कमल एवं 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार।

- (xii) सर्वोत्तम संपादन  
सर्वोत्तम सम्पादक को रजत कमल और 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार।
- (xiii) सर्वोत्तम कला निर्देशन  
सर्वोत्तम कला निर्देशक को रजत कमल और 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार।
- (xiv) सर्वोत्तम संगीत निर्देशक  
सर्वोत्तम संगीत निर्देशक को रजत कमल और 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार।
- (xv) सर्वोत्तम पार्श्वगायक  
सर्वोत्तम पार्श्वगायक को रजत कमल एवं 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार।
- (xvi) सर्वोत्तम पार्श्वगायिका  
सर्वोत्तम पार्श्वगायिका को रजत कमल एवं 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार।

## II—लघु चित्र

- (i) सर्वोत्तम सूचना फिल्म (वृत्त चित्र)  
निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल और 4,000 रुपए का नकद पुरस्कार।
- (ii) सर्वोत्तम शिक्षाप्रद/ज्ञानवर्धक फिल्म  
इस श्रेणी में शिक्षाप्रद, ज्ञानवर्धक तथा प्रशिक्षण सम्बन्धी फिल्में शामिल होंगी।  
निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल और 4,000 रुपए का नकद पुरस्कार।
- (iii) सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म (अव्यावसायिक/व्यावसायिक)  
(राष्ट्रीय महत्व जैसे राष्ट्रीय एकता, सामाजिक न्याय, सहयोग, बचत, कृषि कार्य सहित विकास की प्रगतिशीलता आदि विषयों पर सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म या सर्वोत्तम व्यावसायिक विज्ञापन फिल्में) निर्माता और निर्देशक को रजत कमल।
- (iv) सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म  
निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल और 4,000 रुपए का नकद पुरस्कार।
- (v) सर्वोत्तम कार्टून फिल्म  
निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार, कार्टूनकार 'एनिमेटर' को रजत कमल और 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल और 4,000 रुपए का नकद पुरस्कार।
- ( ) सर्वोत्तम न्यूजरील कैमरामैन  
सर्वोत्तम न्यूजरील कैमरामैन को रजत कमल एवं 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार।

## (vii) सर्वोत्तम भारतीय समाचार चित्र

निर्माता को राजस्व कमल और 5,000 रुपए का तकद पुरस्कार ।

## स्पष्टीकरण

यहां पर निर्माता, निर्देशक, स्क्रीनप्ले, लेखक, अभिनेता, अभिनेत्री, बाल अभिनेता/अभिनेत्री, कैमरामैन, ध्वनि आलेखक, सम्पादक, कला निर्देशक, संगीत निर्देशक तथा पार्श्वगायक/गायिका शब्दों में अभिप्राय क्रमशः उस निर्माता, निर्देशक, स्क्रीनप्ले लेखक, अभिनेता, अभिनेत्री, बाल अभिनेता/अभिनेत्री, कैमरामैन, ध्वनि आलेखक, सम्पादक, कला निर्देशक, संगीत निर्देशक तथा पार्श्वगायक/गायिका में होगा जिनके नामों का उल्लेख केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड द्वारा विधिवत् प्रमाणित एनिमोफिल्म में प्रविष्ट फिल्म के शीर्षकों में होगा ।

## (25) दादा साहेब फाल्के पुरस्कार

नियम 24 में उल्लिखित पुरस्कारों के अतिरिक्त भारतीय सिनेमा के क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट योगदान के लिए भारत सरकार अपने विवेक में एक विशेष पुरस्कार देगी । यह पुरस्कार एक स्वर्ण-कमल, 40,000 रुपए का तकद और एक साल के रूप में होगा ।

(26) नियम 24 की श्रेणी 1-(i) में (vi) के अन्तर्गत पुरस्कार जीतने वाले कथाचित्र के निर्माता को अपनी फिल्म के उप शीर्षक मूल भाषा में किसी भारतीय या विदेशी भाषा में करवाने पर केन्द्रीय सरकार द्वारा 5,000 रुपए की अतिरिक्त राशि दी जाएगी ।

(27) सरकार को यह अधिकार होगा कि वह पुरस्कारों के लिए प्रविष्ट उस फिल्म के एक प्रिंट की, जिसे पुरस्कार मिला हो, अपने पास रख सकेगी । उस फिल्म की लागत अर्थात् कच्चे साज की लागत और उसके परिष्करण के खर्च की प्रतिपूर्ति निर्माता को दी जाएगी, वगैरह कि प्रिंट विल्कुल नया होगा तथा पुरस्कार की घोषणा के तीन माह के अन्दर दे दिया जाए । यदि पुरस्कार घोषणा के तीन माह के अन्दर नया प्रिंट निदेशालय को नहीं दिया जाता तो निर्माता को किसी भी प्रकार की प्रतिपूर्ति नहीं दी जाएगी तथा समारोह में सम्मिलित प्रिंट को बिना किसी प्रतिपूर्ति के सरकार रख सकेगी ।

(28) यदि कोई फिल्म नियम 24 (i) से (vi) के अन्तर्गत एक से अधिक पुरस्कार पाती है तो उसके निर्माता और निर्देशक को केवल वही एक पुरस्कार दिया जाएगा जिसकी राशि सर्वाधिक होगी तथापि उसी निर्माता और उसी निर्देशक को विभिन्न श्रेणियों में विभिन्न फिल्मों के लिए एक से अधिक पुरस्कार दिए जा सकते हैं ।

(29) पुरस्कार के लिए प्रविष्ट फिल्मों के निर्माता को उस फिल्म को ज्यूरियों या उनकी किसी भी नामिका के सामने या सरकार द्वारा आयोजित सार्वजनिक प्रदर्शन या किसी विशेष प्रदर्शन के लिए कोई आपत्ति नहीं होगी । यदि इससे कोई आय होगी, तो वह सरकार के राजस्व खाते में जमा करवाई जाएगी ।

(30) फिल्म और प्रचार सामग्री के लाने व ले जाने पर जो खर्च होगा वह सारा प्रतियोगी को देना होगा ।

(31) पुरस्कारों और इन नियमों के सूची निर्वाचन का जहां तक सम्बन्ध है, केन्द्रीय सरकार के निर्णय अंतिम होंगे और उनके विरुद्ध कोई अपील नहीं की जा सकेगी ।

(32) जो व्यक्ति इन नियमों के अन्तर्गत फिल्म समारोह में भाग लेगा तो यह समझा जाएगा कि उसे ये नियम स्वीकार हैं ।

(33) समारोह में प्रविष्ट फिल्मों, प्रचार सामग्री और उनसे सम्बन्धी सभी पत्राचार के लिए पता —

फिल्म समारोह निदेशालय, लोक नायक भवन

(4 तला) खान मार्किट, नई दिल्ली-110003

तार का पता : फिल्मोत्सव, नई दिल्ली ।

## 27वां राष्ट्रीय फिल्म समारोह 1

## प्रविष्टि

(दो प्रतियों में भर कर फिल्म निदेशक, फिल्म समारोह निदेशालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, लोकनायक भवन, खान मार्किट, नई दिल्ली-110003 के पास 15 मार्च, 1980 तक पहुंच जाना चाहिए) ।

1. फिल्म का नाम
2. भाषा
3. \*श्रेणी : कथाचित्र/बालचित्र/लघु फिल्म
4. फिल्म की लम्बाई (मीटरों में)
5. चलने का समय : घंटे मिनट
6. रीलों की संख्या
7. गेज 35 मि० मी०/16 मि० मी०
8. सादी/रंगीन
9. सेंसर प्रमाणपत्र की संख्या तथा तारीख
10. सेंसर प्रमाणपत्र में फिल्म की श्रेणी (ए या यू)
11. निर्माता का नाम और पूरा पता (यदि टेलीफोन नं० और तार का पता हो तो वह भी दे दें) ।
12. निर्देशक का नाम और पूरा पता
13. स्क्रीन प्ले लेखक/पटकथा लेखक का नाम और पूरा पता
14. नायक का नाम और पूरा पता
15. नायिका का नाम और पूरा पता
16. 14 वर्ष से कम आयु का कोई बाल अभिनेता/अभिनेत्री हो तो उसका नाम व पूरा पता

\*जो लागू न हो उसे काट दें ।

प्रविष्टि के लिए भेजी गई लघु फिल्म के बारे में इस बात का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए कि लघु फिल्म विनियम 24-(ii) के अन्तर्गत किस श्रेणी के लिए भेजी गई है ।

17. कैमरामैन का नाम और पूरा पता
18. ध्वनि आलेखक का नाम और पूरा पता
19. संपादक का नाम और पूरा पता
20. कला-निर्देशक का नाम और पूरा पता
21. संगीत निर्देशक का नाम और पूरा पता
22. पार्श्वगायक का नाम और पूरा पता
23. पार्श्वगायिका का नाम और पूरा पता
24. लघु फिल्मों की श्रेणी में प्रविष्ट कार्टून फिल्म के एनीमेटर का नाम और पूरा पता
25. रिलीज होने की तारीख
26. यदि फिल्म किसी दूसरी फिल्म का डब किया हुआ रूप, रूपांतर या रिटेक है तो जिस फिल्म का डब किया हुआ रूप, रूपांतर या रिटेक है उसका व्योरा।
27. समारोह के बाद प्रिंट किस पते पर लौटाई जाए ?  
(कृपया पूरा नाम तथा पता लिखिए)।

पूरा पता

दिनांक

प्रविष्टि भेजने वाले का नाम

.....

.....

.....

हस्ताक्षर

एम० एल० जुनेजा,  
संयुक्त निदेशक,  
फिल्म समारोह निदेशालय

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी 1980

सं० 9-62/75-के० स०स्वा० यो० I—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, पटना से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, अहमदाबाद में बदली हो जाने के फलस्वरूप डा० एम० डी० गोस्वामी ने 28 नवम्बर, 1979 के अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, पटना के अधीन आयुर्वेदिक कार्य चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है और 12 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, अहमदाबाद में आयुर्वेदिक कार्य चिकित्सक के पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

एन० एन० घोष,  
उप निदेशक प्रशासन (के० स० स्वा० यो०)

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 15 जनवरी 1980

सं० ए० 19025/10/78प्र०-III—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग बी), की सस्तुतियों के अनुसार निम्नलिखित

अधिकारियों को, जो तदर्थ आधार पर सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में काम कर रहे हैं, तारीख 21-12-79 से अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है :—

1. श्री एस० पी० सक्सेना
2. श्री ए० विश्वकर्मा
3. श्री एम० सी० बजाज
4. श्री एम० एस० आर० शर्मा
5. श्री एम० आर० शुक्ल
6. श्री ओ० पी० बंसल
7. श्री आर० सी० मिश्र
8. श्री सी० वी० भवानीशंकरन
9. श्री ए० श्रीमम श्रीमन
10. श्री पी० आर० नैयर
11. श्री एम० के० शिवतन्धन
12. श्री पी० आर० पदमानाभन
13. श्री के० के० विजयन
14. श्री सी० एन० आनन्दकृष्णन
15. श्री ए० पी० गोपीनाथन कर्थ
16. श्री के० जी० वाघ
17. श्री वी० एल० वैरागर
18. श्री एन० जी० शुक्ल
19. श्री वी० ई० इडविन
20. श्री आर० एस० सिंह
21. श्री बी० एन० के० सिन्हा
22. श्री आर० वी० एस० यादव
23. श्री एम० पी० सिंह
24. श्री एच० एन० राय
25. श्री डी० एन० राव
26. श्रीमती अनुसूया शिवराजन

सं० ए० 19025/70/78-प्र० III—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग बी), की संस्तुतियों के अनुसार निम्नलिखित अधिकारियों को, जो अल्पकालीन आधार पर सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में काम कर रहे हैं, तारीख 21-12-1979 से अगले आदेशों तक नियमित आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है :—

1. श्री एस० पी० शिन्दे
2. श्री आर० सी० मुंजी
3. श्री बी० एन० सरकार
4. श्री के० के० तिवारी

सं० ए० 19025/74/78-प्र० III—सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पदों पर निम्नलिखित अधिकारियों

की अल्पकालीन नियुक्ति को 31 मार्च, 1980 तक या जब तक कोई नियमित प्रवन्ध किए जाने हैं, दोनों में से जो भी पहले हो, बढ़ाया गया है—

1. श्री एस० डी० काथलकर
2. श्री एस० के० मलिक
3. श्री आर० के० पांडे
4. श्री एम० जे० मोहन राव
5. श्री एस० सूर्यनारायण मति
6. श्री एन० एस० चेलारपति राव
7. श्री सी० एम० गिरधर
8. श्री एस० ए० शमसी
9. श्री के० जयनन्दन

बी० एल० मनिहार,  
निदेशक प्रशासन

कृते कृषि विपणन मलाहकार भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग  
(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 18 जनवरी 1980

सं० प ख प्र-1/12/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एन० द्वारा श्री सोम नाथ सचदेव, हिन्दी अनुवादक परमाणु खनिज प्रभाग को उसी प्रभाग में श्री आर० एन० दे, सहायक कार्मिक अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 1 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न में ले कर 29 फरवरी, 1980 के अपराह्न तक की अवधि के लिए पूर्णतया अस्थायी तौर पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 14 जनवरी, 1980

सं० भाषा/स्था०/1/ज-6/184—भारी पानी परियोजना, के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री जे० एल० जैन, अस्थायी प्राणुनिपिक (वरिष्ठ), भारी पानी परियोजना (कोटा) को उसी परियोजना, अस्थायी तौर पर तदर्थ आधार पर, 12 नवम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से 13 दिसम्बर, 1979 (अपराह्न) तक श्री के० टी० जॉय, सहायक कार्मिक अधिकारी, जो छुट्टी पर है, के स्थान पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलूर-560025, दिनांक 11 जनवरी 1980

सं० 10/5(20)/78-मि० इ० प्र० (एच०)—अन्तरिक्ष विभाग में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता,

सिविल इंजीनियरी प्रभाग के तकनीकी सहायक-सी, श्री जी० विरवन्थन, जो कि दस महीने विराम माराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र, थुम्बा, विवेन्द्रम के इंजीनियरी अनुसंधान प्रभाग में कार्य कर रहे हैं, कि इंजीनियर एम० बी० के पद पर स्थापना के रूप में दिनांक 1 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक पदोन्नति करने हैं और उन्हें उसी प्रभाग में कार्य करने के लिए तैनात किया गया है।

एच० एस० रामदास,  
प्रशासन अधिकारी-I

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 नवम्बर 1979

सं०-ए० 35018/6/79-ई० I—राष्ट्रपति जी ने श्री एम० एल० भनोट, आई० पी० एन० (बी०-1957) को 19 अक्टूबर, 1979 से प्रथमतः एक वर्ष के लिए नागर विमानन विभाग के नागर विमानन सुरक्षा संगठन में रु० 2000-2250 तथा रु० 200/- विशेष वेतन प्रति माह) प्रतिनियुक्ति पर उपनिदेशक (सुरक्षा) के पद पर नियुक्त किया है।

विष्वक्मोद जोहरी,  
सहायक निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

सं० ए० 32013/2/79 ई०—उस विभाग की 22-5-79 की अधिसूचना सं० ए० 32013/2/79 ई०-I के क्रम में राष्ट्रपति जी ने श्री आर० नरसिन्हा वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी को दिनांक 9 अक्टूबर, 1979 से 31-3-1980 तक या पद के नियमित रूप में भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग में उपनिदेशक: अनुसंधान और विकास के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 22 दिसम्बर 1979

सं०-ए० 32013/10/77 ई० I—उस विभाग की दिनांक 22 मई: 1979 की अधिसूचना सं० ए० 32013/10/77 ई० I के क्रम में महानिदेशक नागर विमानन ने इस विभाग के स्थायी पुस्तकालय श्री एम० डब्ल्यू० एच० जाफरी की नागर विमानन विभाग में मुख्य पुस्तकाध्यक्ष के रूप में तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 16-11-79 अपराह्न के बाद छः मास की अवधि के लिए या पद के नियमित रूप में भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, जारी रखने की गंजूरी दे दी है।

दिनांक 15 जनवरी 1980

सं०-ए० 12025/2/78-ई० I—राष्ट्रपति जी श्री जितेन्द्रनाथ मुखर्जी को दिनांक 12 दिसम्बर 1979 पूर्वाह्न से आगे अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में शक्ति परीक्षण के पद पर नियुक्त करते हैं।

वितरंजनकुमार वट  
सहायक निदेशक,

नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1980

सं० ए० 32013/4/78 ईमी०—उम विभाग की दिनांक 30-3-79, 12-4-79 और 26-4-79 की अधिसूचनाएँ सं० ए० 32013/4/78 ईमी० के क्रम में राष्ट्रपति जी ने निम्नलिखित तीन सहायक संचार अधिकारियों की संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख के बाद और 29-2-80 तक या पदों के नियमित रूप में भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दे दी है :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन	तदर्थ नियुक्ति को जारी रखने की अवधि
1.	श्री एन० मुनियन्दे	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	20-9-79 के बाद और 29-2-80 तक
2.	श्री टी० सी० एम० मसद	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	4-9-79 के बाद 29-12-80 तक
3.	श्री एम० एल० मेहरा	वै० सं० स्टेशन: नई दिल्ली	26-9-79 के बाद 29-2-80 तक

आर० ए० रा०  
सहायक निदेशक, प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1980

सं० 1/5/79-स्था०—स्वचन समूह बम्बई के स्थानाप्त सहायक अभियंता श्री फयाज अहमद को (15-10-79 से 30-11-79 तक उन्हें मजूर अजित छुट्टी की समाप्ति पर) 30 नवम्बर, 1979 के अपराह्न से अपनी नियुक्ति में त्याग पत्र देने की अनुमति दी गई।

सं० 1/433/79-स्था०—मुख्य कार्यालय, बम्बई के अनुसंधान व विकास एका के स्थानाप्त सहायक अभियंता, श्री के० उत्तीकृष्णन को 12 दिसम्बर 1979 के अपराह्न से अपनी नियुक्ति से त्यागपत्र देने की अनुमति दी गई।

दिनांक 11 जनवरी 1980

सं० 1/98/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के स्थानाप्त तकनीकी सहायक श्री जी० एम० छटवाल को अल्पकालीन खाली जगह पर 14-5-79 से 28-9-79 (दोनों दिनों समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानाप्त रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 जनवरी 1980

सं० 1/481/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मद्रास शाखा के पर्यवेक्षक श्री बालकृष्ण

को 12-6-79 से 7-8-79 (दोनों दिनों समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में तदर्थ आधार पर स्थानाप्त रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

ए० ए० महाहोत्रा  
उप निदेशक, (प्रशा०)  
कृते महानिदेशक

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

मीमा गुलाम तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1980

सं० 11/79—श्री पी० पी० मिह ने, जो कि नि० ले० प० नि० सी० के० उ० शु० में निरीक्षण अधिकारी ग्रुप 'क' के रूप में कार्य कर रहे थे, राजस्व विभाग के दिनांक 30-11-79 के आदेश सं० 186/79 (फा० सं० ए० 22012/38/79 प्रशा०-II) के अनुसार, अपने अधीनस्थ ग्रुप 'ख' के ग्रेड पर प्रस्तावित होत और नि० ले० प० नि० सी० के० उ० शु० में निरीक्षण अधिकारी ग्रुप 'ख' के रूप में तैनात किए जाने पर, अपनी छुट्टी की समाप्ति पर, दिनांक 10-12-79 के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार संभाल लिया।

ए० एम० गिन्हा,  
निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान शाला

पुणे-411024, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० 608/158/80 प्रशासन—संघ लोक सेवा आयोग से की गई भ्रष्टाचार के कारण निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान शाला, पुणे, डा० सि० व्ही० धर्माधिकारी को पदवीक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक भौतिकी) के पद पर केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान शाला, पुणे में वेतन रु० 710/- प्रति माह वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 - द० रो०-40-1200 पर 1 जनवरी 1980 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

डा० धर्माधिकारी के लिए 1-1-1980 से दो माल परिवीक्षावधी होगी।

एम० आर० गिडवानी,  
प्रशासन अधिकारी  
कृते निदेशक

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोकनिर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी 1980

सं० 33/12/78-ई० सी०-9—निर्माण महानिदेशक, के० लो० नि० वि०, संघ लोक सेवा आयोग के निम्नलिखित नामित को सहायक वास्तुविद् के नाते अस्थायी पद पर रुपाए 350-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-



द० रो०-40-1200 के बखनमान में उनके नाम के आने दर्शाए वेतन एवं तिथि में महर्षि नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं०	नाम	सहायक वास्तु- विद् के नाते नियुक्ति की तिथि	वेतन	टिप्पणी
1.	श्री एम० ए० गोरे	24-12-79 (पूर्वाह्न)	रू० 650/- प्रतिमाह	इनका वेतन जल्द ही नियमानुसार पुनर्नियत किया जाएगा।

2. श्री गोरे को ऊपर दर्शाए अनुसार सहायक वास्तुविद् के नाते उनकी नियुक्ति से 2 वर्ष की अवधि तत्पश्चात् परीक्षा पर रखा जाएगा।

3. श्री गोरे की नैताती वरिष्ठ वास्तुविद् (दिल्ली प्रशा०)-3 एका में नई दिल्ली में की जाती है।

हर्षदेव मिश्रा,  
प्रशासन उपनिदेशक

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1980

सं० 78/प्रार० ई०/161/1—रेलवे लाइनो और परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं की सामान्य जानकारी के लिये एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित गाड़ो में, जहाँ निर्माण कार्य हो रहा है, 1-2-1980 को अथवा उसके बाद ए० सी० ऊपरी कर्पण तारों से 25 कि० बो० की उच्च ओवटन वाली अथवा इससे कम की ऊर्जा विभिन्न चरणों में चालू की जायेगी—

गुड्डर (छोड़कर) से बिट्टगुण्टा (सहित) तक

संरचना सं० 137/13, 14 (कि० मी० 137/337.25)  
से

211/13, 14 (कि० मी० 211/364.12) तक

उनी तारीख से ऊपरी कर्पण लाइन हर समय दिवर्तनीय बन मानी जायेगी तथा कोई अनधिकृत व्यक्ति उसके सम्पर्क में अथवा सामीप्य में काम नहीं करेगा।

जनता को भी चेतावनी दी जाती है कि—

1. खण्ड में बिजली कर्पण तारों और फिटिंग से दूर रहे;
2. व्यक्तिगत रूप से सीधे अथवा खम्भों, बावों, धातु की छड़ जैसी चीजों के जरिये ऐसी तारों और फिटिंग के पास अथवा सम्पर्क में न आये क्योंकि ऐसा करना घातक सिद्ध होगा।

3. डिब्बों के बाहर अपने जमीन के किसी हिस्से को झुकाना अथवा बाहर नहीं निकालना चाहिए अथवा घायल होने का खतरा है क्योंकि लाइन के दोनों ओर कर्पण तारों के लिये इस्तेमाल के स्थूल खड़े किये गये हैं।

4. बिजली की फिटिंग और ऊपरी बिजली तारों से दो मीटर के क्षेत्र में अन्दर न आये।

5. ऊपरी तारों के पास आना अथवा काम करना मना है।

6. लाइननों पर चढ़ना करना अथवा डिब्बों की छत पर चढ़ना मना है क्योंकि ऐसा करना घातक सिद्ध हो सकता है।

7. यदि किसी दुर्घटना को देखें तो कृपया निम्नलिखित स्टेशन मास्टर को सूचना दें।

यदि चेतावनी की उपेक्षा करने के कारण होने वाली किसी भी दुर्घटना के लिये रेल प्रशासन जिम्मेदार नहीं होगा।

मड़क उपयोगकर्ताओं को चेतावनी

सं० 78/प्रार० ई०/161/1—गर्वसाधारण की जानकारी के लिये सूचित किया जाता है कि 25 कि० बो० ए० सी० बिजली कर्पण की व्यवस्था करने के मिलमिले में दक्षिण मध्य रेलवे के गुड्डर (छोड़कर) से बिट्टगुण्टा (सहित) तक के खण्ड के सभी समाप्तों पर मड़क स्तर से 15 फुट 4 इंच (4.47 मीटर) की स्पष्ट ऊंचाई तक ऊंचे आमान लगाने गये हैं ताकि प्रत्येक ऊंचाई तक लदे हुए वाहनों को बिजलीयुक्त कर्पण तारों के सम्पर्क अथवा अत्यधिक खतरनाक सामीप्य में आने से रोका जा सके। जनता को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि वाहनों का लदान करते समय उचित निश्चित ऊंचाई का ध्यान रखा जाये और सुनिश्चित किया जाये कि मड़क वाहनों में लादा जाने वाला माल किसी भी हालत में ऊंचाई के आमानों का उल्लंघन न करे।

प्रत्येक ऊंचाई तक लदान करने के निम्नलिखित खतरे हैं :—

- (i) ऊंचाई आमान के लिये खतरा और परिणामस्वरूप मड़क तथा रेलवे लाइन के लिये संभावित।
- (ii) वाहन में ढोये जाने वाले सामान अथवा उपस्वर के लिये खतरा।
- (iii) बिजलीयुक्त कण्डक्टरों के सम्पर्क अथवा खतरनाक सामीप्य के कारण आग लगने का खतरा और जान का जोखिम।

रेल प्रशासन इस चेतावनी की उपेक्षा के कारण होने वाली किसी भी दुर्घटना के लिये जिम्मेदार नहीं होगा।

क० बालचन्द्रन,

सांचव,

रेलवे बोर्ड

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स डीलाईट पिकचरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 13 दिसम्बर 1979

सं० 9492/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स डीलाईट पिकचरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स बी० बहेरामजी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 13 दिसम्बर 1979

सं० 12659/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स बी० बहेरामजी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० सी० गुप्ता,  
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार  
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम 1956 और "कोलम्बानी" इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पांडिचेरी, दिनांक 18 जनवरी 1980

सं० 15/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर "कोलम्बानी स्पोर्ट्स एण्ड एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड" का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० आर० बी० बी० सत्यनारायणा  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
पांडिचेरी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और जगदम्बे फाईनेन्सियर्स एण्ड चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० जी०/स्टेट/560/3054/760—कम्पनी अधिनियम, 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि जगदम्बे फाईनेन्सियर्स एण्ड चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बी० एल० फाईनेन्सियर्स एण्ड चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० जी०/स्टेट/560/3092/762—कम्पनी अधिनियम, 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बी० एल० फाईनेन्सियर्स एण्ड चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पठानकोट गुड्स कैरियर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० जी०/स्टेट/560/3051/764—कम्पनी अधिनियम 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पठानकोट गुड्स कैरियर प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कपूरथला प्रापर्टी चिट फण्ड एण्ड फाईनेन्सियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० जी०/स्टेट/560/3004/768—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कपूरथला प्रापर्टी चिट फण्ड फाईनेन्सियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सत्कार फाईनेन्सियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० जी०/स्टेट/560/2673/768—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में

एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उमापति गणेश फाइनन्स एंड चिट फंड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ज्ञानंधर, दिनांक 19 जनवरी 1980

मं० जी०/स्टेट/560/2225/780--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि जान्नी एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और इस कम्पनी विघटित हो गई है।

जालंधर, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० जी०/स्टेट/560/3075/782—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्भाग सूचना दी जाती है कि आनन्दपुर चिट फंड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

जालंधर, दिनांक 19 जनवरी 1980

मं० जी०/स्टेट/560/2952/784—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पंजाब रबड़ एण्ड केमिकल इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

જાનંધર, દિનાંક 19 જાનવરી 1980

मं० जी०/स्टेट/560/3070/786—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि एम० एच० कौन्सर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

जालंधर, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० जी०/स्टट/560/3122/788—कम्पनी अधिनियम,  
1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अन्तर्गत में

द्वारा सूचना दी जाती है कि हरजय ट्रेडर्स एण्ड चिट फण्ड फार्निशियर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज से रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आनन्द हाई स्पीड स्टील्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० जी०/स्टेट/560/2768/790—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि आनन्द हाई स्पीड स्टील्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

मन्य प्रकाश तायल  
कम्पनी रजिस्ट्रार  
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सौतन्ठ एंटरप्राइसेस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० 3011/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर सौतन्ठ एंटरप्राइसेस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजबानी  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

आयकर आयुक्त का कार्यालय

कोचिन-682016, दिनांक 9 जनवरी 1980

आवेश

विषय :—आयकर अधिकारी श्रेणी-बी के पदोन्नति का आदेश।

सी० सं० 2/एस्ट/गज/कोण/79-80—निम्नलिखित पदोन्नति, स्थानान्तरण और नियुक्तियों का एतद्वारा आदेश दिए जाते हैं :—

पदोन्नति :

निम्नलिखित आयकर निरीक्षकों को उनके कार्यभार लेने की तारीख से और आगामी आदेशों तक रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में आयकर अधिकारी, श्रेणी-बी, के पद पर स्थाना-पन्न रूप से कार्य करने के लिए एतद्वारा नियुक्त किए जाते हैं :—

1. श्री एम० चन्द्रशेखरन,
2. श्री ए० आर० गोपालकृष्णन।

वे दो वर्ष के अवधि तक परीक्षा पर होंगे।

2. उपर्युक्त पदों की नियुक्ति श्विलकुल अस्थायी और सामयिक है, जो किसी सूचना के बिना ही समाप्त करने लायक है। इनकी नियुक्ति, उच्च न्यायालय, केरल में फायल किए हुए मूल याचिका सं० 2499/1977 एल० और सं० 4023/1978 तथा उच्च न्यायालय, दिल्ली में फायल किए हुए सिविल रिट याचिका सं० 25/1979 के फल पर आधारित है।

## II. स्थानान्तरण और नियुक्तियां

क्रम सं०	नाम	से (पद का नाम)	पर (पद का नाम)	अभ्युक्तियां
1	2	3	4	5
1.	श्री बी० मुब्रह्मण्य पिल्लै	आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, तिरुवनन्तपुरम।	आयकर अधिकारी डी-वार्ड, तिरुवनन्तपुरम।	—
2.	श्री के० पी० डी० नायर	आयकर अधिकारी, (छुट्टी से लौटने पर)	आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, तिरुवनन्तपुरम।	श्री बी० मुब्रह्मण्य पिल्लै के स्थानान्तरण होने से उनके स्थान पर।
3.	श्री के० एस० स्करिया	आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, तिरुवल्ला।	आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, तिरुवल्ला।	—
4.	श्री एम० चन्द्रशेखरन	आयकर निरीक्षक, (आयकर अधिकारी श्रेणी बी के रूप में पदोन्नति)	आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, तिरुवल्ला।	श्री के० एस० स्करिया के स्थानान्तरण होने से उनके स्थान पर।

1	2	3	4	5
5. श्री ए० आर० गोपालकृष्णन		आयकर निरीक्षक, (आयकर अधिकारी श्रेणी-बी के रूप में पदोन्नति)	आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, कोट्टयम।	श्री टी० मन्नाई को दिए गए अतिरिक्त कार्य- भार से मुक्त करने के कारण।

एम० एम० उष्णिनायर,  
आयकर आयुक्त, केरल-1  
एरणाकुलम

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1979

फा० सं० जुरि०/दिल्ली-1/79-80/36607—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले जारी की गई अधिसूचनाओं में आंशिक परिवर्तन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि आयकर अधिकारी, 5वां अतिरिक्त वेतन सर्किल का आयकर अधिकारी, दूसरा अतिरिक्त वेतन सर्किल, नई दिल्ली के साथ, उनके द्वारा निर्धारित/निर्धारण योग्य व्यक्तियों/मामलों के सम्बन्ध में समवर्ती अधिकार क्षेत्र होगा लेकिन इनमें धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले मामले शामिल नहीं होंगे।

कार्य निष्पादन की सुविधा के प्रयोजन से आयकर आयुक्त, दिल्ली-1 आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124 की उपधारा (2) में अपेक्षित आदेशों को पास करने के लिए निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-1 बी को प्राधिकृत भी करते हैं।

यह अधिसूचना 17-12-1979 से लागू होगी।

एम० डब्ल्यू० ए० खान  
आयकर आयुक्त,  
दिल्ली-1, नई दिल्ली,

अनुसूची

रेंज	आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
1	2
1. निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेंज-2-ए, नई दिल्ली।	कम्पनी सर्किल-5, 6, 8, 9, 11 और 17 नई दिल्ली।
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेंज-2-जी, नई दिल्ली।	कम्पनी सर्किल-1, नई दिल्ली।
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेंज-2-एच, नई दिल्ली।	कम्पनी सर्किल-4, नई दिल्ली।
यह अधिसूचना 15-12-79 से लागू होगी।	

के० आर० राघवन  
आयकर आयुक्त, दिल्ली-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1979

फा० सं० जुरि०-दिल्ली-II/79-80/36707—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस सम्बन्ध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के आदेशों में परिवर्तन करने हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-II, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उसी अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्टों/सर्किलों के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में उक्त अधिनियम 3—446 GI/79

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1979

फा० सं० जुरि०-दिल्ली-3/79-80/36907—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस सम्बन्ध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों तथा इस विषय पर पहले के आदेशों में परिवर्तन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-3 नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उसी अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्टों/सर्किलों के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों, व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में उक्त अधि-

नियम के अन्तर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे :—

## अनुसूची

रैंज का नाम	आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
1	2
1. निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रैंज-4-ई, नई दिल्ली।	(1) डा०-5 (11), 5(12), 5(16), 8(3), 8(5), 8(13), 8(14), 8(15), 10(3), 10(11), स्पेशल सर्किल 6 और स्पेशल सर्किल -10, नई दिल्ली। (2) कर वसूली अधिकारी-10, नई दिल्ली।
2. निरीक्षीय सहायक आयकर अधिकारी रैंज-4-जी, नई दिल्ली।	(1) इस प्रभार के उन डि०/सर्किलों के मामले जो आयकर अधिनियम, की धारा 125 के अन्तर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त को सौंपे जाएं। (2) स्पेशल सर्किल-6 अतिरिक्त और स्पेशल सर्किल 16, नई दिल्ली।

यह अधिसूचना 17-12-1979 से लागू होगी।

फा० सं० जुरि-दिल्ली/3/79-80/37007—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 125-ए की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इन विषय पर पहले जारी की गई अधिसूचनाओं में आंशिक परिवर्तन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-3 निदेश देने हैं कि किसी भी क्षेत्र या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में आयकर अधिकारी, स्पेशल सर्किल-16 और स्पेशल सर्किल-6 अतिरिक्त, नई दिल्ली को प्रदत्त या सौंपी गई किसी या सभी शक्तियों या कार्यों का प्रयोग या निष्पादन निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रैंज 4-जी, नई दिल्ली द्वारा समवर्ती रूप से किया जाएगा।

कार्य निष्पादन की सुविधा के प्रयोजन से आयकर आयुक्त, दिल्ली-3 आयकर अधिनियम-1961 की धारा 125-ए की उपधारा (2) में अवैधित आदेशों को पास करने के लिए निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रैंज 4-जी को प्राधिकृत भी करते हैं।

यह अधिसूचना 17-12-1979 से लागू होगी।

एस० जी० जयसिंहानी,  
आयकर आयुक्त, दिल्ली-3, नई दिल्ली

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० एनबीए/11/79-80—यन: मुझे, सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 10 बीघा 15 बिसवा है तथा जो गांव चासवाल तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पर्याप्तोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरक) या अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए जा सका होगा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण का हुई किसी आय को प्राप्त उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री माधुसिंह, वासी गांव पालीया कलां, तहसील नाभा, जिला पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री बचितरसिंह पुत्र श्री नन्दा राम, श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री नगाहीआ सिंह, वासी गांव चासवाल, तहसील नाभा, जिला पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 वा 15 बीबिसवा है और जो गांव चासवाल, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (जायेंदगी में कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 191, मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 9 जनवरी 1980

मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० एनटी/14/79-80—यतः मुझे, मुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जो जमीनी सं० भूमि 11 विधा है तथा जो गांव चामवाल, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को, उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर व ऐसे दृश्यमान प्रतिकर के उद्देश्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी धार का बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री साधू सिंह, गांव पालियां कलां, तहसील नाभा, पटियाला।  
(अन्तरक)

2. श्री अचिन्तर सिंह पुत्र श्री गदा राम, श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री नगहिया सिंह, वासी गांव चामवाल, तहसील नाभा, जिला पटियाला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-अंगी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमिजिम्मा क्षेत्रफल 11 विधा है और जो गांव चामवाल, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 236, मई, 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रंज, लुधियाना।

तारीख : 9-1-1980  
मोहर :



प्रकृत आर्डि० टी० एन० एम०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० सी०एच०डी/40/79-80--यन. मुझे, मुख्तद्व चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी म० प्लॉट नं० 3286 है तथा जो सैक्टर 35-डी० चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसका उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तराल की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तराल (अन्तरालों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐन अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) प्रमाणों के द्वारा तथ्यों प्राप्त की जाय उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तराल के दायित्व में कमी करने या उपय बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवस्थितियों, शर्तों :--

1 श्री पुरन सिंह पुत्र श्री जवाहर सिंह निवासी गांव मिखावाल, जिला होशियारपुर द्वारा लाफल अद्वारनी श्री रन्त लाल गोयल पुत्र श्री शिवजी राम वासी 1226, सैक्टर 19-बी, चन्डीगढ़।

(अन्तराल)

2 श्री ओम प्रकाश धल, पुत्र स्व० श्री अन्त राम धल, मकान नं० 2546, सैक्टर 22-बी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना को तारीख 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पाग लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3286, सैक्टर 35-डी, चन्डीगढ़।

(जावेदद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 175, मई 1979 में दर्ज है)।

मुख्तद्व चन्द,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रंज, लुधियाना।

तारीख : 9-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एल०-----

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० सीएचडी/47/79-80—यस: भूमे मुखदेव चन्द  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्यावर सम्पत्ति, जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० मकान नं० 112, है तथा जो सैक्टर 15-ए,  
चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, चन्डीगढ़  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख मई 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिनी (अन्तरिनिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
नव पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अधिनियम  
विलेख 176 में वर्णित का न होना उचित किया गया है:—

(क) अन्तरण से पूर्व किन्हीं आय का ताबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
अधिकार में कमी करने या उससे बचन में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किन्हीं आय या किन्हीं धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री अवतार सिंह भाटिया पुत्र स्व० श्री हरबन्धु सिंह  
भाटिया द्वारा जनरल अटारनी श्री मत्त पाल सिंह  
भाटिया पुत्र स्व० श्री हरबन्धु सिंह भाटिया, वासी  
एफ०-15, अशोक विहार, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री कुलवन्त सिंह पुत्र श्री अणा सिंह बड़वाल वासी  
मकान नं० 1198, सैक्टर, 15-बी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिनी)

3. (1) डा० इन्द्रजीत मुनेजा, पंजाब यूनीवर्सिटी,  
जी० एफ० मकान नं० 112, सैक्टर 15-  
ए, चन्डीगढ़।

(2) श्री सोम दत्त, पहली मंजिल, 112, सैक्टर  
15-ए, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 112, सैक्टर 15 ए, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी, चन्डीगढ़ के  
कार्यालय के विलेख संख्या 176, मई, 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 9-1-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंजन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० सीएचडी//33/79-80--यह सन् सुब्रह्मदेव चन्द,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2555 है तथा जो मैक्टर 35-डी,  
चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय  
चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख मई, 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और योंही यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविकता से कथित  
नहीं किया गया है:--

क, अन्तरण से हुए किसी प्रकार की बाधा उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कसो करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी निम्न बात या निम्न बात या अन्य आस्थितियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्त-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्रीमती रीता चन्द डी० चिन्मय शर्मा एवं श्री चन्द  
डी० चिन्मय शर्मा सी०-546, (डफिन कॉलोनी, नई  
दिल्ली द्वारा जनरल अफसरों श्रीमती आशा सुद  
पत्नी श्री प्रिय मोहन सुद वार्ड 1166, मैक्टर  
8-सी, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री प्रिय मोहन सुद पुत्र श्री मादी राम सुद, वार्ड  
सं० 1166, मैक्टर 8-सी, चन्डीगढ़।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना का  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से  
समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रिदबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित  
में किए जा सकेंगे।

संशुद्धकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सुब्रह्मदेव

प्लॉट नं० 2555, मैक्टर 35-डी, चन्डीगढ़।

(जावेद जैमानि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के  
कार्यालय के विलेख संख्या 160, मई 1979 में दर्ज है)।

सुब्रह्मदेव चन्द  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंजन, लुधियाना।

तारीख: 9-1-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेंट रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं. डीपी/24/79-80—यहां मुझे मुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के प्रतीक तान अधिकारी को यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है और जिसका प्लॉट भूमि 10 बिघा है तथा जो गांव किशनपुरा, सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला में स्थित है (अर्थात् इसे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डेरा बस्सी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में लगे करने में उक्त अन्तरण में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री देव राज, वापों छत, सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री गुरचरण सिंह, बच्चन सिंह, दलदेव सिंह, लाभ सिंह, दयाल सिंह पुत्र श्री जेठा सिंह बामी नरायन गढ़ जंगियां, सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेंट के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेंट के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी दो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पाग लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें सूक्त पदों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 बिघा है और जो गांव किशनपुरा, सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेरा बस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या 257, मई, 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेंट रेंज, लुधियाना।

तारीख : 9-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० डीबीएम/23/79-80—यतः मुझे, मुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 10 बिघा है तथा जो गांव किशनपुरा, सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डेरा बस्सी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—  
4—446GI/79

1. सर्वश्री फकीरीया, बालकू पुत्र श्री तूनसी, वासी छन, सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. सर्वश्री कुलदीप कुमार, राजिन्दर कुमार, अशोक कुमार, सुधीर कुमार पुत्र श्री देस राज पुत्र हरी चन्द खंडूजा, वासी मकान नं० 1330, सैक्टर 18-सी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 बिघा है और जो गांव किशनपुरा, सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेरा बस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या 255, मई 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 9-1-1980  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० सीएचडी/130/79-80—वत: मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट क्षेत्रफल 525.75 वर्ग गज तं० 140, है जो सेक्टर 35-ए, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-काय अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किना जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात:—

1. श्री बन्त सिंह मांगट पुत्र श्री नारन्जन सिंह, वासी गांव व डा० रामपुर, जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री संजीव गरोबर, श्री रोहित गरोबर पुत्र श्री ए० डी० गरोबर, द्वारा ए० डी० गरोबर, वासी 339, सेक्टर 35-ए, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बलसूची

प्लॉट नं० 140-सेक्टर 35-ए, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 768, जुलाई, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9-1-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० एनबीए/35/79-80—यतः मुझे, मुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिनकी सं० भूमि 13 विघा 6 बिसवा है तथा जो गां० चासवाल, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शिक्षा सिंह पुत्र श्री करतार सिंह, गांव चासवाल, तहसील नाभा, जिला पटियाला।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री दर्शन सिंह, प्रीतम सिंह, जसबन्त सिंह, बेअन्त सिंह पुत्र श्री प्यारा सिंह, श्री मोहनन्दर सिंह पुत्र श्री करतार सिंह, वासी गांव चासवाल, तहसील नाभा, जिला पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 विघा 6 बिसवा है और जो गांव चासवाल, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है।

जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 486, मई, 1979 में दर्ज है।

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त; (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 9-1-1980

मोहर।

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० एनवीए/33/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द  
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 1 कनाल 11 मरले कुछ बने हुए के साथ  
है तथा जो हीरा महल, नाभा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
राखित रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य धातुओं को  
जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जगरज कौर पत्नी श्री कुलदीप सिंह, वासी  
हीरा महल, नाभा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जोयिन्दर कौर पत्नी श्री गौतम कुमार सिंह,  
वासी हीरा महल, नाभा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-अ में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 1 कनाल 11 मरले कुछ  
बने हुए के साथ है जो हीरा महल, नाभा में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के  
कार्यालय के विलेख संख्या 453, मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 9-1-1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० पीटीए/35/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग गोदाम है तथा जो सनौर रोड़ पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) के अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री दिनेश कुमार पुत्र श्री देव बरत पुत्र श्री बिहारी लाल, वासी सनौर रोड़, पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री प्रिया बरत पुत्र श्री देव बरत, वासी सनौर रोड़, पटियाला।

(अन्तरिती)

3. (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. सर्वश्री चन्दा सिंह, मुख्तियार सिंह पुत्र श्री नाहार सिंह, कुले माजरा, श्रीमती परमिन्दर कौर पुत्री श्री ईशर सिंह, श्रीमती रणजीत कौर पुत्री श्री मोहर सिंह, वासी सनौर रोड़, पटियाला।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग गोदाम जो सनौर रोड़, पटियाला में स्थित है।  
(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 556, मई 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी;  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 9-1-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० पीटीए/39/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग गोदाम है तथा जो सनौर रोड़, पटियाला में स्थित है और (इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री दिनेश कुमार पुत्र श्री देव वरत, वासी सनौर रोड़, पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री प्रिया वरत पुत्र श्री देव वरत पुत्र श्री बिहारी लाल, वासी सनौर रोड़, पटियाला।

(अन्तरिती)

3.

(वह व्यक्ति, जिसके वा अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. सर्वश्री चन्दा सिंह, मुख्तियार सिंह पुत्र श्री नाहार सिंह, गांव कुले माजरा, श्रीमति परमिन्दर कौर पुत्री श्री ईशर सिंह, श्रीमती रणजीत कौर पुत्री श्री मोहर सिंह, वासी सनौर रोड़, पटियाला।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/2 भाग गोदाम जो सनौर रोड़, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 618, मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 9-1-1980

मोहर :

प्ररूप धार्मिक डी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० सीएनडी/31/79-80—यतः मुझे मुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3404 है, तथा जो सेक्टर 35-डी, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सन्त राम सन्दल पुत्र श्री पेरु राम वासी गांव चौन्तरा, तहसील व जिला हमीरपुर (हि० प्र०) द्वारा श्री रत्न लाल गोयल पुत्र श्री शिवजी राम राम वासी 1226, सेक्टर 19-बी, चन्डीगढ़ स्पेशल पावर आफ अटारनी श्री त्रलोक सिंह महदेव पुत्र श्री दलीप सिंह वासी 1226, सेक्टर 19-बी, चन्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्रीमती बलबीर कौर पत्नी श्री शिव लाल मारफत श्री भगत राम पुत्र श्री मेहर चन्द वासी 3562, सेक्टर 23-डी, चन्डीगढ़ द्वारा जनरल अटारनी श्री भगत राम पुत्र श्री मेहर चन्द वासी 3562, सेक्टर 23 डी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धार्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस धार्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3404, सेक्टर 35-डी, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 149, मई, 1979 में वर्ज है)।

मुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9-1-1980  
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० पीटीए/91/79-80—यतः मुझे मुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 3 कनाल 7 मरले है तथा जो गांव झिल, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट ही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री हरनेख सिंह, गुरबक्ष सिंह, सरवन सिंह, बाबू सिंह, देव सिंह व दयाल सिंह पुत्र श्री नया सिंह वासी गांव सोना तहसील व जिला पटियाला।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती सनेह लता पत्नी श्री कृष्ण कुमार वासी गांव झिल जिला पटियाला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 46 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 7 मरले है और गांव झिल, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1319, मई, 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 9-1-1980  
मोहर :

इच्छा धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० सीएचडी/30/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० ओ० नं० 70-71 है तथा जो सेक्टर 15-डी, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के निम्न; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निम्न;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटित :—

5-446GI/79

1. श्री एच० एस० भाटिया पुत्र श्री एन० एस० भाटिया, वासी 105, सेक्टर 11-ए, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रणजीत कौर पत्नी श्री कर्महन्दर सिंह गिल 93 फेज 3 बी 1 मोहाली, पंजाब।

(अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स फैशन कौन्सल, मैसर्स गनेश करियाना स्टोर श्री बाबू राम, श्री किरपा राम, श्री कुलवन्त सिंह, श्री शाम लाल, श्री लछमन सिंह, सारेवासी एस० सी० ओ० नं० 70-71, सेक्टर 15-डी, चन्डीगढ़। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पश्चात् में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिनों की अवधि या सप्ताहवर्षी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० ओ० नं० 70-71, सेक्टर 15-डी, चन्डीगढ़।

(आवेदाव जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० 142, मई, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीखः 9-1-80

मोहूरः

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० पीटीए/79/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि म्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये के अधिक है  
और जिसकी सं० मकान नं० 7311/5, है तथा जो सन्त नगर, पटियाला में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख मई 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्पह  
प्रतिफल में प्रविष्ट है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरितों (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के  
व्ययस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति करतार कौर पत्नी श्री जगदीश प्रसाद, नवला  
मोहल्ला, नरिन्दर भीसार, पटियाला।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती हरभजन कौर पत्नी श्री अमोलक (अमलोक)  
सिंह, अनारदाना चौक, पटियाला।  
(अन्तरित)

3. पंजाब बिजली बोर्ड पटियाला।  
(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के  
लिए कायदाद्वारा करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 7311/5, सन्त नगर, पटियाला।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के  
कार्यालय के विलेख संख्या 1181, मई 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 10-1-1980  
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० पीटीए/79-80-यतः मुझे सुखदेव चन्द प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 500 वर्ग गज नं० 15-ए, है तथा जो माडल टाऊन, पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) अधीन, तारीख मई 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी छन या अन्य भास्तिथियों को, जिन्हें प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री मनमोहन सिंह पुत्र श्री अवतार सिंह, वासी खालसा मोहल्ला पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री अमरजीत सिंह सोही पुत्र सरवन सिंह सोही वासी भामबरी, तहसील मलेरकोटला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 15-ए, माडल टाऊन; पटियाला।

(जायेबाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 662. मई. 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द,

सश्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 10-1-1980

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० पीटीए/57/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 बिघा 13 बिसवा है तथा जो गांव अलीपुर अरीया तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरों की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहन सरूप सिंह पुत्र श्री अनन्द सरूप सिंह, वासी अलीपुर अरीया, तहसील पटियाला।  
(अन्तरक)

2. श्री कुलदीप सिंह पुत्र श्री टेक सिंह, वासी गांव अलीपुर अरीया, तहसील पटियाला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 बिघा 13 बिसवा है और जो गांव अलीपुर अरीया, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 812, मई 1979 में वर्णित है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 10-1-1980  
मोहर :



सहयक आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० पीटीए०/58/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 6 बिघा 5 बिसवा है, तथा जो गांव अलीपुर अरीयां—तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप जमे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

1. श्री मोहन सरूप सिंह पुत्र श्री अनन्द सरूप सिंह, वासी अलीपुर अरीयां, तहसील पटियाला (अन्तरक)
2. श्री सुरिन्दर सिंह पुत्र श्री टेक सिंह, वासी अलीपुर अरीयां, तहसील पटियाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सहायक आयकर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्घस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 6 बिघा 5 बिसवा है, और जो गांव अलीपुर अरीयां, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 829, मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 जनवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० नाभा/32/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 17 बिघा 4 विसवा है, तथा जो गांव मुन्डेर तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुन्शी राम पुत्र श्री बिसना राम, वासी अजनोद कलां, तहसील नाभा  
(अन्तरक)

2. सर्वश्री नरन्जन सिंह, ईशर सिंह, गुरमेल सिंह, पुत्र श्री केहर सिंह गांव मुन्डेर तहसील नाभा, जिला पटियाला  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 17 बिघा 4 विसवा है और जो गांव मुन्डेर, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है। (जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 404, मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 जनवरी 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना कार्यालय

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० पटियाला/77/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 4926/5, है, तथा जो माडल टाउन, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-सरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. श्री हीरा नन्द ग्रहूजा पुत्र श्री चान्द राम ग्रहूजा वासी 2-बाशिंगटन स्ट्रीट ईस्ट जोहन न्यू फार्मिड सैण्ड (कनैडा)

(अन्तरक)

2. श्रीमति शशी प्रभा चन्दके बन्नाम् प्रभा चन्दके पत्नी रोम पुरन चन्दके वासी मकान नं० 4926/5, माडल टाउन, पटियाला।

(अन्तरिती)

3. 1. श्री व श्रीमति प्रभा चन्दके

2. श्री सुनील कूटीर, माडल टाउन, पटियाला (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 4926/5, माडल टाउन, पटियाला।

(जामदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1151, मई, 1979 में वर्णित है)।

सुखदेव चन्द

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 जनवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/52/79-80—यतः, मुझे, मुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 28, है, तथा जो सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इस से उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नीलय नन्द शर्मा पुत्र श्री धनी राम, डिवीजनल फोरैस्ट आफिसर, फोरैस्ट कालोनी, रेलवे रोड, करनाल, श्रीमति राज बसूदेवा पत्नी श्री नीलय नन्द शर्मा वामी फोरैस्ट कालोनी, रेलवे रोड, करनाल।

(अन्तरक)

2. श्रीमति मन्जू मलिक पत्नी श्री सुभाष चन्दर मलिक मारफत पंजाब नेशनल बैंक, सैक्टर 17, चण्डीगढ़। श्री सुभाष चन्दर मलिक पुत्र श्री राम आसरा मल मलिक, सैक्टर 8, मैथेमेट्स, डी० ए० वी० हायर मैकडरी स्कूल, सैक्टर 8, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. श्री के० के० कक्कड़, पंजाब नेशनल बैंक, 28 सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 28, सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ़।

(जायेदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 246, मई, 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 जनवरी 1980

मोहर :

प्रकाश जाई० ००० ए००० ए०००—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अन्तर्गत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना कार्यालय

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० अमलोह/36/79-80—यतः, सुले, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5 विधा 8 विसवा भूमि का 1/2 भाग है, तथा जो जसरां मण्डी, गोविन्दगढ़, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान्वे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा के (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

6—446GI/79

1. श्रीमति लाजवन्ती विधवा श्री जेठू वासी जसरां, मण्डी गोविन्दगढ़, जिला पटियाला ।

(अन्तरक)

2. श्री मलकियत सिंह पुत्र श्री जवाला सिंह वासी जसरां, मण्डी गोविन्दगढ़, जिला पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ ।

उक्त अधिनियम के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रस्ताव 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रस्ताव में दिया गया है ।

अनुसूची

5 विधा 8 विसवा भूमि का 1/2 भाग जो गांव जसरां, मण्डी गोविन्दगढ़, जिला पटियाला में स्थित है ।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 350, मई, 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 जनवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० अमलोह/37/79-80—यतः, मुझे सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग 5 बिघा 8 बिसवा भूमि का है, तथा जो जसरां, मण्डी गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री शंकर मल, बासी जसरां, मण्डी गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला

(अन्तरक)

2. श्री मलकीयत सिंह पुत्र श्री जवाला सिंह, बासी जसरां, मण्डी गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

5 बिघा 8 बिसवा भूमि का 1/2 भाग जो गांव जसरां, मण्डी गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 351, मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 जनवरी 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० नाभा/36/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 28 कनाल है, तथा जो गांव गरवितपुरा, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमति महेश इन्दर, रूपिन्दर पाल, भूपिन्दर पाल (पुत्रियाँ) श्री जसवन्त सिंह वासी गांव गुरवितपुरा, तहसील नाभा, जिला पटियाला, (अब वासी न्यू माडल टाउन, पटियाला)।

(अन्तरक)

2. श्री भूपिन्दर सिंह पुत्र श्री गुरनाम सिंह, वासी गांव गुरवितपुरा, तहसील नाभा, जिला पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 28 कनाल है और जो गांव गुरवितपुरा, तहसील नाभा, जिला पटियाला।

(जायवाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी; नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 494, मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 9 जनवरी 1980

मोहर :

प्रारूप ग्राई० पी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० एन० बी० ए० /37/79-80—यतः, मुझे,  
सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमिक्षेत्रफल 28 कनाल 9 मरले है, तथा जो  
गांव गुरदितपुरा तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रचुरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की धारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जसवन्त सिंह पुत्र श्री अमल सिंह,  
श्रीमति सुखवन्त कौर पत्नी श्री जसवन्त सिंह,  
राजिन्दर पाल पुत्री श्री जसवन्त सिंह द्वारा  
जनरल अटारनी श्री जसवन्त सिंह वासी न्यू माडल  
टाऊन, पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री दविन्दर सिंह पुत्र श्री मुरनाम सिंह, वासी गांव  
गुरदितपुरा, तहसील नाभा, जिला पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रचुरण के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

प्रत्युक्त

भूमि जिसका क्षेत्रफल 28 कनाल 9 मरले है और जो  
गांव गुरदितपुरा, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है।  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के  
कार्यालय के विनेख संख्या 495, मई, 1979 में  
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 9 जनवरी 1980

मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० एन० बी० ए०/87/79-80—यतः, मुझे, मुखदेव चन्द, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 बिघा 9 बिसवा है, तथा जो गांव चासवाल, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जन्म भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री हजूर सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह, वाली गांव चासवाल, तहसील नाभा, जिला पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री अमरजीत सिंह पुत्र श्री साधू सिंह, वाली गांव चासवाल, तहसील नाभा, जिला पटियाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 बिघा 9 बिसवा है और जो गांव चासवाल, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 774, जून, 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 9 जनवरी 1980

मोहर :

तारीख : 9 जनवरी 1980।  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज: लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० एस०आर०डी०/18/79-80—यन: मुझे, मुखदेव चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 9 बिघा 7.1/2 विमवा है तथा जो गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या क्रिपों वन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रामल दत्त पुत्र श्री धर्म गाल वासी गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्रीमति मलकियन कौर पत्नी श्री बचन सिंह पुत्र श्री चनन सिंह वासी गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 बिघा 7.1/2 विमवा है और जो गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 368, मई, 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 10 जनवरी 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० एस०आर०डी०/51/79-80—यतः मुझे: मुखदेव चन्द, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन प्राप्त सूचनाओं को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 10 बिघा है, तथा जो गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित के अन्तर्गत रूप में किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) वसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री उतागर सिंह पुत्र श्री नरैण सिंह पुत्र श्री विष्णु सिंह वासी गांव कोटवा डडहेड़ी, तहसील समराला, जिला लुधियाना

(अन्तरक)

2. सर्वश्री जसवंत सिंह, कर्मजीत सिंह, जगतार सिंह पुत्र श्री काका सिंह, वासी गांव तलवाड़ा, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 बिघा है और जो गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है ।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिन्द के कार्यालय, के विलेख संख्या 692, मई, 1979 में दर्ज है) ।

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 10 जनवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० सरहिन्द/17/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 9 बिघा 7.1/2 बिसवा है, तथा जो गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सरहिन्द में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
7—446GI/79

1. श्री धर्म पाल पुत्र श्री गन्डा मल वासी गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला

(अन्तरक)

2. श्री बचन सिंह पुत्र श्री चनन सिंह वासी गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 बिघा 7.1/2 बिसवा है और जो गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 367, मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 जनवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक जनवरी 1980

निर्देश सं० लुधियाना/R/23/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव, चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रतीत अभ्यधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 37 कनाल 15 मरले है तथा जो गांव सीलो कलां, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है): रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री किशन सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह, वासी सीलो कलां तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री रखा सिंह, जरनैल सिंह, सिन्दर सिंह, जंग सिंह पुत्र श्री कपूर सिंह, वासी सीलो कलां, तहसील लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 37 कनाल 15 मरले है और जो सीलो कलां, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 728, मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 10 जनवरी 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० लुधियाना/78/79ब80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 50-के, है, तथा जो सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति इन्दर जीत कौर पुत्री श्री बच्चन सिंह पुत्र रुड़ सिंह, वासी सन्धू हाऊस, अगराओं रोड़, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री नरिन्दरजीत सिंह पुत्र श्री नरैन सिंह पुत्र श्री बच्चन सिंह, वासी बी-5-280, सिकन्दरी रोड़, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त मंमत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं० 50-के, जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है और जो करतार सिंह सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 754, मई 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 10 जनवरी 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० नाभा/41/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०

गांव मंडौर, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (2) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भाग सिंह पुत्र श्री अमर नाथ पुत्र श्री विमोशर नाथ, धामो माजरा, तहसील पटियाला ।  
(अन्तरक)

2. श्री जगदीश सिंह मान पुत्र श्री जगबीर सिंह मान, वासी रखरा फार्म, रखरा, तहसील पटियाला ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोह-ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 बिघा 1 विसवा है और ज गांव मंडौर, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है ।  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 514, मई, 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 जनवरी 1980  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० डेरा बस्सी/15/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० गांव लोहगढ़, सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाये में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कर्म सिंह पुत्र श्री बचना वासी लोहगढ़, सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला

(अन्तरक)

2. श्री जगदेव सिंह मिश्र पुत्र श्री सुच्चा सिंह, वासी मकान नं० 1564, सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़।

श्री शिव राज सिंह बराड़ पुत्र श्री जसवन्त सिंह बराड़, वासी मकान नं० 1572, सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़।  
(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 8 मरले है और जो गांव लोहगढ़, सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा बस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या 177, मई, 1979 में वर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 जनवरी 1980

मोहर :

प्रारूप धार्मिक टो. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/51/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 323 है, तथा जो सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के दायित्व के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचत या अन्य आस्तियों को, जिम्मे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगदीश राय दाबर पुत्र स्व० श्री कांशी राम दाबर 108, डोरा रोड़, लंडन-एस० डब्ल्यू०-19, द्वारा जनरल अटारनी श्रीमति शान्ति देवी दाबर विधवा श्री राम लाल दाबर, वासी मकान नं० 1157, सैक्टर 18-सी, चण्डीगढ़. (अन्तरक)

2. श्रीमति सकन्दर कौर पत्नी श्री साधू सिंह भाव कोटली डा० टाण्डा बड़ा, जिला पटियाला । (अन्तरिती)

3. श्री सी० बी० परासर, बकील, श्री मनमोहन रेना, श्री जोहन जोसफ, श्री अश्वनी कुमार, सारे वासी 323, सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 323, सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ़ ।

(आयदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 241, मई, 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 जनवरी 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० पटियाला/121/79-80—यतः, मुझे, मुखदेव चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 30.1/2 बिघा है, तथा जो गांव टारेन, तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलदेव सिंह पुत्र श्री किशन सिंह गांव टारेन, तहसील पटियाला ।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री धर्म सिंह, लाभ सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह, सर्वश्री कर्म सिंह, गुलाब सिंह, पंजाब सिंह पुत्र श्री अजमेर सिंह, बासी बथोई खुर्द, तहसील पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 30.1/2 बिघा है और जो गांव टारेन, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1628, जून 1979 में दर्ज है) ।

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 10 जनवरी 1980

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० नाभा/40/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० भूमि 26 बिघा 1 विसवा है, तथा जो गांव मंडौर, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित/द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. सर्वश्री हरबन्त सिंह, राम मूर्ती पुत्र अमरनाथ पुत्र श्री विशेशर नाथ गांव शामो माजरा, तहसील पटियाला

(अन्तरक)

2. श्री अमरीक सिंह गिल पुत्र श्री हिम्मत सिंह गिल पुत्र लाल सिंह वासी रखरा फार्म, रखरा, तहसील पटियाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 26 बिघा 1 विसवा है और जो गांव मंडौर, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है। (जातुदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के कार्यालय के बिलेख संख्या 513., मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 जनवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० नाभा/54/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 25 कनाल 13 मरले है, तथा जो गांव ककराला, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8—446 GI/79

1. श्री जोरा सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह वासी गांव ककराला, तहसील नाभा, जिला पटियाला

(अन्तरक)

2. सर्व श्री अमर सिंह, जागर सिंह, गुरतेज सिंह पुत्र श्री नारंग सिंह गांव ककराला, तहसील नाभा, जिला पटियाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित ह, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 25 कनाल 13 मरले है और जो गांव ककराला, तहसील नाभा, जिला पटियाला।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के कार्यालय के बिलेख संख्या 619, मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 जनवरी 1980

मोहूर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/44/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मजमूदा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1022, है, तथा जो सैक्टर 36-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इस उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-तथा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीसे (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेजर मनमोहन भाटिया पुत्र श्री विद्याल चन्द भाटिया मारफत मकान नं० 116, सैक्टर 9-बी, चण्डीगढ़ (अन्तरक)
2. श्री अर्जुन सिंह पुत्र श्री भगत सिंह मकान नं० 1567, सैक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राश्नः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पधोऽस्नाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 1022, सैक्टर 36-बी, चण्डीगढ़।

(जायेबाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 192, मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 जनवरी 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/48/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 481, है, तथा जो सैक्टर 32-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य या उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री हंस राज पुत्र श्री हाको राम, 14-फरसन कालोनो, राम दरबार, चण्डीगढ़

(अन्तरक)

2. सर्वश्री जगदीश चन्द पुत्र श्री जवाला प्रसाद, अशोक कुमार, अश्वनी कुमार पुत्र श्री जगदीश चन्द बासी मकान नं० 468, सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 481, सैक्टर 32-ए, चण्डीगढ़।

(जावेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 203, मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 जनवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/46/79-80—यसः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2561-475, 32 वर्ग गज है, तथा जो सेक्टर 35-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) 6 लाख रु० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विनाशोद्भा उद्भा उद्भा अन्तरण विनिर्दिष्ट में वास्तविक रूप से तय नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. लै० क० मनमोहन सिंह (रटाइरड) पुत्र श्री नरैन सिंह, बार-एट-ला, द्वारा जनरल अटारनी बगेडियर जे० एस० डिल्लों, मकान नं० 659, सेक्टर 16-डी, चण्डीगढ़

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुरजीत पवित्र सिंह पत्नी स्व० पवित्र सिंह वासी 677, 11-बी, चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2561, सेक्टर 35-सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 198, मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 जनवरी 1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० अमलोह/28/79-80—यतः, मुझे, मुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 बीघे है, तथा जो नसराली, मण्डी गोविन्द गढ़ तहसील अमलोह, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्राय आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, य, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री तेजा सिंह पुत्र श्री किशना वासी नसराली सब तहसील अमलोह जिला पटियाला  
(अन्तरक)

2. श्री दयाल खान पुत्र श्री बीरू वासी नसराली मण्डी, गोविन्दगढ़ तहसील अमलोह, जिला पटियाला  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 बीघे है तथा जो गांव नसराली, मण्डी गोविन्दगढ़ तहसील अमलोह जिला पटियाला में स्थित है।

(सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के विलेख संख्या 279 जो मई 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 जनवरी 1980

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० अमलोह/33/79-80—यतः, मुझे, मुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 14 बिसवा है, तथा जो कुकड़ माजरा तहसील अमलोह, जिला पटियाला (मंडी गोबिन्दगढ़) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, अ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री मलकियत सिंह एवं मुरजीत सिंह पुत्र श्री हीरा सिंह वासी कुकड़ माजरा मण्डी गोबिन्दगढ़, तहसील अमलोह, जिला पटियाला

(अन्तरक)

2. श्री चुहड़ राम पुत्र श्री हमीरा मल वासी मण्डी गोबिन्दगढ़ जिला पटियाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्तृताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जो 14 बिसवे है तथा कुकड़ माजरा, मण्डी गोबिन्दगढ़ तहसील अमलोह, जिला पटियाला में स्थित है।

(सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के विलेख संख्या 324 जो कि मई 1979 में दिखाया गया है)।

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 जनवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/62/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 446 है तथा जो सैक्टर 35-ए चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कैप्टन रविन्द्र सिंह बिके पुत्र स्व० श्री आर० एम० बिके द्वारा श्रीमति प्रीतम कौर पत्नी श्री अजीत सिंह गिल वासी 446, सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़ (अन्तरक)
2. श्री अजीत सिंह गिल पुत्र श्री बक्षीश सिंह गिल वासी 446 सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोद्विस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वीकृतिकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयोग 20-क में परिभाषित हैं, वही पदों होगा, जो उस प्रयोग में दिनांक 1961 में

### अनुसूची

प्लॉट नं० 446 सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़।

(सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 341 जो कि जून 1979 का है, में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 जनवरी 1980  
मोहर :

प्रकृष्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० नाभा/49/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर पम्पनि निरमा उच्चि बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 17 बिघा 4 विसवा है, तथा जो गांव मंडौर, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तर्पि की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, निम्न में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य पास्तिवों को जिन्हें धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्त :—

1. श्री मुन्शी राम पुत्र श्री बिशना राम पुत्र श्री मंगू वासी अजनीदा कलां, तहसील नाभा, जिला पटियाला (अन्तरक)

2. सर्वश्री ईशर सिंह, गुरमेल सिंह, नरनजन सिंह पुत्र श्री केहर सिंह, गांव मंडौर, तहसील नाभा, जिला पटियाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 17 बिघा 4 विसवा है और जो गांव मंडौर, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 610, मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 जनवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/55/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3107 है, तथा जो सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

9—446GI/79

1. श्री ज्ञान सिंह पुत्र श्री पूरन सिंह वासी मनधार तहसील जगाधरी, जिला अम्बाला द्वारा स्पेशल अटारनी श्री दर्शन सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह गरेवाल वासी मकान नं० 188/187, मौ० कालज रोड़, सिविल लाईन, लुधियाना (अन्तरक)

2. श्रीमति इन्दरजीत कौर पत्नी श्री जीवन सिंह मकान नं० 3107, सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3107, सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 288, मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 जनवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० पी०टी०ए०/179/79-80—यतः मुझे, सुखदेव चन्द, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट 1001 वर्ग गज है तथा जो नजदीक गुरुद्वारा दुखनिवारण साहिब रोड, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची और में जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी, किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नरिन्दर सिंह फुलका पुत्र श्री नरन्जन सिंह द्वारा श्री हरपाल सिंह ठिल्लो, बकील जनरल अटारनी, नजदीक रेलवे स्टेशन, पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री साधू सिंह पुत्र श्री चतर सिंह, श्री कर्मजीत सिंह, मोहन सिंह, अमरजीत सिंह, नरैन दास पुत्र श्री साधू सिंह वासी बहेरा रोड, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ह्रास-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1001 वर्ग गज है और जो नजदीक गुरुद्वारा दुखनिवारण साहिब में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख सं० 2318, जून 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-1-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निदेश सं० एलडी०एन०/110/79-80—प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट स्ट्रीट नं० 9, है तथा जो प्रताप नगर, लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः :—

1. श्री रछपाल सिंह पुत्र श्री रघुवीर सिंह  
श्रीमति रणजीत कौर पत्नी श्री रछपाल सिंह द्वारा  
श्री गुरदियाल सिंह कलसी मारफत कलसी टिम्बर  
स्टोर, 160-आर, इन्डस्ट्रीयल एरिया, 'बी' लुधियाना  
(अन्तरक)

2. मैमजं लाल पुंज इंडस्ट्री द्वारा श्री लाल चन्द, राजिन्दर  
कुमार, बामदेव पुत्र श्री मोहन लाल यासी, 1133,  
विशनुपुरी, सिविल लाइन्ज लुधियाना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायदाद्वियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट स्ट्रीट नं० 9, प्रताप नगर, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1022, मई, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 जनवरी, 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० जग०/10/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि, 4 कनाल, 14 मरल, है तथा जो गांव अगवाड़ गुजरां, तहसील जगराओं में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगराओं में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 260-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री कर्म सिंह पुत्र श्री प्रतापसिंह वासी गांव अगवाड़, पोना, तहसील जगराओं।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री उत्तम सिंह, गांव अलीगढ़, तहसील जगराओं (शहीद रछपाल सिंह नगर)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 14 मरले है और जो गांव अगवाड़ गुजरां तहसील जगराओं में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जगराओं के कार्यालय के विलेख संख्या 487, मई, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी;  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज, लुधियाना,

तारीख : 15-1-80

मोहर :



प्रकरण आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० एम० 22/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट 16 जिसवा 15 जिसवासी, है  
तथा जो कुकड़ा, माजरा, मण्डी, गोविन्दगढ़, तहसील अमलोह,  
जिला पटियाला, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय अमलोह में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 5/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्माणाख्यत  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविरव  
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मावृत्तः—

1. श्री गदी राम पुत्र श्री अच्छर राम द्वारा स्पेशल  
अटारनी, श्रीमती शान्ती देवी वासी मण्डी गोविन्दगढ़,  
जिला पटियाला ।

(अन्तरक)

1. श्री नरिन्दर वीरपाल सिंह श्री तेज सिंह पुत्र श्री दर्शन सिंह  
वासी मण्डी, गोविन्दगढ़, तहसील अमलोह ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सं धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट सिका क्षेत्रफल 16 जिसवा 15 जिसवासी,  
है, और जो कुकड़ा, माजरा, मण्डी, गोविन्दगढ़, तहसील अमलोह,  
जिला पटियाला में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमलोह के  
कार्यालय में विलख सं० 208, मई, 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख 15 जनवरी, 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेश सं० बी०आर० एन०/9/79-80—अतः

मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 63, कनाल 8 मरले है तथा जो पट्टी मोहर सिंह भदोड़, तहसील बरनाला, जिला संगरूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नरनाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये धस्तद्विती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (धस्तद्विती) और धस्तद्विती (धस्तद्विती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य : उक्त धस्तद्विती निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धस्तद्विती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चनन सिंह पुत्र श्री राम/सिंह वासी पट्टी मोहर सिंह भदोड़, तहसील बरनाला, जिला संगरूर।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती गुरचरन कौर बनाम नसीब कौर पुत्री श्री भाग सिंह वासी पट्टी मोहर सिंह भदोड़, तहसील बरनाला, जिला संगरूर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रमाणपत्रों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रमाण 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रमाण में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 63 कनाल 8 मरले है और जो पट्टी मोहर सिंह भदोड़, तहसील बरनाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बरनाला के कार्यालय के विशेष संख्या 2043, मई, 1979 में दर्ज र)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 15 जनवरी, 1980

मोहर :

प्रारूप धारा 10 डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1980

निदेश सं० एल० डी० एच०/88/79-80-अतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा, 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और सजकी सं० माकन नं० बी-6-333 है, तथा जो कुच्चा नं० 4, माधोपुरी, लुधियाना, में स्थित है (और इससे पाबद्ध अनुसूची में और कुचो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्त :—

1. श्री शूनी लाल पुत्र श्री बर्कत राम वासी बी-6-333, कुच्चा नं० 4, माधोपुरी, लुधियाना ।

(अन्तरक)

2. श्री राजिन्दर पाल पुत्र श्री हंस राज जैन, वासी बी-6-333, कुच्चा नं० 4, माधोपुरी, लुधियाना ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

माकन नं० बी-6-333, कुच्चा नं० 4, माधोपुरी, लुधियाना ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 823, मई, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारी 15 जनवरी, 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1980

निदेश सं० ज० एन०/13/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 19 कनाल, 12 मरले है तथा जो गांव चक्कर, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना, में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगराओं में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कर्म कौर विधवा श्री तथा सिंह पुत्र श्री टैह लसिंह वासी गांव चक्कर, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना।  
(अन्तरक)

2. सर्वश्री दर्शन सिंह, शेर सिंह पुत्र श्री बाबू सिंह पुत्र पाला सिंह वासी गांव चक्कर, तहसील जगराओं जिला लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 19 कनाल ; 12 मरले, जो गांव चक्कर तहसील जगराओं जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जगराओं के कार्यालय के बिलेख संख्या 693, मई, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

तारीख 15 जनवरी, 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 15 जनवरी, 1980

निदेश सं० सी एच० डी०/45/79-80--अतः मुझे मुख्याधिकार  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3567 सैक्टर 35-डी, है तथा जो  
चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 5/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्न में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

10-446GI/79

1. श्री हकूमत राय पुत्र श्री हकीमराय वासी 15, वाई  
नं० 4, आर० एस० पुरा, जिला जम्मू द्वारा जनरल  
अटारनी श्री सलोक सिंह पुत्र श्री बीर सिंह गांव लकनौर  
तहसील खरड़ जिला रोपड़, द्वारा स्पेशल अटारनी श्रीमती  
सन्तोष सैधा पत्नी श्री एफ० सी० सैधा, वासी गांव ब  
डा० जताना बाया दोराहा, जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री फकीर चन्द पुत्र श्री हरनाम दास वासी मकान नं०  
3567, सैक्टर 35-डी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. श्री कृष्ण कुमार गर्ग

श्री मनजीत सिंह कपूर,

वासी 3567, सैक्टर 35-डी, चन्डीगढ़

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोधस्वामी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के प्रभाव 200 में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उन प्रभाव में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3567, सैक्टर 35-डी, चन्डीगढ़ जिसका क्षेत्रफल  
169 वर्ग गज है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के  
कार्यालय के विलेख संख्या 197, सई, 1979 में दर्ज है)

मुख्यदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख 15-1-1980

मोहर:

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 15 जनवरी, 1980

निदेश सं० एस० एम० एल०/7/79-80—अतः मुझे  
सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर सन्ति जिना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में  
अधिक है

और जिसकी संभूमि का प्लॉट 300 वर्ग गज है तथा जो  
फिंगासक इस्टेट स्टेशन वार्ड, बड़ा शिमला, शिमला-3, में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिमला में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5/79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती वेनू बक्शी, पत्नी विकास बक्शी, (शादी से  
पहले मीश अंजली कैतल) वासी, 13, टोलसटाए रोड,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जसपाल कौर पत्नी श्री धर्मपाल सिंह पुत्र  
श्री कर्म सिंह वासी 146/9, लोअर बाजार, शिमला।

(अन्तरा )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,  
के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है और जो  
फिंगासक इस्टेट, स्टेशन वार्ड, बड़ा शिमला, शिमला-3 में  
स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शिमला के  
कार्यालय के विलेख संख्या 265, मई 1979 में दर्ज है)

सुखदेव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 15 जनवरी, 1980।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1980

निर्देश सं० बी०आर०एन०/6/79-80—अतः मुझे सुखदेवचन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 23 वीघा 10 विसवा, है तथा जो गांव ठूलेवाल, तहसील बरनाला, जिला संगरूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरनाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में; म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कर्मकौर, विधवा श्री सोहन सिंह, दीपो पुत्री  
सोहन सिंह वासी गांव ठूलेवाल तहसील बरनाला ।  
(अन्तरक)

2. सर्वश्री गुरनाम सिंह, सरवन सिंह मुकन्द सिंह, चन्दसिंह  
जंग सिंह पुत्र दलीप सिंह वासी गांव ठूले बाल, तहसील  
बरनाला जिला संगरूर ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 23 विघा 10 विसवा, है और जो गांव ठूलेवाल- तहसील बरनाला, जिला संगरूर में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बरनाला के कार्यालय के बिलेख संख्या 1995, मई 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख 15 : जनवरी, 1980 ।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० एल०डी०एन०/182/79-80—अन: मुखे  
मुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
2500/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/3 भाग बिल्डिंग नं० बी-7-96, है तथा  
जो चौड़ा बाजार, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 6/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
धीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

1. श्री कुलदीप सिंह पुत्र बधा सिंह पुत्र चान्दी राम वासी  
7-सी, मराभा नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. मैमर्ज राजा मिल्क स्टोर, चौड़ा बाजार, लुधियाना  
द्वारा रोमनि कैशलया देवी, व राज कुमार पुत्र श्री  
अजोध्या प्रसाद पार्टनर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/3 भाग, बिल्डिंग नं० बी-7-96, बी-7-74 व बी-7-74/1  
जो चौड़ा बाजार, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के  
कार्यालय के विलेख संख्या 1638, जून, 1979 में दर्ज है)

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 जनवरी, 1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1980

निदेश सं० एल०डीएन०/121/79-80—अतः, मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन पञ्चम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1/3 भाग, बिल्डिंग नं० बी-7-96, बी-7-74 व बी-7-74/1 है तथा जो चौड़ा बाजार, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जगतार सिंह पुत्र श्री बजा सिंह पुत्र चान्दी राम वासी 7-सी, शाप कम फ्लैट, सराभा नगर, पटियाला। (अन्तरक)

2. मैसर्स राणा सिलक स्टोर, चौड़ा बाजार, लुधियाना द्वारा श्रीमती कौशल्या देवी व श्री राज कुमार पुत्र श्री अजोध्या प्रसाद पार्टनर्स। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग बिल्डिंग नं० बी-7-96, बी-7-74 व बी-7-74/1, जो चौड़ा बाजार लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1158, मई, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 15 जनवरी, 1980  
भोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक

साधारण, राजपत्र-प्राप्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० एल डी० एन०/183/79-80—अतः, मुझे,

मुख्य चन्द

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/3 भाग बिल्डिंग नं० बी-7-96, बी-7-74, व बी-7-74/1 है तथा जो चौड़ा बाजार, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6/79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में लगी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

1. श्री हरचरन सिंह पुत्र श्री बधा सिंह पुत्र श्री चान्दीराम वासी 7 सी, शाप कम फ्लैट, सराभा नगर, लुधियाना, (अन्तरक)

2. मैमर्स राणा सीलक स्टोर, चौड़ा बाजार, लुधियाना द्वारा : श्रीमती कोशल्या देवी व राज कुमार पुत्र अजोध्या प्रसाद, पार्टनरज ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोभनीयता के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग, बिल्डिंग नं० बी-7-96, बी-7-74 व बी-7-74/1 जो चौड़ा बाजार, लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1644, जून, 1979 में दर्ज है)

मुख्य चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 जनवरी, 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1980

निदेश सं० पी०टी०ए०/86/79-80—अतः, मुझे, मुखदेव चन्द  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
पश्चात् समीक्षा, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिनकी सं० भूमि 27, कनाल 15 मरले है तथा जो गांव  
सनौर, तहसील बजिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत में प्रतिष्ठ है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय किया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कल्पित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
राशिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्राप्ति को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती नरंजन कौर पत्नी श्री करतार सिंह  
वासी मनौर, तहसील बजिला पटियाला।  
(अन्तरक)

2. श्री भूपिन्दर सिंह पुत्र श्री महावीर सिंह वासी मनौर,  
तहसील बजिला पटियाला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय के 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 27 कनाल 15 मरले है और जो  
सनौर, तहसील बजिला पटियाला में स्थित है।

(जयदेव जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के  
कार्यालय के विलेख संख्या 1264 मई, 1979 में दर्ज है)

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 जनवरी, 1980  
मोहर:

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेश सं० पी०टी०ए०/85/79-80—अतः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 27 कनाल 16 मरले है तथा जो गांव मनौर, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम में दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है -

(क) अन्तरक से हुई किसी घाय या बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में बंसी करने का समझ बचने में मृच्छा के लिए और या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री करतार सिंह पुत्र श्री हरदत्त सिंह  
वासी मनौर, तहसील व जिला पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री भूपिन्दर सिंह पुत्र श्री मन्नावीर सिंह,  
वासी मनौर, तहसील व जिला पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में लगे हुए प्रावधान —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तत्पश्चात् 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो जो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के अन्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, असाक्षरों के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 27 कनाल 16 मरले है और जो गांव मनौर, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1263 मई, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 जनवरी, 1980।

मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन० एल०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1980

निदेश सं० जे० जी० एन०/14/79-80—अतः, मुझे, सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 19 कनाल 12 मरले है तथा जो गांव चक्कर, तहसील जगराघों, जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जगराघों में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में दभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित शक्तियों, अवधि :—

11—446GI/79

1. श्रीमती बच्चनों पुत्री नया सिंह पुत्र टैहल सिंह गांव चक्कर, तहसील जगराघों, जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री सरवन सिंह, भजन सिंह पुत्र श्री बाबू सिंह पुत्र पाला सिंह वासी गांव चक्कर, तहसील जगराघों, जिला लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्न के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 19 कनाल 12 मरले है और जो गांव चक्कर, तहसील जगराघों, जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायेबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जगराघों के कार्यालय के विलेख संख्या 694: मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 जनवरी, 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1980

निदेश सं० सी० एच०डी०/59/79-80—अतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 भाग एस० सी० ओ० नं० 55, है तथा जो सैक्टर 30-सी, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रभावित :—

1. श्री अमृतपाल सिंह पुत्र श्री जलोचन सिंह  
बासी मकान नं० 338, सैक्टर 35-ए, चन्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती तरिपता भाटिया पत्नी डा० हरभजन लाल  
भाटिया, मकान नं० 175, सैक्टर 21-ए,  
चन्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

3. मैसर्स विजय वकं

मैसर्स हरी राम बिनोद कुमार

एस० सी० ओ० सैक्टर 30-सी, चन्डीगढ़ ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोटुस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/2 भाग एस० सी० ओ० नं० 55 सैक्टर 30-सी,  
चन्डीगढ़ ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० 318 मई 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 15 जनवरी, 1980 ।

मोहर :

प्रारूप धार्दी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेश सं० सी०एच०डी०/49/79-80—अतः, मुझे, सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 249 है, तथा जो सैक्टर 35-ए, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सैनिक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेजर योगेश प्रसाद पुत्र श्री एन० पी० माथर  
डी-2/235, विनय मार्ग, चानकया पुरी, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्री अरुण सिंह ठाकुर पुत्र स्व० ठाकुर रतन सिंह  
कैडल लॉज, सामने ऑक, सैण्ड, स्कूल, शिमला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 249, सैक्टर 35-ए, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 208, मई 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15 जनवरी, 1980  
मोहर:

प्रकृष माई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1980

निदेश सं० एस०जी०डी०/29/79-80—प्रतः मुझे, मुखदेव चंद  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट 1 बिघा है तथा जो बाड़ा,  
सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय सरहिन्द में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 5/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
द्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात्:—

1. श्री बाबू सिंह पुत्र श्री चमन सिंह बासी गांव बाड़ा  
तहसील, सरहिन्द, जिला पटियाला ।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश चन्द, ज्ञान चन्द, सप्तोष दास पुत्र  
श्री छज्जू राम, भारफत विश्वकर्मा इंजीनियरिंग वर्क्स,  
रेलवे रोड, सरहिन्द ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1 बिघा है और जो बाड़ा,  
सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिन्द के  
कार्यालय के विलेख संख्या 519, मई, 1979 में दर्ज है)

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 15 जनवरी, 1980  
मोहर ।



प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेश सं० डी०बी०एस०/16/79-80—,प्रतः मुझे, सुखदेव  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 13 कनाल 14 मरले है तथा जो गांव  
लोहगढ़ सब तहसील डेरा बस्ती, जिला पटियाला में स्थित है  
(और इससे उपायद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डेरा बस्ती में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5/79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वांछित में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में  
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

1. श्रीमती प्रेमवती विधवा बचन पुत्र बियाना (स्वयं  
वासी लोहगढ़, सब-तहसील डेरा बस्ती, व जनरल  
मटारनी आफ श्रीमती प्रेम कौर पुत्री श्री बचन  
पत्नी श्री गुरमीत सिंह वासी दलबाला खेरी, कुरुक्षेत्र,  
हरियाणा, श्रीमती ज्ञान कौर पुत्री श्री बचन पत्नी  
श्री सीतला पुत्र श्री सीमा कर्म कौर पुत्री श्री बचन  
पत्नी श्री जंगी पुत्र सीमा वासी खड़ा मली शेर  
तहसील खरड़।

(अन्तरक)

2. श्री जगदेव सिंह सिधू, पुत्र श्री सुच्चा सिंह सिधू वासी  
मकान नं० 1584, सैक्टर 33-डी, चन्नीगढ़;  
श्री शिवराज सिंह बराड़ पुत्र श्री जसबन्त सिंह बराड़  
वासी मकान नं० 1572, सैक्टर 33-डी, चन्नीगढ़।  
(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुप्राणी

भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 कनाल 14 मरले है और जो  
गांव लोहगढ़, तहसील डेरा बस्ती, जिला पटियाला में स्थित  
है।

(जायबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेरा बस्ती के  
कार्यालय के विलेख संख्या 178, मई, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण);

प्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 जनवरी, 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आवक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काबूलब, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निदेश सं० एल०डी०एन०/आर०/55/79-80—अतः मुझ, सुखदेव चन्द, आवक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 29,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 9 बीघा 4 बिसवा, 3 बिसवासी है तथा जो गांव ईसेवाल, तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरिजियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ता राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं अर्थात् :—

1. श्रीमती करतार कौर पुत्री श्री ईश्वर सिंह पुत्र गंगा राम, गांव ईसेवाल, तहसील लुधियाना। (अन्तरक)
2. श्री सुखबन्द सिंह पुत्र श्री करतार सिंह पुत्र श्री मित सिंह गांव ईसेवाल, तहसील लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरबंदीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 बीघा 4 बिसवा 3 बिसवासी है और जो गांव ईसेवाल, तहसील व जिला लुधियाना।

(जायवाब जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के क्लेक संख्या 1227, 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 जनवरी, 1980

सोहर :

—प्रकरण आई० टी० एन० एम०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० एन०बी०ए०/13/79-80—प्रतः मुझे, सुखदेव चंन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 3 कनाल 12 मरले है तथा जो भीरां गेट, सर्कुलर रोड, नाभा में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नाभा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग को शायद उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बचन पुत्र श्री शिमाजी पुत्र श्री मेला राम ब श्री गंगा राम पुत्र श्री मल्ला पुत्र श्री मेला राम हरीजन बाग, नाभा ।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री सन्त राम, लच्छमन दास पुत्र श्री बाबू राम, पार्टनर्स मैसर्स बाबू राम सन्त राम, अनाज मण्डी, नाभा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि श्राव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्तृताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 12 मरले है और जो भीरां गेट, सर्कुलर रोड, नाभा में स्थित है ।

(जायबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के कार्यालय, के विलेख संख्या 227, मई, 1979 में दर्ज है ।)

सुखदेव चंन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 जनवरी, 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काबूलियत, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रॉज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेश सं० सी०एच०डी०/42/79-80—प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1115 है तथा जो सैक्टर 34-सी, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक तारीख 5/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें कटौती में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल्प प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री रत्न सिंह घनवर (मेजर) पुत्र श्री गवर्धन राम, नाथ व डा० कसनी-जिला रोहतक द्वारा जनरल अटारनी श्री मेला सिंह पुत्र श्री बहुर सिंह, 16- हरियाणा बी० एन० एन० सी० सी० तरनील।

(अन्तरक)

2. श्री बलवीर सिंह पुत्र श्री भगत राम सिंह गांव संवली, तहसील व जिला भम्बाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1115, सैक्टर, 34-सी, चन्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के बिलेख संख्या 185, मई, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रॉज, लुधियाना

तारीख : 15 जनवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेश सं० सी०एच०डी०/26/79-80—अतः मुझे, मुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 2062 है, तथा जो सैक्टर 21-सी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
12—446GI/79

1. श्रीमती सुशीला कुमारी विधवा श्री बृज विहारी लाल पुत्री श्री रघू नन्दन लाल स्टार्डीरिड एम० डी० ओ०, शाहबाद मारकंडा, जिला रुखी

(अन्तरक)

2. श्री अवतार सिंह दीपक पुत्र श्री तारा सिंह, ज्वाइंट डायरेक्टर, एग्रीकल्चरल (पंजाब) व सचिव, पंजाब स्टेट, एग्रीकल्चरल बोर्ड, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वहस्ताक्षर :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में बिना गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 2062 सैक्टर 21-सी, चन्डीगढ़।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 121, मई, 1979 में दर्ज है)

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 जनवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेश सं० एल०डी०एन०/87/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चंद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-6-333, कुच्चा नं० 4, है तथा जो माधोपुरी, लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जगन नाथ पुत्र श्री बर्कत राम पुत्र श्री दुल्हा शाह  
[वासी बी-6-333, कुच्चा नं० 4, न्यू माधोपुरी,  
लुधियाना ।]

(अन्तरक)

2. श्री रान्जिवर पाल जैन पुत्र श्री हंस राज जैन पुत्र  
[श्री फकीर चन्द जैन, वासी कुच्चा नं० 2, माधोपुरी,  
लुधियाना ।]

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

मकान नं० बी-6-333, कुच्चा नं० 3, न्यू माधोपुरी, लुधियाना ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 822, मई, 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 जनवरी 1980

मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० सीएचडी/36/79-80—यतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मन्त्रिमंत्रि कार्यालय को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 64 है तथा जो सैक्टर 20-ए, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में, और पूर्ण रूप से वर्णित है) और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वन के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री मुष्वा सिंह वासी मकान नं० 1653, सैक्टर 34-डी, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री विमलजीत सिंह पुत्र श्री मोहिन्दर सिंह वासी मकान नं० 64, सैक्टर 20-ए०, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. श्री देविन्दर कुमार, यूनियन बैंक आफ इंडिया, श्री बखशील सिंह वासी मकान नं० 64, सैक्टर 20-ए, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 167, मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-1-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० जे० जीयन एन०/9/79-80—यतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 4 कनाल 14 मरले है तथा जो गांव अगवाड़ गुजरां, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगराओं में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री दलीपसिंह पुत्र श्री कर्म सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह वासी गांव अगवाड़पोना, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्री हरजिन्दर सिंह पुत्र गुरदेव सिंह पुत्र उत्तम सिंह वासी अलीगढ़, तहसील जगराओं (शहीद रछपाल सिंह नगर)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 14 मरले है और जो अगवाड़ गुजरां, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जगराओं के बिलेख संख्या 486, मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-1-1980

मोहर :



## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० जेजीएन/15/79-80—प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सभ्य प्राधिकारी को यह निश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० भूमि 19 कनाल 12 मरले है तथा जो गांव चक्कर,  
तहसील जगराओं, जिला लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपायुक्त  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय जगराओं में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि पचासवर्षीय संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरितियों  
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कबिज नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरण के  
कार्य में कमी करने या उसमें कटौत में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गता द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वय में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति तरतारो पुत्री श्री तथा सिंह पुत्र श्री देहल सिंह  
वासी गांव चक्कर, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना,।  
(अन्तरक)

2. श्रीमति अर्जन सिंह शेर सिंह, भजन सिंह पुत्र श्री बाबू  
सिंह पुत्र श्री पाला सिंह गांव चक्कर, तहसील जगराओं,  
जिला लुधियाना।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करने पूर्वार्थ संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन का संबंध में कोई भी पाक्षक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रभावशाली के पास  
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 19 कनाल 12 मरले है और जो गांव  
चक्कर, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाव जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जगराओं के कार्या-  
लय के विलेख संख्या 695, मई-1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द,  
सभ्य प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 जनवरी 1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-अ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेश सं० सीएचडी/27/79-80—यतः मुझे,  
सुखदेव चन्द,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
269-अ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान नं० 1640 है तथा जो सेक्टर 7-सी०  
चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है)। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख मई 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कुलभूषण राम पाल पुत्र स्व० श्री दौलत राम  
रामपाल वासी 1640, सेक्टर 7-सी, चन्डीगढ़  
द्वारा जनरल अटारनी श्री ईन्दर मोहन जोशी  
पुत्र श्री चन्दर शेखर जोशी, 21-टीचर  
फ्लैट, सेक्टर 14 डी चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा रानी पत्नी श्री हंस राज, श्री हरबन्स  
लाल पुत्र श्री गोपी चन्द वासी एस० सी० एफ०  
44, सेक्टर 19-डी चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. (1) श्री राम दास यादव, डी० एस० पी०, नरैनगढ़।  
(2) श्री विजय कुमार  
(3) श्री तिलक राज।  
(5) श्री महेश कुमार खुराना। सारे वासी  
1640 सेक्टर 7-सी, चन्डीगढ़।  
(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अयोधस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

मकान नं० 1640, सेक्टर 7-सी, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के  
विलेख संख्या 133, मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15 जनवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० आरकेटी/2/79-80—यतः मुक्त मुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 44 कनाल है तथा जो हलवारा- , तहसील रायकोट, जिला लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायकोट में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निम्न प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निम्न तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ज) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या वसूले बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वस्तु या अन्य मास्तिमों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के दृष्ट-मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती ज्ञान कौर पुत्री श्री नछतर सिंह वासी सहौली द्वारा जनरल अटारनी श्री हरबन्त सिंह पुत्र श्री गोपालसिंह सहौली, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीप सिंह पुत्र श्री जोरा सिंह वासी हलवारा, तहसील रायकोट, जिला लुधियाना।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 44 कनाल है और जो हलवारा-II, तहसील रायकोट में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रायकोट के कार्यालय के विलेख संख्या 269, मई, 1979 में दर्ज है)

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-1-80

मोहर :

प्रकृत आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० सीएचडी/37/79-80--यतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग प्लॉट नं० 101 है, तथा जो सैक्टर 36 ए, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) से बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दाखल किए गए हैं तबित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाजार उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अधीन के दायित्व में कमी करने या उसमें कटौती में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. क० के० जे० एम० छतवाल पुत्र श्री दातार सिंह, बी-7, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली द्वारा जनरल, अटारनी श्रीमती सुखबन्स कौर पत्नी श्री सुखपाल सिंह गांव काठं गढ़, जिला होशियारपुर।

(अन्तरक)

2. श्री कंवलदीप सिंह (माईनर) पुत्र श्री कुलदीप सिंह द्वारा श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री अर्जन सिंह, वासी गांव व डा० फफरे भाई के०, जिला भटिंडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रबंध के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रबंध के संबंध में कोई भी प्राश्न:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में द्रिस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग प्लॉट नं० 101, सैक्टर 36-ए, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 168, मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-1-1980

मोहर

प्रकरण धार्मिक, पी० एन० एस०-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० एएमएल/24/79-80—यतः मूले सुखदेव चन्द  
सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्यावर संपत्ति, बिमका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० में पत्रिक है,

और जिनकी सं० भूमि 2 बीघा 11½ विमवा है तथा जो  
मण्डी गोविन्दगढ़, तहसील अमलोह, जिला पटियाला में स्थित  
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमलोह में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक  
का व हिया नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन हर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
होने या उनके बर्तों में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

13-446GI/79

1. गवर्श्री विक्रम जीत सिंह, कर्मजीत सिंह, अमरीक  
सिंह, बलदेव सिंह व श्री जगदेव सिंह पुत्र  
श्री मेहर सिंह पुत्र श्री पाखर सिंह वासी मण्डी  
गोविन्दगढ़ तहसील अमलोह, जिला पटियाला द्वारा  
जनरल अटार्नी श्री मेहर सिंह।

(अन्तरक)

2. मैमर्स कोहिनूर इंडस्ट्रीज, मण्डी गोविन्दगढ़, तहसील  
अमलोह द्वारा श्रीमती शिमला रानी पत्नी श्री हरबन्स  
लाल खुल्लर व श्री भुनेश्वर राम पुत्र श्री तथा  
सिंह वासी मण्डी गोविन्दगढ़ तहसील अमलोह,  
जिला पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जिनका क्षेत्रफल 2 बीघा 11½ विमवा है और  
जो मण्डी गोविन्दगढ़, तहसील अमलोह जिला पटियाला में  
स्थित है।

(जायेदाद जैवाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमलोह के  
कार्यालय के विलेख संख्या 243, मई, 1979 में दर्ज है।)

गुजदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, लुधियाना

तारीख : 15-1-1980

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० एएमएल/25/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 3 बीघा 5 बिमबा है तथा जो मण्डी  
गोविन्दगढ़, तहसील अमलोह, जिला पटियाला में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई  
1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की मात्रा, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमा  
करने या उससे वचन में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तिमों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती तेज कौर पुत्री श्रीमती धन कौर पत्नी श्री  
बन्ता सिंह वासी मण्डी गोविन्दगढ़, जिला पटियाला।  
(अन्तरक)
2. मैमर्म कोहिनूर इंडस्ट्रीज, मण्डी गोविन्दगढ़ द्वारा श्रीमती  
शिमवा रानी पत्नी श्री हरबन्स लाल खुन्लर, श्री सुलेख  
राम पुत्र श्री तथा सिंह वासी मण्डी गोविन्दगढ़  
तहसील अमलोह, जिला पटियाला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना द्वारा उनके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करना हों।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
पन्न व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 बीघा 5 बिमबा है और जो मण्डी  
गोविन्दगढ़, तहसील अमलोह, जिला पटियाला में स्थित है।  
(जायेदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमलोह के  
कार्यालय के विलेख संख्या 245, मई, 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-1-1980

मोहर :

प्रत्य आर्द्द० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज. लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेश सं० एसएमएल/12/79-80—यतः मुझे मुखदेव  
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/  
रुपए से अधिक है

और जिनकी सं० भूमि का प्लॉट 340 वर्ग गज है तथा  
जो फिगामक हाऊस, शिमला में दर्ज है (और इसमें उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्न में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती जर्जी कुमारी विधवा श्री कवल कुमार सिंह  
वासी कैथल हाऊस, नं० 9/1578-79 नेताजी  
मुभाप मार्ग दरिया गंज, दिल्ली-2, स्वयं व  
श्रीमती इंदिरा कैथल (माईनर) पुत्र श्री कवल  
कुमार सिंह कैथल द्वारा नैचुरल गार्डियन श्रीमती  
जर्जी कुमारी विधवा श्री कवल कुमार सिंह  
फिगामक इस्टेट, शिमला।

(अन्तरक)

2 श्री गणपाल टंडन पुत्र स्व० श्री नमन जाल टंडन  
भारत मैमर्स चीफ क्लर्क हाऊस, 95/2, लोथर  
बाजार, शिमला।

(प्रतिनिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट जिनका क्षेत्रफल 340 वर्ग गज है और जो फिगामक  
इस्टेट शिमला में स्थित है।

(जायेशद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शिमला के  
कार्यालय के विलेख 311, मई, 1979 में दर्ज है।)

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज. लुधियाना

तारीख : 15-1-1980

मोहर :

प्रकार आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 2980

निर्देश सं० सीएचडी/39/79-80—यतः मुझे मुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 भाग प्लॉट नं० 101 है तथा जो सैक्टर 36-ए, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बड़े-छोटे से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का बाका उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी अथवा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० जे० एस० छतवाल पुत्र श्री दतार सिंह, बी०-7, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली द्वारा जनरल अटारनी श्रीमती मुखबंम कौर पत्नी श्री मुखपाल सिंह गांव व डा० काठगढ़, जिला होशियारपुर।

(अन्तरक)

2. श्री कंवलदीप सिंह (माइनर) पुत्र श्री कुलदीप सिंह द्वारा श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री अर्जन सिंह गांव व डा० फकरे भाई के, जिला भटिंडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हिलचल किसी अथवा व्यक्ति द्वारा, अशोहसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इन्हें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रभाग 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/2 भाग प्लॉट नं० 101, सैक्टर 36-ए, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 173, मई, 1979 में दर्ज है।)

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-1-1980

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० पीटीए/40/79-80—यतः मुझे मुखदेव चन्द प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 250 वर्ग गज है तथा जो लाल बाग काबीनी लोअर माल, पटियाला में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

1. श्रीमती विजय लक्ष्मी देव पत्नी श्री उतंग उद्ध सिंह देव कोठी महारानी दलीपकौर, लोअर माल, पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्रीमती तेजबन्त कौर पुत्री श्री भगत सिंह, वासी भगत भवन, बेदी स्ट्रीट, नाभा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 250 वर्ग गज है और जो लाल बाग, लोअर माल, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 624, मई, 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15-1-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाप्रक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० पीटीए/41/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 380 वर्ग गज (7½ बिघा) है तथा  
जो न्यू लाल बाग कालोनी, लोअर माल, पटियाला में स्थित  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश में उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की मात्रा, उक्त अधि-  
नियम के प्रयोग कर दान के अन्तरक के दायित्व में  
कमा करन या उसमें वृद्धि या सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती विजिलक्ष्मी देवी पत्नी श्री अनंग उदे सिंह  
वासी न्यू लाल बाग, पटियाला।

(घंतरक)

2. श्री शाम लाल गुप्ता, पुत्र स्व० सुमेर चन्द, वासी कौनल  
कालोनी, मानसा जिला भटिंडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अनुयाय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उन अनुयाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 380 वर्ग गज (7½ बिघा)  
है और जो न्यू लाल बाग, लोअर माल, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के  
कार्यालय के विलेख संख्या 625 मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख क्र० 15-1-1980

मोहर :

प्रकरण प्रार्थी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० चन्डीगढ़/50/79-80—यतः मुझे मुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सशेष प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 112 भाग प्लॉट नं० 1564 है तथा जो सेक्टर 36-डी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पर्यापूर्विक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तयपाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कर्नल एन० एन० स्याल पुत्र श्री तगीना मल स्याल वासी दिल्ली द्वारा श्री कुलदीप सिंह चौहल पुत्र श्री सुरत सिंह वासी नरिन्द्रपुरा जिला भटिंडा।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती गुरजीत कौर पत्नी श्री कुलदीप सिंह चौहल वासी नरिन्द्रपुरा जिला भटिंडा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रभू के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रभू के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोदस्ताअरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग प्लॉट नं० 1564 जो सेक्टर 36-डी चन्डीगढ़ में स्थित है।

(सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के विलेख संख्या 20 मई 1979 में दर्ज है।)

मुखदेव चन्द  
सशेष प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-1-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

गिर्देश सं० पीटीए/49/79-80—यतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति त्रिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 33-सी है तथा जो माडल टाऊन, पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आम को बाजार उक्त अधिनियम के प्रयोग कर दो ० अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उतने बचत में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा के 269-घ अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जसवीर सिंह पुत्र श्री रणवीर सिंह स्वयं व स्पेशल अटारनी श्रीमती जसवंत कौर पत्नी स्व० श्री रणवीर सिंह, श्रीमती संतोष सिंह, धर्मवीर सिंह पुत्र श्री रणवीर सिंह, श्रीमती उशाल इंदर कौर पुत्री श्री रणवीर सिंह, श्रीमती इन्दबीर कौर पत्नी श्री रणवीर सिंह श्रीमती तेजिन्दर कौर पत्नी स्व० सुदर्शन सिंह, प्रभूदर्शन सिंह, नरिन्दर पाल सिंह पुत्र श्री सुदर्शन सिंह, अवनाश कौर पुत्री श्री सुदर्शन सिंह, श्रीमती सवरनजीत कौर पुत्री रणवीर सिंह, श्री परमवीर सिंह पुत्र श्री रणवीर सिंह, श्रीमती महावीर कौर पुत्री श्री रणवीर सिंह, श्री गुरशरनजीत सिंह पुत्र श्री रणवीर सिंह, सारे वासी 33-सी, माडल टाऊन, पटियाला। (अन्तरक)

2. कैप्टन अमरजीत सिंह पुत्र ब्रगेडियर फतेह सिंह, वासी 3578/5, लैहवा, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्णतः ज्ञान के प्रकाश के लिए कार्यवाहियों शुरू कर रहा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोद्धानुसार के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 33-सी, माडल टाऊन, पटियाला।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 697, मई, 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द,  
मक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० एलडीए/76/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 156-एल० है तथा जो माडल टाऊन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिद्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—446GI/79

1. मेजर दमनजीत सिंह पुत्र श्री सजन सिंह पुत्र श्री हरबन्स सिंह, वासी ए-2-113, सकदर जंग एनकलव, नई दिल्ली द्वारा पावर आफ अटारनी श्री चरनजीत सिंह पुत्र श्री सजन सिंह पुत्र श्री हरबन्स सिंह वासी 7-माडल टाऊन लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बिना बेरी पत्नी श्री ज्ञान चन्द पुत्र श्री गुरदियाल सिंह, श्रीमती लीला देवी पत्नी श्री श्री गुरदियाल सिंह बेरी पुत्र श्री गौरी वत्त वासी बेरी बिल्डिंग, लक्कड़ बाजार लुधियाना।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-18-225 (156-एल) माडल टाऊन, लुधियाना।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 737, मई, 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15-1-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० पीटीए/47/79-80—यतः मुझे, मुखदेव चन्द, घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 638 वर्ग गज (13 बिसवा) है तथा जो नारुला कालोनी, पटियाला में, स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मकमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती लता नरुला विधवा श्री ओम प्रकाश वासी नरुला कालोनी, लोअर माल, पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बसंत कौर पत्नी श्री मखन सिंह, नरुला कालोनी पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 638 वर्ग गज है और जो नरुला कालोनी, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 666, मई 1979 में दर्ज है)

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15-1-1980

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० सीएचडी/47/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1564, 1/2 भाग है तथा जो सेक्टर 36-डी, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दूक अतिशय से अधिक है, और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. क० एन० एन० सियाल पुत्र श्री नगीना मल सियाल आफ नई दिल्ली द्वारा अटारनी श्री कुलदीप सिंह चेहल पुत्र श्री सूरत सिंह गांव नरिन्दरपुरा, जिला भटिंडा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गुरजीत कौर पत्नी श्री कुलदीप सिंह चेहल गांव नरिन्दरपुरा, जिला भटिंडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी त्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया हुआ है।

अनुसूची

1/2 भाग प्लॉट नं० 1564, सेक्टर 36-डी, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 202, मई 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15-1-1980

मोहर :]]

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० एस०एन०जी/9/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 68 कनाल 9 मरले है तथा जो गांव छाजली, तहसील सुनाम, जिला संगरूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुनाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल-निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उल्टे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी वस्तु या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था; डिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरंजन सिंह पुत्र श्री लेंहना सिंह पुत्र श्री बरयाम सिंह, श्रीमती नन्द कौर विधवा श्री लेंहना सिंह पुत्र श्री बरयाम सिंह वासी गांव छाजली, तहसील सुनाम।

(अन्तरक)

2. श्री बन्त सिंह पुत्र श्री विशन सिंह पुत्र श्री सदा सिंह, वासी गांव छाजली, तहसील सुनाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के ध्येय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ध्येय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 68 कनाल 9 मरले है और जो गांव छाजली, तहसील सुनाम में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सुनाम के कार्यालय के विलेख संख्या 610, मई, 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15-1-1980

मोहर :



प्रकरण धारं टी० एन० एत०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० एमएनके/5/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जसकी सं० भूमि 77 कनाल 12 मरले है तथा जो गांव मवारद साहिब, तहसील मूनक में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मूनक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकलन के लिये पर्यटित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकलन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकलन का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकलन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्बाद :—

1. श्री ठाकरा सिंह पुत्र श्री फतेह सिंह वासी गांव मवारद साहिब, तहसील मूनक। (अन्तरक)

2. सर्वश्री कौर सिंह, गमदूर सिंह, प्रीतम सिंह, नच्छतर सिंह, चरना सिंह पुत्र धन सिंह, सुखदेव सिंह, मेजर भल्ला सिंह पुत्र करतार सिंह वासी भाटूआं, तहसील मूनक। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 77 कनाल 12 मरले है और जो गांव मवारद साहिब, तहसील मूनक में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मूनक के कार्यालय के विलेख संख्या 155, मई 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15-1-1980  
मोहर :

प्रकृष प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० एसएनजी/21/79-80—यतः मुझे मुखदेव  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 80 कनाल है तथा जो गांव बुगर,  
तहसील व जिला संगरूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायस्ब में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या धन्य प्राप्ति को  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. श्री मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री राम किशन वासी गांव  
बुगर, तहसील संगरूर।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री मुखतियार सिंह, बलदेव सिंह, चतर सिंह  
पुत्र श्री चंचल सिंह, श्री दलबारा सिंह, तारा सिंह  
पुत्र गुरदेव सिंह, मोहिन्दर कौर पत्नी श्री मेजर  
सिंह, गांव, बुगर, तहसील व जिला संगरूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबन्ध के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रबन्ध के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
! अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची :

भूमि जिसका क्षेत्रफल 80 कनाल है और जो गांव बुगर,  
तहसील व जिला संगरूर में स्थित है।

(जायेबाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, संगरूर के  
कार्यालय के विलेख संख्या 520, मई 1979 में दर्ज है)

खदेव व

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15-1-1980  
मोहर :

प्रकृष घाई० टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० एएमएल/23/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 1 विधा विसवा है तथा जो मण्डी गोविन्दगढ़, तहसील अमलोह, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसे किसी धन या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मेहर सिंह पुत्र श्री पाखर सिंह पुत्र श्री गुरदित्त सिंह वासी मण्डी गोविन्दगढ़, सब तहसील अमलोह, जिला पटियाला।

(अन्तरक)

2. मैसर्स कोहिनूर इंडस्ट्रीज द्वारा श्रीमती शिमला रानी खुल्लर पत्नी श्री हरबन्स लाल खुल्लर, श्री मुलेख राम पुत्र श्री नथा सिंह वासी मण्डी गोविन्दगढ़, तहसील अमलोह, जिला पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में भ्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 1 विधा 8 विसवा जो मण्डी गोविन्दगढ़, तहसील अमलोह, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 242, मई, 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15-1-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० सीएचडी/29/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 433, है तथा जो सेक्टर 35-ए, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और वह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिक में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरपाल सिंह माहल पुत्र श्री मोहिन्दर सिंह, गांव काठगढ़, जिला होशियारपुर द्वारा स्पेशल अटारनी श्री कुलदीप सिंह सिन्धु पुत्र श्री प्रीतम सिंह वासी 433 सेक्टर 35-ए, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री रणजोध सिंह (माहल) पुत्र श्री कुलदीप सिंह द्वारा श्रीमती सुखबन्स कौर पत्नी श्री सुखपाल सिंह गांव व डा० काठगढ़, जिला होशियारपुर।

(अन्तरिती)

3. श्री गुरशरण विरक, 433, सेक्टर 35-ए, चन्डीगढ़।  
(यह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**व्याख्याकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 631.37 वर्ग गज है और जो 433 सेक्टर 35-ए, चन्डीगढ़ में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 137, मई, 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० एसएनजी/14/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो अनाज मण्डी, संगरूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

15—446GI/79

1. श्री परशोतम दास पुत्र श्री भीम सैन अगरवाल, वासी संगरूर।

(अन्तरक)

2. श्री चूहर लाल, बज लाल, श्री कशोरी लाल अगरवाल वासी न्यू अनाज मण्डी, संगरूर।

(अन्तरिणी)

3. मैसर्स पनसप, संगरूर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप जो न्यू अनाज मण्डी, संगरूर में स्थित है।

(जायेदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, संगरूर के कार्यालय के विलेख संख्या 347, मई, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15-1-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० सीएचडी/53/79-80—यतः, मुझे, मुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 1/6 भाग एस० सी० ओ० नं० 8 व 9 है तथा जो सेक्टर 17-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि जा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री उजागर सिंह पुत्र श्री बरयाम सिंह, श्रीमती सुरिन्दर कौर पत्नी श्री अमरजीत सिंह, 182-न्यू जवाहर नगर, जालन्धर। (अन्तरक)
2. श्री गुरजीत सिंह पुत्र श्री केवल सिंह, वासी 116, सेक्टर 9-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)
3. (1) मैसर्स ओंकार इटरप्रयडजस  
(2) मैसर्स मुभाष चन्दर व कं० बीयर बार  
(3) एकाऊंटेड जनरल, हिमचाल प्रदेश व मुनियन टेरेटरी

(4) दी डी० आई० जी०, सी० आई० डी, पंजाब, एस० सी० ओ० नं० 8 व 9, सेक्टर 17-बी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. (1) श्री परमजीत सिंह पुत्र श्री केवल सिंह, वासी 90, माडल टाऊन, फगवाड़ा।

(2) श्री गुरदियाल सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह, गांव कोटला राय का, तहसील मोगा।

(3) श्री त्रिलोचन सिंह पुत्र श्री निरंजन सिंह 14-बी माडल टाऊन, फगवाड़ा।

(4) श्री सुरिन्दर सिंह पुत्र श्री निरंजन सिंह, 14-बी, माडल टाऊन, फगवाड़ा।

(5) श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री करतार सिंह, गांव जस्सो माजरा, तहसील नवांशहर, जिला जालन्धर।

(6) श्रीमती चरन कौर पत्नी हरबन्स सिंह, वासी जस्सो माजरा, तहसील नवांशहर, जिला जालन्धर।

(7) श्री भलकीयत सिंह पुत्र श्री अमर सिंह, वासी 89-बी, माडल टाऊन, फगवाड़ा।

(8) श्री बखशीण सिंह पुत्र श्री नाजर सिंह, वासी 89-बी, माडल टाऊन फगवाड़ा।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संश्लेषण:—उपरोक्त राजपत्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित है, बही जर्न होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/6 भाग एस० सी० ओ० नं० 8 व 9, सेक्टर 17, बी, चण्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 273, मई 1979 में दर्ज है।)

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-1-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० सीएयडी/28/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 67 है तथा जो सैक्टर 5, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रीतम कौर पत्नी स्व० त्रलोचन सिंह वासी मकान नं० 179, सैक्टर 11-A चन्डीगढ़ द्वारा अटारनी श्री सुरजीत सिंह।

(अन्तरक)

2. श्रीमती दलजीत कौर थन्डी पत्नी श्री मेहर सिंह थन्डी मास्टर त्रलोचन सिंह थन्डी (माईनर) मुतबना पुत्र श्रीमती दलजीत कौर थन्डी द्वारा श्रीमती दलजीत कौर थन्डी वासी अमर विल्ला, सीवील लाईन लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 67, सैक्टर 5, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 136, मई 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15-1-80

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० सीएचडी/96/79-80—यतः, मुझे, मुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० हिस्सा 30% एस० सी० ओ० नं० 107-108 है तथा जो सैक्टर 17-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण के हुई किसी धन की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्वियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती गुरमीत कौर विधवा श्री जरनैल सिंह; श्री शिन्दा सिंह पुत्र श्री जगीर सिंह, वासी मकान नं० 28, सैक्टर 8-ए, चण्डीगढ़ द्वारा जनरल अटारनी श्री सुभाष चन्द पुत्र श्री रणिला राम, वासी 704; सैक्टर-16, चण्डीगढ़। (अन्तरक)
2. श्री उजागर सिंह पुत्र श्री बरधाम सिंह, श्री अमरजीत सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह, श्रीमती सुरिन्दर कौर

पत्नी श्री अमरजीत सिंह सारे वासी मकान नं० 182, न्यू जवाहर नगर, जालन्धर शहर। (अन्तरिती)

3. (1) स्टेट बैंक आफ इंडिया।
- (2) हिमाचल पैस्टीसाइज व कैमीकल्ज लि०
- (3) एस० सी० ओ० नं० 107-108, सैक्टर 17-बी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. (1) यूनाईटेड बिल्डरज कन्सल्टेशन (इंडिया) प्र० लि० द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री राम कुमार गुप्ता,
- (2) श्रीमती उषा कालिया,
- (3) श्री आई० के० सरदाना द्वारा अटारनी श्री भगत राम,
- (4) श्री के० के० सरदाना,
- (5) श्री जसवीर सिंह एचयूएफ स्वयं व श्रीमती हरमिमरतण्डीग, जे० सिंह०, मिस रवमीत जे० सिंह, मिस सुपरीत जे० सिंह,
- (6) श्रीमती सुनीता वत्ता।
- (7) श्री दीपक छाबरा द्वारा अटारनी श्री राज कुमार गुप्ता, वासी मकान नं० 26, सैक्टर 8-ए चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हिस्सा 30% एस० सी० ओ० नं० 107-108, सैक्टर 17-बी, चण्डीगढ़।

(जायेवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के बिलेख संख्या 497, जून, 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-1-1980

मोहर:



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

राजपत्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० एसएनएम/13/79-80—यतः, मुझे, मुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अग्रेज उन्नत अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि एवावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक और जिसकी सं० भूमि 95 कनाल 8 मरले है तथा जो गांव हरिआऊ, तहसील सुनाम, जिला संगरूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सुनाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय राजपत्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गुरनाम कौर पुत्री श्री काहन सिंह, श्री दलबीर सिंह पुत्र श्री काहन सिंह, बासी हरिआऊ, तहसील सुनाम।

(अन्तरक)

2. श्री हजार सिंह पुत्र श्री फगा सिंह, बासी गांव कुकराला, तहसील सुनाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त एवावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जखोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 95 कनाल 8 मरले है और जो गांव हरिआऊ, तहसील सुनाम में स्थित है।

(जायेदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सुनाम के कार्यालय के विलेख संख्या 810, मई, 1979 में दर्ज है)

मुखदेव चन्द  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-1-1980

मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एच० एच०—

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० बीआरएन/12/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है,

और जिसकी सं० भूमि 99 कनाल 13 मरले है तथा जो गांव हरीगढ़, तहसील बरनाला, जिला संगरूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरनाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राप्ति की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. सर्वश्री प्रताप सिंह, मलकीयत सिंह, सुखदेव सिंह, नाहर सिंह, भगवान सिंह पुत्र श्री जसबन्त सिंह पुत्र श्री जोरा सिंह, श्रीमती सुरजीत कौर विधवा श्री जीत सिंह पुत्र श्री जसबन्त सिंह गांव हरीगढ़, तहसील बरनाला।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री गुरचरण सिंह, कौर सिंह, रूप सिंह, भोरा सिंह पुत्र श्री हाकम सिंह पुत्र निहाल सिंह, सुखदेव सिंह, प्यारा सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह पुत्र राम दत्ता सिंह वासी हरीगढ़, तहसील बरनाला, जिला संगरूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 99 कनाल 13 मरले है और जो गांव हरीगढ़, तहसील बरनाला जिला संगरूर में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बरनाला के विलेख संख्या 2142, मई, 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-1-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० सीएचडी/57/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1247 है, तथा जो सैक्टर 33-सी, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण न हुई किसी भाव का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. श्री रघवीर सिंह धालीवाल पुत्र श्री दिदार सिंह, वासी मकान नं० 1247, सैक्टर 33-सी, चन्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्री कपलेश चन्दर पुत्र श्री हरबन्म सिंह वासी गुलसन लॉज, सैट नं० 3, नजदीक रिवाली, शिमला (हि० प्र०) द्वारा जनरल अटारनी श्री हरबन्म सिंह पुत्र श्री भागराम शर्मा, शिमला। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पञ्चोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1247, सैक्टर 33-सी, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 314, जून, 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-1-1980  
मोहर :

प्रकरण ५(ई०टी०एन०एस०)-----

1. डाक्टर बोबकिंग

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 नवम्बर 1979

निदेश सं० 33/नवम्बर/79 यतः मुझे, ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 56ए और 57 स्पीरिंग फील्ड है तथा जो राकफोर्ड निम्न फोर्ट कोडैकानल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ओ० कोडैकानल (डाकु० नं० 24/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. (1) श्री वी० सी० सेकर।
- (2) श्री वी० जमवालन।
- (3) श्री वी० कुतुम्बेकरन।
- (4) श्री वी० उतमम।
- (5) श्री ज्योति राजन।
- (6) श्री वी० मगामम।
- (7) श्री वी० ममरमम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्षम अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 24/79 एस० आर० ओ० कोडैकानल

- (1) भूमि और निर्माण स्पीरिंग फील्ड, राक फोर्ड, निम्न फोर्ट कोडैकानल।
- (2) भूमि और निर्माण डोर नं० 17/396ए, 17/396बी, 17/397, 17/397ए, 17/398 फेरन ईल रोड, कोडैकानल।

ओ० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 28-11-1979

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. ए.ए.

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 14/मई/79--यतः, मुझे, श्री० आनन्दराम,  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
श्री० जिसकी सं० 48 बसवैमन स्ट्रीट है जो मद्रास-21 में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामपुरम, मद्रास (डाकु नं०  
676/79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख मई 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब  
थावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निहित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तव, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के सावित्त  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य साधनों  
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
जया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात् :--

16-1153/79

1. श्रीमती चैगम्माल।

(अन्तरक)

2. श्री एम० सुन्दररामैया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, पञ्चोद्देशकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

डाकुमट नं० 676/79 एम० आर० श्री० रामपुरम, मद्रास

भूमि और निर्माण--डोर नं० 48, बसवैमन स्ट्रीट मद्रास-  
21।

श्री० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी;  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 11-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 61/मई/79—यतः, सुश्री, श्री० आनंदराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 14, किरुणराजपुरम है, जो अग्राहरम, मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुदुमंडपम, मदुरै (डाकु नं० 847/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के बायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को अर्द्ध भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—]

1. श्रीमती आर० मारियम्माल।

(अन्तरक)

2. श्रीमती डी० रादा अम्माल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमट नं० 847/79 एस० आर० श्री० पुदुमंडपम, मदुरै भूमि और निर्माण—डोर नं० 14, किरुणराजपुरम अग्राहरम, मदुरै।

श्री० आनंदराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख: 11-12-79

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 62/मई/79—मतः, मुझे, ओ० आनंदराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 14, कृष्णाराजपुरम है, जो अग्राह्यम, मदुरै में स्थित है (और इससे उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुदुमंडपम, मदुरै (डाक 845/79) में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबिड नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती आर० मारिअम्मल।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० धरमराजन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 845/79 एस० आर० ओ० पुदुमंडपम, मदुरै।  
भूमि और निर्माण—डोर नं० 14, कृष्णाराजपुरम, अग्राह्यम, मदुरै।

ओ० आनंदराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 11-12-79  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 70/मई/79—यतः, मुझे, श्री० आनंदराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 32 कंडप्पा चेट्टी स्ट्रीट है, जो मद्रास-1 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोकारपेट मद्रास (डाक नं० 284/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती टी० मुथुलक्ष्मीलक्ष्मी ।
- (2) श्रीमती के० करुणवल्ल्मी ।
- (3) श्रीमती एम० सौडान्नाल ।

(अन्तरक)

2. श्री ए० मोहन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी व्यक्ति द्वारा लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

डार्मेकुट नं० 284/79 एम० आर० श्री०, सोकारपेट, मद्रास-1 ।  
भूमि और निर्माण—नया डोर नं० 32, कंडप्पा चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 ।

श्री० आनंदराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 11-12-79

मोहर:



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री के० एम० राम कृष्णन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जनवरी 1980

2. श्रीमती एल० कस्तूरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० 57/मई/79—यतः, मुझे, श्री० आनंदराम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है, और जिसकी  
सं० 214 ईस्ट वेली स्ट्रीट है, जो मदुरै में स्थित है (और इसमें  
उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एम० आर०-ओ०-1, मदुरै (डाकु०  
नं० 2859/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य के उक्त अन्तरण विधान में वास्तविक रूप से स्थापित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उपरोक्त बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्वकटीकरण:—इसमें पाठा तथ्यों और पक्षों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2859/79 जे० एम० आर०-ओ०-1, मदुरै।  
भूमि और निर्माण—डोर नं० 214, ईस्ट वेली स्ट्रीट,  
मदुरै।

श्री० आनंदराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 3-1-1980

सांहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती सबीमा बीबी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती आर० मतम्माल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जनवरी 1980

निर्देश सं० 59/मई/79—यतः, मुझे, श्री० आनंदराम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 14, लक्ष्मीपुरम, 7वीं स्ट्रीट है जो मदुरै में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे०एस०आर०ओ०-I, मदुरै  
(डाक नं० 1724/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1724/79 जे० ओ०-I एस० आर०ओ०-I मदुरै।

भूमि और निर्माण—डोर नं० 14, लक्ष्मीपुरम 7वीं  
स्ट्रीट, मदुरै।

श्री० आनंदराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1; मद्रास

तारीख : 3-1-1980

मोहर :

## प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जनवरी 1980

निर्देश सं० 68/मई/79—यतः, मुझे, श्री० आनंदराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2, 12, 14 और 15 पेराली रोड, कीरुदुनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० ओ०-II, कीरुदुनगर (डाक नं० 792/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धान की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धान या किसी वन या अन्य धातुओं को, जिन्हें भारतीय धान-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. दी सर्टेन काटन प्रैस (पी) लि० रेप्रेजेंटेटिव आई अबदुल्ला बाय एम० बट, चैयरमेन।

(अन्तरक)

2. दी चिल्लीस एक्सपोर्ट हाऊस लि० रेप्रेजेंटेटिव आई ए० एन० दामोदरन्, मैनेजिंग डाइरेक्टर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तसूची

डाकूमेंट नं० 792/79 जे० एस० आर० ओ०-II कीरुदुनगर।

भूमि और निर्माण—डोर नं० 2, 12, 14 और 15, पेराली रोड, कीरुदुनगर।

श्री० आनंदराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 3-1-1980

मोहर :

प्रकृष माई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जनवरी 1980

निर्देश सं० 1/मई/79—यतः, मुझे, ओ० आनंदराम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसने इसका नाम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 68, देवरायनचेट्टी स्ट्रीट, निरु-  
मगल नगर, रामनाड रोड, मदुरै में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, जे० एस० आर० ओ०-III दुर्ग (डाक नं० 1550/79) में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख मई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. (1) श्री के० कल्याणीया नाडार।

(2) श्री के० सुबैया नाडार।

(अन्तरक)

श्रीमती आर० इन्द्रा अम्माल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1550/79 जे० एस० आर० ओ०-III, मदुरै  
भूमि और निर्माण—प्लॉट नं० 68, देवरायन चेट्टी स्ट्रीट,  
निरुमगल नगर, रामनाड रोड, मदुरै।

ओ० आनंदराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 3-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जनवरी 1980

निदेश सं० 67/मे/79—यतः, मुझे, श्री० आनंदराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० पॉलिमन रोड है, जो मद्रास-8 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरिमेट, मद्रास (डाक नं० 510/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रनरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित बातों, अर्थात् :—  
17-446GI/

1. डाक्टर मोहम्मद टाकी कलीली रेप्रसन्ट बै पावर आफ पशरकी एम० कानीम कलीली।  
(अन्तरक)

2. असन शेम्स मेमोरीयल असोसिएशन रीप्रेसन्ट बै मेन्टरी ए० के० गोपालन।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवरोहताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 510/79 एस० आर० श्री० नेकम पेरिमेट, मद्रास

भूमि और निर्माण—पॉलिमन रोड, एगमोर, मद्रास-8।

श्री० आनंदराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, मद्रास

तारीख : 9-1-1980

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जनवरी 80

निर्देश सं० 75/मे/79—यतः मुझे, ओ० आनंदराम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके  
द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन  
क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 235 तिरुवोतिपुर है जो रोड मद्रास में  
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में एस० आर० ओ०  
रामपुरम मद्रास (डाक नं० 728/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
मई 1979  
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाव की भावना, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के पन्तरण में,  
सं० उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री के० रंगकुमार  
(2) श्रीमती लक्ष्मी तुलसी।  
(3) श्रीमती वैजयंतीमाला  
(4) मैथ के० सरिपेरीमा। वे गार्डियन के०  
कृष्णनामूर्ती।

(अन्तरक)

2. श्री पी० के० अबुबकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंध के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंध के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
गण्य व्यक्ति द्वारा प्रचोदनाधारी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रध्याय 20-क में तथा परिभाषित है,  
वही प्रर्थ होगा जो उन प्रध्याय में दिया गया है

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 738/79 एस० आर० ओ० रामपुरम, मद्रास।  
भूमि और निर्माण डोर नं० 235, तिरुवोतिपुर है— रोड  
मद्रास।

ओ० आनंदराम  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 9-1-1980  
मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

1 न 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० 94/मे/79—यतः मुझे, श्री० आनंद्राम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० टी० एम० नं० 4018 सिव्तीकुलम सैकंड  
स्ट्रीट, टिटिकोरीन में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी  
के कार्यालय, एस० आर० श्री० टिटिकोरीन ब्लाक नं०  
1276/79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख मई, 1979  
को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
बोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अन्तर्गत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्मा—

1. श्रीमती लक्ष्मी अम्माल।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अन्नकिली अम्माल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या नरसंबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषाहस्ताक्षरी  
के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

शब्दोक्ति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

डॉक्यूमेंट नं० 1276/79 जे० एस० आर०-II टिटिकोरीन।

भूमि और निर्माण—टी० एस० नं० 4018, सिव्तीकुलम  
सैकंड स्ट्रीट टिटिकोरीन।

श्री० आनंद्राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 9-1-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० 98/म/79—यन: मुझे, श्री० आनंदराम  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 140 ब्राडवे है, जो मद्रास-600001 में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-II मद्रास  
नार्थ (डाक नं० 1945/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठप पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में;  
म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :

1. (1) श्री सी० मोरल।  
(2) श्री सी० अलोमसिसम।  
(3) श्री सी० बोरीफेस।  
(4) श्रीमती एस० सौद्रबाला शर्मा।  
(5) श्रीमती मिलोगीना।  
(6) श्रीमती अमलोरपरा गेरी डी० सागी।  
(7) श्रीमती किलारा नलफन।  
(8) श्रीमती फातीमा मेतिव।  
(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती एम० छबसा बीती।  
(2) श्रीमती रहीमतुल्लीसा।  
(3) श्रीमती एम० सकीना बी और कुमारी एम०  
फसीरुल्लीसा।  
(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्रवाहियाँ करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोद्देशकारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाक नं० 1945/79 जे० एस० आर०-II मद्रास नार्थ  
भूमि और निर्माण—डोर नं० 140, ब्राडवे, मद्रास-1।

श्री० आनंदराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज, मद्रास

तारीख: 9-1-1980  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जनवरी 1980

निर्देश सं० 63/मे/79—यतः मुझे, श्री० आनंदराज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 33 है, जो नौरोजी रोड किलफाक, मद्रास-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरीममेट, मद्रास (डाक नं० 542/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती कनहराज@ राजेस्वरी।

(अन्तरक)

2. दी० यूनिटन किरीस्टीयन असोसिएशन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अग्रिम या तत्संबन्धी व्यवहियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकूमेंट नं० 542/79 एस० आर० ओ० पेरीममेट, मद्रास।  
भूमि और निर्माण—डोर नं० 33, नौरोजी रोड, किलफाक,  
मद्रास-10।

श्री० आनंदराज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 14-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री एम० डुरैराज।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. दी युनियन कियस्ट्ररीयन असोसिएशन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जनवरी 1980

निर्देश सं० 64/से/79—यतः मुझे, श्री० आनंदराम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है  
और जिसकी सं० 33 है, जो नौरोजी रोड़, किलफाक, मद्रास-10  
में स्थित है (और इससे उपायद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरिपंग पेरिमेट, मद्रास  
(डाक नं० 543/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पाम लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही प्रयोज्य होगा जो उन अध्याय में दिया गया  
है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धन: धन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 543/79 एस० आर० श्री० पेरियमेट, मद्रास  
भूमि और निर्माण डोर नं० 33 नौरोजी रोड़, किलफाक,  
मद्रास-10।

श्री० आनंदराम  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 14-1-1980

मोहर:

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जनवरी 1980

निर्देश सं० 65/मई/79—यतः युझे, ओ० आनंदराम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 33, है, जो नौरोजी रोड किलफाक, मद्रास-10  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरिमेट, मद्रास (डाक नं०  
544/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तव, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एम० हरीदास ।

(अन्तरक)

2. वी० यूनियन किरिस्टीयन असोसिएशन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

## अनुसूची

डाकुमेंट नं० 544/79 एस० आर० ओ० पेरिमेट, मद्रास ।  
भूमि और निर्माण डोर नं० 33, नौरोजी रोड, किलफाक  
मद्रास-10 ।

ओ० आनंदराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 14-1-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती सुबलकक शमी अम्माल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. दी युनिचन किरीस्ट्रेयन असोसिएशन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

अर्जन रेंज, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 14 जनवरी 1980

निर्देश सं० 66/मई/79—यतः मुझे, श्री० आनंदराम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें शब्दों  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 33 है, जो नौरोजी रोड, मद्रास है 10 में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरिमण्ट मद्रास (डाक नं०  
545/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख मई 1979

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोद्वारा के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

डाकुमेंट नं० 545/79 एस० आर० ओ० पेरिमण्ट, मद्रास  
भूमि और निर्माण डोर नं० 33, नौरोजी रोड, किलफाक  
मद्रास-10।

श्री० आनंदराम

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 14-1-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जनवरी 1980

निर्देश सं० 79/मे/79—यतः, मुझे, ओ० आर्नोल्डोम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 8 लाजपत राय रोड है, जो चिन्न चोकीकुलम,  
मदुरै में स्थित है (और इससे उपाययुक्त और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ठेलाकुलम, मदुरै  
(डाक नं० 1892/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुबन्धान्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीननिम्नलिखित व्यक्तियों यथातः :—

18—446G1/79

1. (1) श्रीमती आर० मनी।
- (2) श्रीमती बी० प्रसन्नमनी।
- (3) और दूसरी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एम० सैतूम बीबी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताधरी के  
वास्तव में लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अनुबन्ध 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अनुबन्ध में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1892/79 एस० आर० ओ० ठेलाकुलम मदुरै।

भूमि और निर्माण—डोर नं० 8 (टी० आर० नं०  
946) लाजपत राय रोड, चिन्न चोकीकुलम, मदुरै।

ओ० आर्नोल्डोम  
तक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 14-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती सुब्बा बीबी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री अब्दुल सलाम।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जनवरी 1980

निर्देश सं० 7282—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 141 है, जो महादाना स्ट्रीट मायूरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मायूरम (डाकूमेंट सं० 352/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर से कम नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पश्चात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—141, महादाना स्ट्रीट, मायूरम।  
(डाकूमेंट सं० 352/79)।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 21-1-1980

मोहर :

प्रकृष बाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जनवरी 1980

निर्देश सं० 8657—यतः मुझे, राधा बालकृष्णं  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की द्वारा 269-ब के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर  
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 51 है, जो महादाना स्ट्रीट मायूरम में स्थित  
है (और इससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मायूरम (डाक० सं० 438/  
79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायिल में कमी करन या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अधोखनाचं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ग के अनुसार में,  
मैं, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री एम० के० आर० कृष्णं ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती हववा बीबी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में द्रितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रशोद्ताजरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण — 51, महादाना स्ट्रीट, मायूरम ।  
(डाकूमेंट सं० 438/79) ।

राधा बालकृष्णं  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 21-1-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जनवरी 1980

निर्देश सं० 8606—यस: मुझे, राधा बालकृष्णं  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 88, जो पारक रोड, श्रीनगर कालोनी है जो  
कुमबकोनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कुमब-  
कोनम (डाकूमेंट सं० 1001/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908) 1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
७५ से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती ए० महारुप्रिसा।

(अन्तर

2. श्री आर० वेनकटेशन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण-88 पारक रोड, श्रीनगर कालोनी,  
कुमबकोनम।

(डाकूमेंट सं० 1001/79)।

राधा बालकृष्णं  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 18-1-1980

मोहर:



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री ए० आर० रघुनाथन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री ए० एल० राधवन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1980

निर्देश सं० 8602—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 119 साले स्ट्रीट मनोजियपण है, जो अययम  
पेट्टे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध, में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अययमपेट्टे (डाकूमेंट  
सं० 385/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि और निर्माण—119, साले स्ट्रीट अययमपेट्टे।  
(डाकूमेंट सं० 385/79)।

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16-1-1980  
मोहर :

प्रकरण चार्ज ट्री एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1980

निर्देश सं० 7209—यतः मुझे, राधा बालकृष्णं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 244 चूल्मेट्टू रोड है, जो मद्रास-94 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोठमपाखम (डाकूमेंट सं० 1986/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परम प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मोहमद शरीफ ।

(अन्तरक)

2. श्री नसिरुद्दीन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करती हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रसोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

भूमि और निर्माण—244, चूल्मेट्टू है रोड, मद्रास-94 ।  
(डाकूमेंट सं० 1986/79) ।

राधा बालकृष्णं  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16-1-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1980

निर्देश सं० 7249—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० राजन रोड है, जो श्रीनिवासपुरम,  
टैनजूर-1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास  
नार्थ (डॉक्यूमेंट सं० 1984/79) में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
) 1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमती सरस्वती अम्माल ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मैतिली नारायन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—राजन रोड, श्रीनिवासपुरम टैनजूर-1  
(डॉक्यूमेंट सं० 1984/79) ।

राधा बालकृष्णन्,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 16-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1980

निर्देश सं० 10202—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से  
अधिक है  
और जिसकी सं० 4 है, जो ग्रहिल मेठु, स्ट्रीट ईरोड में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय ईरोड (डाकुमेंट सं० 2180/79)  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख मई 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसा अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. केशिनाल आर० लुल्ला, नीता पी० लुल्ला, श्रीमती  
शियामवन्ती बाय और रवी।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती ए० अन्नलक्ष्मी।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अव्यवस्थितारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण — 72 पी०, ग्रहिल मेठु, स्ट्रीट, ईरोड।  
(डाकुमेंट सं० 2180/79)।

राधा बालकृष्णन्,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज II, मद्रास।

तारीख : 16-1-1980  
मोद्रः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जनवरी 1980

निर्देश सं० 10206—यतः मुझे राधा बालकृष्णन् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० एस० 1588/1 और 1588/4 है, जो कोटघिरी ग्राम में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निलघिरिस (डाकूमेंट सं० 291/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

19—446GI/76

1. श्री टी० एम० सेले घोडर और अदरस।

(अन्तरक)

2. श्री बी० के० मतियम्माल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

भूमि और निर्माण—एस० एफ० सं० 1588/1 और 1588/4, कोटघिरी।

(डाकूमेंट सं० 291/79)

राधा बालकृष्णन्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 18-1-1980

मोहर:

## प्रकरण बाईं-टी० एन०एच०—

घायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जनवरी 1980

निर्देश सं० 10222—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन्  
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है, जो आर्ट्स कालेज रोड कोयम्बटूर-18  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं०  
2536/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
प्रतिरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्येक से हुई किन्हीं घाय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाधित में हमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किन्हीं घाय या किन्हीं घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रभावनाथ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

आ: अर, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) सर्वश्री सी० बी० वेकटेशन, सी० बी० श्रीनिवासन  
सी० बी० सुरेश, माईनर कार्थिक रैम० सी० बी०  
श्रीनिवासन, नं० 2, आर्ट्स कालेज रोड,  
कोयम्बटूर। (अन्तरक)
- (2) श्री के० गोविदास्वामी नायडू, मैडिकल ट्रस्ट,  
कोयम्बटूर-18। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वाबर सम्पत्ति में हित रख  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए गए मामलों में।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही पर्य होगा, जो उन अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—2 आर्ट्स कालेज रोड, कोयम्बटूर।  
(डाकूमेंट सं० 2536/79)।

राधा बालकृष्णन्  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 18-1-1980  
मोहर :

## संघ लोक सेवा आयोग

## नोटिस

भारतीय ग्रंथ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा, 1980

सं० एफ० 12/1/79 प० I (क)

नई दिल्ली, दिनांक 9 फरवरी 1980

भारत के राजपत्र दिनांक 9 फरवरी 1980 में गृह मंत्रालय (कार्य तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं के ग्रेड IV में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ग्रहणवादाव, इलाहाबाद, बंगलोर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, विसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटियाला, पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर तथा त्रिवेन्द्रम में 20 जुलाई 1980 से सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी :-

आयोग, यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केंद्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान या स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा (देखिए अनुबन्ध का पैरा 11)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन दो सेवाओं के लिए भर्ती की जाती है उनके नाम तथा इन दोनों सेवाओं के ग्रेड IV में रिक्तियों की अनुमानित संख्या इस प्रकार है :-

- |                            |    |
|----------------------------|----|
| (i) भारतीय ग्रंथ सेवा      | 40 |
| (ii) भारतीय सांख्यिकी सेवा | 40 |

उपर्युक्त रिक्तियों की संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

इन रिक्तियों में से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के अनुसार किया जाएगा।

3. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं में से किसी एक ग्रंथवा दोनों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। एक बार आवेदन-पत्र भेजे जाने के बाद सामान्यतः किसी प्रकार के परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यदि कोई उम्मीदवार दोनों सेवाओं के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता है तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। नीचे पैरा 6 में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा। उस प्रत्येक सेवा के लिए अलग-अलग नहीं जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

ध्यान दें:-उसे केवल उसी सेवा/उन्ही सेवाओं के लिए उम्मीदवार माना जाएगा जिस/जिनके लिए वह आवेदन करेगा। दोनों सेवाओं के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र में सेवाओं के संबंध में अपना वरीयता-क्रम स्पष्ट रूप से बताना चाहिए ताकि योग्यता क्रम में उनके स्थान को ध्यान में रखते हुए, नियुक्ति करते समय उसकी वरीयता पर भली भांति विचार किया जा सके।

जिन सेवाओं के लिए उम्मीदवार विचार किए जाने के दृष्टिकोण से उन सेवाओं के लिए उनके द्वारा दर्शाए गए वरीयता क्रम में परिवर्तन से संबंध किसी भी अनुरोध का तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों को वापस की तारीख से 30 दिन के भीतर सच लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली (110011) को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्व विवरण दो रुपये के दर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-(110011) को मनीऑर्डर द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर

पर देय भारतीय पोस्टल ऑर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीऑर्डर/पोस्टल ऑर्डर के स्थान पर बैंक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकब भुगतान द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट :-उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र भारतीय ग्रंथ-सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा, 1980 के लिए निर्धारित सूचित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। भारतीय ग्रंथ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा, 1980 के लिए निर्धारित आवेदन-पत्रों से हतर प्रपत्रों पर प्रस्तुत आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 31 मार्च 1980 (31 मार्च 1980 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अंशमान एवं निकोबार द्वीपसमूह ग्रंथवा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 14 अप्रैल 1980), तक या उससे पूर्व अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंशमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप, में रहने वाले उम्मीदवार से आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 31 मार्च, 1980 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंशमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में या लक्षद्वीप में रह रहा था।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को रु० 48.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 12.00) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल ऑर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली की मुख्य शाखा पर स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पर देय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसे भी स्थिति हो के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए और आवेदन-पत्र के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैराग्राफ 7 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. आयोग, यदि चाहे तो, उग स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से सन्तुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1961 के भारत-श्रीलंका समझौते के अंतर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है और निर्धारित शुल्क दे गवने की स्थिति में नहीं है।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया है। किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो उसे रु० 30.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 8.00) की राशि वापिस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट I की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अहंक परीक्षा में अस्पर्ध रह रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की अपेक्षाओं अलगथा पालन नहीं कर गेगा तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त उपबन्धित अवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जायेगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

9. उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबंध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

आर० एस० ब्राह्मलुवालिया,  
उप-सचिव

#### अनुबंध

##### उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान में पढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केंद्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक हो, अंतिम रूप में चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावनी काई अपने हाथ से ही भरने चाहिए। सभी प्रविष्टियों/उत्तर शब्दों में होनी/होने चाहिए, रेखा या बिन्दु आदि के द्वारा नहीं। अक्षरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों से या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या नौ सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचे हों तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, बल्कि वह नियोक्ता को आखिरी तारीख में पहले प्रस्तुत किया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी के तौर पर स्थायी या अस्थायी नियमित से या कार्य प्रमाणित कर्मचारियों की हसियत से काम कर रहे हैं उन्हें यह परिचय (अडरटैकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए :—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट अथवा शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्रों की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नोटिस का पैरा 6 और 7 नीचे पैरा 6)।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ।
- (v) जहाँ लागू हों वहाँ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (vi) जहाँ लागू हों वहाँ आयु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।
- (vii) उपस्थिति पत्र (आवेदन-पत्र के साथ संलग्न) विधिवत् भरा हुआ।

(viii) लगभग 11.5 सें० मी० × 27.5 सें० मी० के आकार के दो बिना टिकट लगे लिफाफे जिन पर आपका पता लिखा हो।

नोट :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (ii), (iii), (v) और (vi) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियाँ ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हो अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। निम्नित परीक्षा के परिणाम संभवतः नवम्बर, 1980 में घोषित किए जाएंगे। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर व्यक्तिगत परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतु अर्हता प्राप्त कर लेते हैं। उन्हें उपर्युक्त प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करने होंगे। उन्हें अपने मूल प्रमाण-पत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखने चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

मद (i), से (iv) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे तक दिए गए हैं और मद (v), (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण परा 4 और 5 में दिए गए हैं :—

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल आर्डर :—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेखांकित किया जाए तथा उस पर "सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय" लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट :—

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया मुख्य शाखा, नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत् रेखांकित होना चाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र :—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विष्वविद्यालय के यहाँ से मैट्रिकुलेशन के रजिस्टर से दर्ज की गई हों और यह उद्धरण विश्वविद्यालय के सम्बन्धित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण हैं, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।



कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हेडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए अहां से वह मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ है। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था का वाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न है और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

नोट 1:—जिन उम्मीदवारों के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से संबंध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2:—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख तक एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी बाद की परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाणपत्र:—उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिससे इन बातों का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबंध अपने दावे के समर्थन में किसी अन्य प्रमाणपत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए आयोग इस माध्यम पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा। किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा अपने शैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में प्रस्तुत जिन परीक्षा उत्तीर्ण करने से संबंध विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में परीक्षा के विषय नहीं दिए गए हों तो उसे विश्वविद्यालय प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त, प्रिंसिपल/विभागाध्यक्ष से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए कि उसने नियम 6 में निर्धारित किसी एक विषय या एक से अधिक विषयों में अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण की है।

नोट:—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अन्तिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण

जन्मों में जन्मी और हर हालत में 15 अक्टूबर, 1980 तक प्रस्तुत नहीं करने तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

(iv) फोटो की दो प्रतियां:—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० सी० × 7 सें० सी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति पर उम्मीदवार को सामने की ओर स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें:—उम्मीदवार को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ उपर पैरा 3 (ii), 3 (iii), और 3 (iv) में उल्लिखित प्रलेखों में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी जो प्रलेख आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद गीटाही भेज देना चाहिए और वे [उपर पैरा 3 (iii) के नोट में उल्लिखित स्थिति को छोड़कर] हर हालत में आवेदन-पत्र स्वीकार करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के जिंगम उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) ग्राम तौर से रहने हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे संबंध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए गक्षम अधिकारी के रूप में पद नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से ग्राम तौर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*-----  
मुपुत्र/मुपुत्री/\* श्री-----

जो गांव/कस्बा\*-----

जिला/मंडल----- राज्य-----

संघ \* राज्य क्षेत्र-----

के/की\* निवासी है,-----

जाति जन जाति के/की\* है जिसे निम्नलिखित के अधीन

अनुसूचित जाति/जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है:—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950\* ।

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950\* ।

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951\* ।

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश,

1951\* ।

[अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जनजातियां सूची (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई, पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधि-

नियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन), अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित]

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956\* ।

संविधान (अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां

आदेश, 1959\* और अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित\* ।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश,

1962\* ।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश,

1962\* ।

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश 1964\* ।

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967\* ।

संविधान (गावा, दमन और दियू) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968\* ।

संविधान (गोवा, दमन और दियू) अनुसूचित जन जातियां आदेश,

1968\* ।

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970\* ।

2. श्री/श्रीमती/कुमारी\*

और/या \*उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा\*

जिला/मंडल\* राज्य/  
संघ\* राज्य क्षेत्र\* में रहने/  
रहती\* है ।

हस्ताक्षर

\*\*पदनाम

कार्यालय की मोहर सहित

स्थान

तारीख

राज्य/संघ\* राज्य क्षेत्र

\*जो शब्द लागू नहीं उन्हें कृपया काट दें ।

टिप्पणी.— यहाँ प्रयुक्त "आम तौर से रहते/रहती है" शब्दों का अर्थ वही होगा जो 'रिप्रेजेंटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950' को धारा 10 में है ।

\*\*जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी ।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लेक्टर/डिप्टी कमिशनर/ए.पी.ओ. जिल्हा कमिशनर/डिप्टी क्लेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टार्पेडरी मैजिस्ट्रेट/मिडी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/नाल्लूक मैजिस्ट्रेट/ए.ग्यू.जी.ओ.डि. मैजिस्ट्रेट/ए.कस्टा. असिस्टेंट कमिशनर ।

†(प्रथम श्रेणी के स्टार्पेडरी मैजिस्ट्रेट से कम ग्रेड के अधिकारी) ।

(ii) चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/ए.पी.ओ. चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट ।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिसका ग्रेड तहसीलवार से कम न हो ।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहाँ उम्मीदवार और/या उम्मीदवार का परिवार आम तौर से रहता है ।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डिपलॉमेट अफसर, (लक्षद्वीप) ।

5. (i) नियम 5 (ख) (ii) या 5 (ख) (iii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु-सीमा में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रवास कर भारत आया है :-

(1) दंडकारण्य परियोजना के ट्राजिट क्षेत्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के कैम्प कमांडेंट ।

(2) उक्त क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट, जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है ।

(3) अपने-अपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट ।

(4) स्वयं प्रभारित सब-डिवीजनल या सब-डिवीजनल अफसर ।

(5) उप-शरणार्थी-पुनर्वास-आयुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता ।

(ii) नियम 5 (ख) (iv) अथवा 5 (ख) (v) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले श्रीलंका में प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय में लिए गए इस प्राण्य के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है ।

(iii) नियम 5 (ख) (vi) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति को फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई 1975 से पहले भारत नहीं आया है ।

(iv) नियम 5 (ख) (vii) अथवा 5 (ख) (viii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु-सीमा में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1973 को या उसके बाद भारत आया है ।

(v) नियम 5 (ख) (ix) अथवा 5 (ख) (X) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवारों को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनःस्थापन, रक्षा मंत्रालय, में निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांति-ग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुआ और परिणाम-स्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट-----के रैंक नं०-----  
श्री-----रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष/अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणाम-स्वरूप निर्मुक्त हुए।  
हस्ताक्षर-----  
पदनाम-----  
दिनांक-----

\*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

(vi) नियम 5 (ख) (xi) अथवा 5 (ख) (xii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवारों को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि, यह विश्वास के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणाम-स्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट-----के रैंक नं०-----सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणाम-स्वरूप निर्मुक्त हुए।  
हस्ताक्षर-----  
पदनाम-----  
तारीख-----

(vii) नियम 5 (ख) (vi) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहने वाले कोनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया से प्रवाजन कर आए हुए या जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से प्रवाजन कर आया है।

6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5(i), (ii) और (iv) में से किसी भी वर्ग से संबंध है तथा नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखाने के लिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।

7. जिस व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे अपने लिए अभीष्ट पात्रता प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) को आवेदन करना चाहिए।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा झूठा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रत्येक अथवा उसकी प्रति की किसी प्रतिलिपि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें और न ही कोई फेरबदल किए गए/भूटे प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या इससे अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति है तो विसंगति के सम्बन्ध स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाएगा।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-पत्र ही अशुद्ध तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि आवेदन-पत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10. यदि उक्त परीक्षा से संबंध आवेदन-पत्रों की प्राप्ति की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती की सूचना न मिले तो उसे पावती सूचना प्राप्त करने के लिए आयोग में तत्काल सम्पर्क करना चाहिए।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथा शीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

12. जिन पुस्तिकाओं में नियमावली तथा पिछली पांच परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों का व्योरा सम्मिलित होता है, उनकी बिक्री प्रकाशन नियंत्रक, मित्राल लाइन्स, दिल्ली-110054 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहाँ से मेल आर्डर अथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किनाब महल, रिबोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी" भ्लाक, बाबा खड्ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा के किसी बिजली काउंटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और कार्यालय, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 और (iii) गवर्नमेंट आफ इण्डिया बुक डिपो, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। वे पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ़्तसिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

13. आवेदन-पत्रों में संबंध पत्र-व्यवहार :- आवेदन-पत्रों से संबंध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहाँ रोड, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा व्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :-

(i) परीक्षा का नाम

(ii) परीक्षा का महीना और वर्ष

(iii) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्म की तारीख, यदि रोल नम्बर, सूचित नहीं किया गया है।

(iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)

(v) आवेदन-पत्रों में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता

ध्यान दें :—जिन पत्रों आदि में यह ख़रीद नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

14. पते में परिवर्तन—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र

आविष्यदाध्यक होने पर, उसको बदलने हुए पते पर मिल जाया करे। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित ख़रीद के माध्यम, यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है। किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता।

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 29th November 1979

No. A.32013/1/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on *ad hoc* basis in Grade I of the Central Secretariat Service for the period shown against each, or until further orders, whichever is earlier.

S. No., Name and Period :  
S/Shri

1. R. N. Khurana (Section Officer)—1-10-79 to 19-11-79.
2. M. A. Ganapathy Ram (Grade 'A' Officer of CSSS)—1-10-79 to 3-11-79.
3. T. M. Kokel (Grade 'A' Officer of CSSS)—25-9-79 to 23-11-79.
4. S. Srinivasan (Section Officer)—3-10-79 to 23-11-79.

The 27th December 1979

No. A.11016/1/76-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri K. L. Suri, Section Officer of the C.S.S. Cadre of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the office of the Union Public Service Commission w.e.f. 14th December, 1979, upto 29-2-1980 or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri K. L. Suri shall draw special pay @ Rs. 75/- per month in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 12/1/74-CS(I) dated 11-12-1975.

No. A.11016/1/76-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri Jit Ram, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate as Section Officer for the period from 21-12-1979 to 29-2-1980 in the first instance.

No. A.32013/3/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. S. Jolly, a permanent Grade I Officer of the CSS cadre of UPSC and working as Under Secretary in the same cadre to officiate in the Selection Grade of CSS as Deputy Secretary in the office of UPSC on *ad hoc* basis for the period from 6th November 1979 to 31st December, 1979 or until further orders, whichever is earlier.

The 31st December 1979

No. P/28-Admn.I.—The President is pleased to permit Shri B. S. Jolly, a permanent Grade I officer of Central Secretariat Service and officiating as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, after attaining the age of superannuation with effect from 31-12-1979 (AN).

The 8th January 1980

No. A.12025/1/78-Admn.I.—In pursuance of the Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 9/13/78-CS.II dated the 22nd December, 1979 read with their O.M. No. 9/13/78-CS.II dated the 26th December, 1979, the President is pleased to appoint Shri I. N. Sharma, a permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) to officiate as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the same cadre in the office of the Union Public Service Commission with effect from 26-12-1979 (FN) until further orders.

The appointment of Shri I. N. Sharma will, however, be subject to the decision in the Civil Writ Petition No. 284 of 1975 pending in the Delhi High Court.

No. A.32014/3/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Joginder Singh, an officiating Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the cadre of the Union Public Service Commission, to officiate as Private Secretary (Grade A of CSSS), in the same Cadre on a temporary, and *ad hoc* basis for a period of 2 months from 24-12-79 to 23-2-80 or until further orders, whichever is earlier.

The 9th January 1980

No. A.32013/3/79-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission Notifications of even No. dated 17-9-1979 and 2-11-79, the President has been pleased to appoint Shri S. K. Bose and Shri M. R. Bhagwat permanent Grade I officers of CSS Cadre of Union Public Service Commission as Deputy Secretaries in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis for a further 20-446GI/79.

period of three months with effect from 19-11-79 and 24-11-79 respectively.

S. BALACHANDRAN  
Under Secy.  
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
(DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.)

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 8th January 1980

No. A-20014/46/75-Ad-I.—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri R. C. Mukherjee, Inspector of Police, an Officer of West Bengal Police, on deputation to C.B.I. GOW Calcutta relinquished charge of his duties in the Office of the Superintendent of Police, CBI, GOW Calcutta with effect from 30-11-79 (A.N.).

The 19th January 1980

No. A-19021/4/78-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri P. S. Hura, IPS (Punjab : 1962) to officiate as Deputy Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from the forenoon of 1st January, 1980 and until further orders.

Q. L. GROVER  
Administrative Officer (E)  
C.B.I.

DIRECTORATE OF COORDINATION  
(Police Wireless)

New Delhi-1, dated the 15th January 1980

No. A. 12012/1/79-Admn.—S/Shri S. K. Sharma, S. R. Ramaswamy and N. Ramakrishnan, Senior Technical Assistants of the Directorate of Coordination (Police Wireless) have been promoted to officiate as Extra Assistant Director in Directorate of Coordination (Police Wireless) in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the date and station shown against their names until further orders:—

Sl. No.	Name	Station of posting	Date of joining
1.	Shri S. K. Sharma	ISPW Station, Calcutta	29-11-79 (FN)
2.	Shri S. R. Ramaswamy	Hqrs., Delhi	28-12-79 (FN)
3.	Shri N. Ramakrishnan	ISPW Station, Madras	31-10-79 F.N.

C. P. JOSHI,  
Director  
Police Telecommunications

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 16th January 1980

No. E-38013(3)/20/79.—On transfer from Bhilai Shri Ishwar Singh, assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, BHEL Jhansi w.e.f. the forenoon of 14th December 1979, *vice* Shri R. K. Bhagat, Asstt. Comdt., who on transfer to Bhilai relinquished the charge of the said post on the same date.

The 19th January 1980

No. E-32015(1)/6/74-Pers.—On the expiry of his term of re-employment and on attaining the age of superannuation, Lt. Col. K. Parthasarathy relinquished the charge of the post of Commandant/CISF Unit, Madras Port Trust, Madras w.e.f. the afternoon of 31st December 1979.

A. N. BHALLA  
Asstt. Inspector General (Pers)

**MINISTRY OF LABOUR  
(LABOUR BUREAU)**

Simla-171004, the 8th February 1980

No. 23/3/79-CPI—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 increased by six points to reach 374 (Three Hundred and Seventy Four) during the month of December, 1979. Converted to base 1949=100 the index for the month of December, 1979 works out to 455 (four hundred and fifty five).

A. S. BHARADWAJ  
Joint Director  
Labour Bureau

**OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA**

New Delhi-110011, the 15th January 1980

No. 11/116/79-Ad.I-1581—The President is pleased to appoint Shri H. C. Gupta, an officer belonging to the Uttar Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, by transfer on deputation, with effect from the afternoon of 24 December, 1979.

His headquarters will be at Bareilly.

No. 10/56/79-Ad.I-1584.—The President is pleased to appoint Shri V. V. Rao, Assistant Director (Programme) in the office of the Registrar General, India, New Delhi as Systems Analyst in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 27 December, 1979 or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

His headquarters will be at New Delhi.

The above mentioned *ad-hoc* appointment will not bestow upon Shri Rao any claim to regular appointment to the post of Systems Analyst. The services rendered by him on *ad-hoc* basis will not count for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to any next higher grade. The above mentioned *ad-hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/116/79-Ad.I-1585.—The President is pleased to appoint Shri Daya Ram, an officer belonging to the Uttar Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 29 December, 1979, until further orders.

His headquarters will be at Agra.

No. 11/116/79-Ad.I-1588.—The President is pleased to appoint Shri Narendra Kumar, an officer belonging to the Uttar Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 27 December, 1979, until further orders.

His headquarters will be at Faizabad.

No. 11/116/79-Ad.I-1591.—The President is pleased to appoint Shri Moti Lal, an officer belonging to the Uttar Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 29 December, 1979, until further orders.

His headquarters will be at Varanasi.

The 18th January 1980

No. 10/31/79-Ad.I-2381.—The President is pleased to appoint Shri K. C. Seth, Section Officer in the Ministry of Information and Broadcasting as Deputy Director in the office of the Registrar General, India, New Delhi, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 2nd January, 1980, until further orders.

His headquarters will be at New Delhi.

No. 10/32/79-Ad.I-2382.—The President is pleased to appoint Shri L. K. Prasad, Section Officer in the Ministry of Home Affairs, as Assistant Director in the office of the Registrar General, India, New Delhi, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 2nd January, 1980, until further orders.

His headquarters will be at New Delhi.

No. 10/20/79-Ad.I-2383.—In continuation of this office notification No. 12/5/74-RG(Ad.I) dated 5-9-1979, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Smt. Krishna Chowdhury as Linguist in the Office of the Registrar General, India (Language Division) at Calcutta, upto 30 June, 1980 or till the post is filled in on regular basis, whichever is earlier, on the terms and conditions as mentioned in paragraph 2 of this Office Notification No. 12/5/74-RG(Ad.I) dated 28-3-1979.

2. The headquarters of Smt. Chowdhury will be at Calcutta.

No. 10/26/79-Ad.I-2386.—The President is pleased to appoint Dr. M. Holla, an Officer, belonging to the grade I of the Indian Statistical Service, as Deputy Registrar General, (Vital Statistics) in the Office of the Registrar General, India New Delhi in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 7 January, 1980, until further orders.

The headquarters of Dr. Holla will be at New Delhi.

P. PADMANABHA  
Registrar General, India

**DIRECTORATE OF PRINTING**

New Delhi, the 15th January 1980

No. S(51)/AII.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Jaswant Singh, Accountant, Govt. of India Press, Minto Road, New Delhi, to officiate as Assistant Manager (Admn.) in the Govt. of India Press, Aligarh in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the 19th October, 1979 (F.N.) until further orders.

No. M(61)/AII.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri V. Madhavan to officiate as Assistant Manager (Admn.) in the Government of India Press, Simla, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the afternoon of 17th December, 1979 until further orders.

M. M. JOSHI  
Deputy Director (Admn.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I,  
MADHYA PRADESH**

Gwalior, the 10th January 1980

No. Admn-I/461.—Shri I. S. Kohli, (01/171) an officiating Accounts Officer of the Office of the Accountant General-I, Madhya Pradesh, has been permitted to retire voluntarily from Government Service with effect from 1-3-80 forenoon, in terms of Rule 48-A, of the Central Civil Services (Pension) Rules 1972 and Government of India, Ministry of Home Affairs Department of Personnel and administrative Reforms Office Memorandum No. 25013/7/77-Estt(A) dated 26-8-77.

(Authority: Accountant General-I's order dated  
31-12-1979).

D. C. SAHOO  
Senior Deputy Accountant  
General (Admn.)

**MINISTRY OF DEFENCE  
ORDNANCE FACTORY BOARD**

Calcutta, the 14th January 1980

No. 1/80/A/M.—The President is pleased to apoin the following Assistant Medical Officers in Ordnance Factories with effect from the dates indicated against each until further orders :—

Sl. No.	Name & Post	Posted at	Date
1.	Dr (Ku) Sushila K. Sahu Assistant Medical Officer.	Metal & Steel Fy., Ishapore	24-7-79
2.	Dr. K. J. Dhuliya, Assistant Medical Officer.	Ordnance Factory, Khamaria	2-8-79
3.	Dr. (Ku) Vimala Subramaniam Iyer, Assistant Medical Officer.	Ordnance Factory, Bhus-w-I	11-9-79
4.	Dr. Chander Kant Assistant Medical Officer.	Ordnance Factory, Ambarnath	8-10-79

O. P. BAHL,  
Add. Director General,  
Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES  
(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS

New Delhi, the 10th January 1980

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1085.75-Admn(G)/237.—On attaining the age of superannuation Shri P. K. Dutta relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta on the afternoon of the 31st December, 1979.

The 15th January 1980

No. 6/581/59-Admn(G)/260.—On attaining the age of superannuation Shri S. K. Zutshi relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports (CLA), New Delhi on the afternoon of the 31st December, 1979.

C. S. ARYA  
Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY  
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 10th January 1980

No. A-19018(392)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri N. A. Ramakrishnan as Assistant Director (Gr. I) (Mechanical) at the Extension Centre, Shoranur Kerala, with effect from the forenoon of 22nd November, 1979, until further orders.

No. A-19018(423)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Anil Bhandari as Assistant Director (Gr. I) (Mechanical) at Industrial Extension Centre, Jabalpur with effect from the forenoon of 5th November, 1979, until further orders.

M. P. GUPTA  
Deputy Director (Admn.)

DTE. GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS  
(Admn. Section A-6)

New Delhi, the 9th January 1980

No. A 6/247(548)/66.—The President is pleased to accept the resignation from service of Shri B. N. Razdan, Asstt. Director of Inspection (Met.) (Grade III) of Indian Inspection Service, Group 'A' Met (Branch) in the office of Director of Inspection (Met.) Jamshedpur under this Dte. General w.e.f. 18-12-1979.

(Administration Section A-1)

The 11th January 1980

No. A-1/1(1018).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri S. K. Banerjee, Junior Progress Officer to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay with effect from the forenoon of 31-12-79.

The promotion of Shri S. K. Banerjee as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and on ad-hoc basis without prejudice to the rights of officers, otherwise senior to him and will not confer on him any right whatsoever to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

No. A-1/1(1144)/79.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Paul Xavier, Superintendent in DS&D, Madras to officiate on purely ad-hoc basis as Assistant Director (Admn.) (Grade II) in the office of the Director of Inspection, Madras, with effect from the forenoon of the 12-12-1979 *vice* Shri K. V. Sivaramakrishnan proceeded on leave.

The 14th January 1980

No. A-1/1(858).—The Director General, Supplies & Disposals hereby appoints Shri G. K. Das, Stores Officer in the office of the Controller of Inspection General Stores, Kanpur to officiate on regular basis as Assistant Director (Supplies) (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 31-12-1979.

No. A-1/1(1024).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri J. K. S. Payal, Junior Field Officer in the office of Dte. General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the same office at New Delhi with effect from the forenoon of 2-1-1980.

The appointment of Shri J. K. S. Payal as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and on ad-hoc basis without prejudice to the rights of officers, otherwise senior to him and will not confer on him any right to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

No. A-1/1(1044).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Balbir Singh, Junior Progress Officer in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, to officiate as Assistant Director (Grade II) on ad-hoc basis in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 27th December, 1979.

The promotion of Shri Balbir Singh as Assistant Director (Gr. II) is purely temporary and on ad-hoc basis without prejudice to the rights of officers, otherwise senior to him and will not confer on him any right whatsoever to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

No. A-1/1(1048).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri L. G. Kamble, Superintendent in the office of the Director of Supplies & Disposals, Bombay to officiate as Assistant Director (Grade II) on ad-hoc basis in the same office with effect from the forenoon of 19-12-79.

The promotion of Shri L. G. Kamble as Assistant Director (Gr. II) is purely temporary and on ad-hoc basis without prejudice to the rights of officer, otherwise senior to him and will not confer on him any right whatsoever to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

(Admn. Section A-6)

The 17th January 1980

No. A-17011/168/80-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri T. R. Ghosh, Examiner of Stores (Engg.) in the office of Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) on ad-hoc basis in the same office w.e.f. the forenoon of 13th December, 1979 and until further orders.

K. KISHORE  
Dy. Director (Admn.)  
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL  
(DEPARTMENT OF MINES)  
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 14th January 1980

No. 455B/32013(AQ)/78/19A.—Shri B. K. Chatterjee, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—1 B—35—880—40—1000—EB—40—1200 /- on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 8-10-1979 to 8-11-1979 (FN) against the leave vacancy of Shri S. Das Gupta, Administrative Officer, Central Region, Geological Survey of India, Nagpur.

The 15th January 1980

No. 520B/32013(A)/78/19A.—Shri A. V. Meeherjee, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1200/- on ad-hoc

basis with effect from the forenoon of 4-12-1979 against the leave vacancy of Shri M. M. Das, Administrative Officer, Coal Division, Geological Survey of India, Calcutta.

V. S. KRISHNASWAMY  
Director General

## DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 16th January 1980

No. 6(112)/62-SI.—Shri S. Viswasam, Programme Executive, All India Radio, Tiruchirappalli retired from service with effect from the afternoon of the 31st August, 1979 on attaining the age of superannuation.

N. K. BHARDWAJ  
Deputy Director of Administration  
for Director General

## MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING DIRECTORATE OF FILM FESTIVALS REGULATIONS

### TWENTY SEVENTH NATIONAL FILM FESTIVAL 1980

New Delhi-110003, the 25th January 1980

No. 1/2/79-FFD.—The National Film Festival of India is organised by the Directorate of Film Festivals, Ministry of Information and Broadcasting, Government of India. Its motto is "SATYAM SHIVAM SUNDARAM".

The Festival aims at :

- (i) Encouraging the production of films of aesthetic excellence and social relevance,
- (ii) contributing to the understanding and appreciation of the film cultures of different regions,
- (iii) promoting the feeling of integration and unity of the nation.

2. Any film produced in India and received by the Central Board of Film Censors for certification in 1979 and certified not later than 31st of January, 1980 and consistent with the objectives of the festival can be entered in the festival. In case of Film Institutes recognised by the Government any film produced during 1979 can be entered. This will not, however, exempt such films from the provision of certification by the Board of Film Censors for public screenings. Films entered should be in 35 mm or 16 mm gauge. The length of short films should ordinarily not exceed 1000 meters in case of 35 mm or 400 meters in case of 16 mm.

3. A censored film entered in the festival should, subject to Regulation 2, be exactly the same as certified by the Board of Film Censors.

4. No film with which a member of the staff of the Directorate of Film Festivals is associated can be entered in the National Film Festival.

5. An entry can be made either by a Government Department, a Government recognised Institute or by individual producer/production company. Enclosed entry form (in duplicate) duly completed must reach the Directorate of Film Festivals not later than 15th March, 1980.

6. Prints of films entered for the National Film Festival should reach the Directorate of Film Festivals latest by 15th March, 1980. If possible the prints may be sent along with the entry forms. Immediately after despatching the print, the sender should notify the Directorate of Film Festivals by mail/telegram the title, the language of the film, the number of reels and the date and mode of despatch of the print.

7. The following material pertaining to both features and shorts entered in the festival should be sent along with the entry form to reach the Directorate by 15th March, 1980 :

- (i) 40 copies of the synopsis in English of feature films and 15 copies of the commentary text for short films.
- (ii) Publicity material comprising six posters and photo sets containing six photographs.
- (iii) 5 copies of the film script of the feature film in original language of the film together with 5 copies of the same in English or Hindi.
- (iv) Short biographical sketch of the producer, the director and the leading artistes of the film.
- (v) 2 sets of photographs of the producer, the director and the leading artistes of the film.

8. Every application for entry must be accompanied by an entry fee of Rs. 100 in case of films exceeding 1,000 meters in length in 35 mm and 400 meters in 16 mm and Rs. 50 in the case of films shorter in length than the above mentioned limit. This fee shall not be refundable. The payment of entry fee may be made by Demand Draft, payable at the State Bank of India, Rail Bhavan, New Delhi in favour of the Assistant Director, Directorate of Film Festivals and sent along with entry form.

9. Two Juries will be constituted by the Government of India one for judging feature films and the other for judging short films.

10. The composition of the Jury for Feature films will be as follows :—

- (a) A chairman nominated by the Government; and
- (b) not more than 24 members distinguished in the field of arts and humanities, including films, and qualified to judge thematic, artistic and technical merits of films. The members will be nominated by the Government.

11. Panels may be constituted by the Chairman (at his discretion if considered necessary) out of the members of the Jury for Feature Films to examine feature films in various languages and the children's films.

12. Each panel will recommend to the aforesaid Jury for Feature Films, not more than three films in each language considered suitable for awards, without indicating order of merit. If, however, in the opinion of the panel, a particular film excels over other films examined by it meriting consideration of awards meant for individual achievements under Rule 24-1(vi) to (xvi) the particular category in that event may be specified along with the title of the film.

13. The Jury for Feature Films will thereafter view all the films recommended by the various panels and the panel for the Children's films and recommend films for various categories of awards under rule 24-1 of these regulations.

14. The Jury for Feature Films will first select the award-winners for the following three categories :

Best Feature Film under rule 24-1(i).

Best Feature Film with mass appeal, wholesome entertainment and aesthetic value under rule 24-1 (ii).

Best Feature Film on National Integration under rule 24-1(iii).

The films selected for these awards will not be eligible for regional awards under rule 24-1 (iv) of these Regulations.

15. The Jury for Short Films will consist of a Chairman and not more than four other members. The Jury will be constituted by the Government. The Jury will recommend films for categories of awards under rule 24-II.

16. Any person directly or indirectly associated with any film entered in the National Film Festival will not be eligible to serve on the Jury for Feature Films and the Jury for Short Films as the case may be.

17. Both the Juries may determine their own procedure for the examination of films.

18. The quorum of the two Juries shall not be less than half the number of members nominated.

19. The Director, Directorate of Film Festivals or his nominee may attend the deliberations of both the Juries with the objective of providing necessary information and clarification regarding the scheme of National Film Festival.

20. The members of both Juries shall treat the deliberations as confidential. Also while working as members of the Jury,



they will not utilise any material made available to them in the course of their work for dissemination through any media e.g. press, radio, TV, before the formal announcement of the results of the National Film Festival.

21. Nothing contained herein shall be construed as restricting the discretion of the Jury for Feature Films and the Jury for Short Films from making a recommendation that none of the films in a particular language or category or that none of the director, script writer, actor, actress, child actor/actress, cameraman, sound recordist, editor, art director, music director, playback singer, of feature films examined by them is of a standard adequate for an award.

22. Canvassing in any form in respect of an entry will render that entry liable to be disqualified. Any member of the two Juries found canvassing for a particular film is liable to be disqualified for membership of the Jury.

23. The members of the two Juries will be paid travelling expenses and consolidated consultancy fee (at such rates as prescribed by the Government) for attending the meetings/previous of the films in connection with the National Film Festival.

24. Films competing in the National Film Festival may be awarded the following prizes :

#### 1.—FEATURE FILMS

##### (i) *Best Feature Films :*

Swaran Kamal and a cash prize of Rs. 40,000 to the producer and Swaran Kamal and a cash prize of Rs. 20,000 to the director.

##### (ii) *Best Feature Film which mass appeal, wholesome entertainment and aesthetic value :*

Swaran Kamal to the producer and Rajat Kamal to the director.

##### (iii) *Best Feature Film on National Integration :*

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 30,000 to the producer and a Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the director.

This award will be given not only for films dealing with communal harmony and patriotic themes but will also cover films dealing with uplift of depressed classes, inter-regional integration etc.

##### (iv) *Best Feature Film in each regional language :*

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the producer and Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the director of the best feature film in each language, viz.

—Hindi (including Urdu, Hindustani and connected dialects like Bhojpuri, Rajasthani and Maithili), Marathi (including Konkani), Gujarati, Punjabi, Kashmiri, Sindhi, English, Bengali, Assamese, Oriya, Manipuri, Tamil, Telugu, Kannada and Malayalam.

##### (v) *Best Children's Film :*

Swaran Kamal and a cash prize of Rs. 15,000 to the producer and a Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the director.

##### (vi) *Best Direction :*

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 20,000 to the best director of the year.

##### (vii) *Best Screenplay :*

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best script writer.

##### (viii) *Best Acting :*

(a) Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best actor.

(b) Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best actress.

(c) Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best child actor or actress who is not more than 14 years of age.

##### (ix) *Best Cinematography (Colour) :*

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best cameraman of a colour film.

##### (x) *Best Cinematography (Black and White) :*

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best cameraman of a black and white film.

##### (xi) *Best Sound Recording :*

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best sound recordist.

##### (xii) *Best Editing :*

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best editor.

##### (xiii) *Best Art Direction :*

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best art director.

##### (xiv) *Best Music Direction :*

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best music director.

##### (xv) *Best Male Playback Singer :*

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best male playback singer.

##### (xvi) *Best Female Playback Singer :*

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best female playback singer.

#### II.—SHORT FILMS

##### (i) *Best Information Film (Documentary) :*

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer and a Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.

##### (ii) *Best Educational/Instructional Film :*

(This category will include educational, instructional and training films).

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer and Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.

##### (iii) *Best Promotional Film (Non-Commercial/Commercial) :*

(For the best promotional film on subjects of national importance, e.g., National Integration, Social Justice, Cooperation, Savings, Dynamics of development including Agricultural Practices of the best commercial advertisement film).

Rajat Kamal to the producer and Rajat Kamal to the director.

##### (iv) *Best Experimental Film :*

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer and Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.

##### (v) *Best Animation Film :*

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer, Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the animator and Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.

##### (vi) *Best Newsreel Cameraman :*

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best newsreel cameraman.

##### (vii) *Best Indian News Review :*

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer.

#### Explanation

The term 'producer', 'director', 'screenplay writer', 'actor', 'actress', 'child actor/actress', 'cameraman', 'sound recordist', 'editor', 'art director', 'music director' and 'playback singer' used in these rules will be construed as referring to the 'producer', 'director', 'screen-play writer', 'script writer', 'actor', 'actress', 'child actor/actress', 'cameraman', 'sound recordist', 'editor', 'art director', 'music director', and 'playback singer' as the case may be, as given in the credit titles of the film entered in the competition duly certified by the Central Board of Film Censors.

**Dada Saheb Phalke Award :**

25. In addition to competitive awards mentioned in rule 24, the Government at its discretion will give a special award to outstanding contribution to the cause of Indian cinema. The award will consist of a Swarn Kamal, cash prize of Rs. 40,000 and a shawl.

26. The producer of a feature film which wins a award under categories I-(i) to (vi) of rule 24 of these Regulations will be granted by the Central Government an additional sum of Rs. 5,000 on his getting that sum sub-titled from its original to any other Indian or foreign language.

27. Government shall be entitled to retain one print of the film entered for the awards and when receives an award. The cost of the print viz., the cost of raw material and processing charges, will be re-imbursed to the producer, reimbursement being made only if a brand new print is made available within three months from the date of announcement of awards. If a brand new print is not supplied to the Directorate within a period of three months of the announcement of the results then no reimbursement may be made and the print entered for the National Film Festival may be retained by the Government without any compensation to the producer.

28. In the event of the same film qualifying for more than one awards under rule 24(i) to (vi) the producer and the director of the film will receive award only in one capacity carrying a higher cash prize. However, more than one award can be given to the same producer and the director for different films under different categories.

29. The producer of the film entered for the National Film Festival shall have no objection to the screening of the film for the Juries or for any of their panels, in public shows or for any other special screening that the Government may organise. The proceeds, if any, shall be credited to the Government revenues.

30. Entire cost on freight for print and publicity material will be borne by the entrant.

31. The decision of the Government of India in respect of the awards and of interpretation of these Regulations shall be final and no appeal shall lie against them.

32. A person who participates in the National Film Festival under these Regulations shall be deemed to have accepted these Regulations.

33. The print of films entered in the festival, publicity material and correspondence relating thereto should be addressed to :

Director of Films,  
Directorate of Film Festivals,  
Lok Nayak Bhawan, 4th Floor,  
Khan Market, New Delhi-110003.

Telegraphic address :

FILMOTSAV, NEW DELHI-110003.

**ENTRY FORM**

(To be completed in duplicate and sent to : The Director of Films, Directorate of Film Festivals, Ministry of Information and Broadcasting, Lok Nayak Bhawan (4th floor), Khan Market, New Delhi-110003 to reach by 15th March, 1980).

1. Title of the film
2. Language
3. \*Category : Feature / Children's Film / Short Film
4. Length of the film (in meters)
5. Running time : hours          minutes
6. Number of reels
7. Gauge : 35 mm / 16 mm
8. Colour system
9. Number and date of the Censor Certificate

\*Please strike out the portion not applicable. Entries in the case of Short Films should specify the category for which the film is entered with reference to rule 24-II.

10. Classification of the film in the Censor Certificate (whether 'A' or 'U')
11. Name and full address of the producer (with telephone No. and telegraphic address, if any)
12. Name and full address of the Director
13. Name and full address of Screen-play Writer/Script Writer
14. Name and full address of the Leading male Actor
15. Name and full address of the leading female Actress
16. Name and full address of the Child actor/actress (if any) of an age not exceeding 14 years
17. Name and full address of the cameraman
18. Name and full address of Sound Recordist
19. Name and full address of the Editor
20. Name and full address of the Art Director
21. Name and full address of the Music Director
22. Name and full address of the male Playback Singer
23. Name and full address of female Playback Singer
24. Name and full address of the Animator of Animation Film entered under category of Short Films
25. Date of release of the film
26. If the film is a dubbed version, an adaptation or a re-take of another film, particulars of the film of which it is a dubbed version, adaptation or retake
27. Print of the film to be despatched by (please give name and complete address).

Name of the person making the entry

Signature

(Seal)

Address :

Date :

M. L. JUNEJA  
Joint Director  
Directorate of Film Festivals

**DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES**

New Delhi, the 14th January 1980

No. 9-62/75 CGHS-I.—Consequent upon his transfer from CGHS Patna to CGHS Ahmedabad Dr. M. D. Goswami relinquished charge of the post of Ayurvedic Physician under CGHS Patna with effect from the afternoon of 28-11-1979 and assumed charge of the post of Ayurvedic Physician under CGHS Ahmedabad with effect from the forenoon of 12-12-1979.

N. N. GHOSH  
Dy. Director Admn. (CGHS)

**MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION****DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION**

Faridabad, the 15th January, 1980

No. A-19025/10/78-A. III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), the following officers, who are working as Asstt. Marketing Officer (Group D) on ad hoc basis, have been appointed to officiate as

A.M.O. (Group I) on regular basis w.e.f. 21-12-79 until further orders :—

1. Shri S. P. Saxena
2. Shri A. Vishwakarma
3. Shri M. C. Bajaj
4. Shri S. S. R. Sarma
5. Shri S. R. Shukla
6. Shri O. P. Bansal
7. Shri R. C. Singhal
8. Shri C. V. Bhavanishankaran
9. Shri A. Thomas Ooman
10. Shri P. R. Nair
11. Shri M. K. Sivanandan
12. Shri P. R. Padmanabhan
13. Shri K. K. Vijayan
14. Shri C. N. Anandakrishnan
15. Shri A. P. Gopinathan Kartha
16. Shri K. G. Wagh
17. Shri V. L. Vairaghar
18. Shri N. G. Shukla
19. Shri V. E. Edwin
20. Shri R. S. Singh
21. Shri B. N. K. Sinha
22. Shri R. V. S. Yadav
23. Shri M. P. Singh
24. Shri H. N. Rai
25. Shri D. N. Rao
26. Smt. Ansuya Sivarajan

No. A-19025/70/78-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), the following officers who are working as Asstt. Marketing Officer (Group I) on short-term basis, have been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group I) on regular basis w.e.f. 21-12-1979, until further orders :—

1. Shri S. P. Shinde
2. Shri R. C. Munshi
3. Shri B. N. Sarkar
4. Shri K. K. Tiwari.

No. A-19025/74/78-A.III.—The short-term appointments of the following officers to the post of Asstt. Marketing Officer (Group I) have been extended upto 31st March, 1980 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier :—

1. Shri S. D. Kathalkar
2. Shri S. K. Mallik
3. Shri R. K. Pande
4. Shri M. J. Mohan Rao
5. Shri S. Suryanarayan Murthy
6. Shri N. S. Chelapati Rao
7. Shri C. M. Girdhar
8. Shri S. A. Shamsi
9. Shri K. Jayanandan.

**B. L. MANIHAR**  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 18th January 1980

No. AMD-1/12/79-Adm.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Som Nath Sachdeva, Hindi Translator in the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the Forenoon of January 1, 1980 upto February 29, 1980 (Afternoon) vice Shri R. N. Dey, Assistant Personnel Officer granted leave.

**M. S. RAO**  
Sr. Administrative & Accounts Officer

#### HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 15th January 1980

No. HWP-1/Estt/1/J-6/184.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Jawhar Lal Jain, a temporary Stenographer (Senior) of Heavy Water Project (Kota), to officiate as Assistant Personnel Officer in the same project, in a temporary capacity, on ad-hoc basis with effect from November 12, 1979 (FN) to December 13, 1979 (AN) vice Shri K. T. Jose, Assistant Personnel Officer, granted leave.

**K. SANKARANARAYANAN**  
Senior Administrative Officer

#### DEPARTMENT OF SPACE (CIVIL ENGINEERING DIVISION)

Bangalore-560025, the 11th January 1980

No. 10/5(20)/78-CFD(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to promote Shri G. Viswanathan, Technical Assistant-C of the Civil Engineering Division working at present in the Engineering Maintenance Division of Vikram Sarabhai Space Centre, Thumba, Trivandrum to the post of Engineer-SB with effect from the forenoon of 1st October, 1978 in an officiating capacity and until further orders and has been posted to work in the same Division.

**H. S. RAMA DAS**  
Administrative Officer-I

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 13th November 1979

No. A.35018/6/79-E.I.—The President is pleased to appoint on deputation Shri M. L. Bhanot, JPS (UT:1957), as Deputy Director (Security) (Rs. 2000-2250 plus Special Pay of Rs. 200/- P.M.) in the Civil Aviation Security Organisation of the Civil Aviation Department for a period of one year in the first instance with effect from the 19th October, 1979 (forenoon).

**V. V. JOHRI**  
Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 14th December 1979

No. A-32013/2/79-FI.—The President is pleased to appoint Shri R. Narasimhan, Senior Scientific Officer, to the post of Deputy Director, R&D in the Civil Aviation Department on ad-hoc basis, with effect from 9th October, 1979 to 31st March 1980 or till the post is regularly filled, whichever is earlier, in continuation of this Department Notification No. A 32013/2/79-FI, dated 22nd May 1979.

The 22nd December 1979

No. A-32013/10/77-FI.—In continuation of this Department Notification No. A-32013/10/77-FI, dated the 22nd May 1979, the Director General of Civil Aviation is pleased to sanction continued ad-hoc appointment of Shri S. W. H. Jafri, Substantive Librarian in this Department to the post of Chief Librarian (Group 'B'—Gazetted), Civil Aviation Department beyond 16th November 1979 afternoon for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 15th January 1980

No. A-12025/2/78-FI.—The President is pleased to appoint Shri Itendra Nath Moolerjee, to the post of Examiner of Personnel in the Civil Aviation Department, New Delhi with effect from the 12th December 1979 (forenoon) and until further orders.

**C. K. VATSA**  
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 17th January 1980

No. A. 32013/4/78-EC.—In continuation of this Deptt., Notifications No. A. 32013/4/78-EC dated 30-3-79, 12-4-79, and 26-4-79, the President is pleased to continue ad hoc

appointment of the following three Assistant Communication Officers to the grade of Communication Officer on ad-hoc basis beyond the dates mentioned against each and up to 29-2-80 or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier :—

S. No.	Name	Station of posting	Period of continued ad-hoc appointment
1.	Shri N. Muniandy	A.C.S. Madras	Beyond 26-9-79 & upto 29-2-80.
2.	Shri T. C. Moosad	A. C. S. Madras	Beyond 4-9-79 & upto 29-2-80
3.	Shri S. L. Mehra	A. C. S. Delhi	Beyond 26-9-79 & upto 29-2-80.

R. N. DAS,  
Assistant Director of Administration

### OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 10th January 1980

No. 1/5/79-EST.—Shri Favaz Ahmed, offg. Assistant Engineer, Switching Complex, Bombay (on expiry of Earned Leave granted to him from 15th October 1979 to 30th November 1979) was permitted to resign his appointment with effect from the afternoon of the 30th November, 1979.

No. 1/433/79-EST.—Shri K. Unnikrishnan, Officiating Assistant Engineer, R&D Unit, Headquarters Office, Bombay, was permitted to resign his appointment, with effect from the afternoon of the 12th December, 1979.

The 11th January 1980

No. 1/98/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri G. S. Chattwal, officiating Technical Assistant, New Delhi Branch as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch for the period from 14th May 1979 to 28th September 1979 (both days inclusive) against a short term vacancy.

The 17th January 1980

No. 1/481/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri M. Balakrishnan, Supervisor, Madras Branch, as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, on ad-hoc basis, in the same Branch for the period from 12th June 1979 to 7th August 1979 (both days inclusive).

H. L. MALHOTRA  
Dy. Director (Admn.)  
for Director General

### DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT,

#### CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 11th January 1980

No. 11/79.—Shri P. P. Singh Chaurath, working as Inspecting Officer Group 'A' in the DIACCE, in accordance with the Department of Revenue Order No. 186/79 (F. No. A-22012/38/79-Ad II) dated 30th November 1979, on his reversion to his Substantive post of Superintendent Group 'B' and posting as Inspecting Officer Group 'B' in the DIACCE, on expiry of his leave, assumed Charge of the post on 10th December 1979 (FN).

A. M. SINHA  
Director of Inspection

### CENTRAL WATER AND POWER RESEARCH STATION PO KHADAKWASLA RESEARCH STATION

Pune-411024, the 19th January 1980

No. 608/158/80-Adm.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the Director, Central Water & Power Research Station, Pune, hereby appoints Dr. C. V. Dharmadhikari to the post of Assistant Research Officer (Scientific-Physics) in the Central Water & Power Research Station, Pune, on a pay of Rs. 710/- per month in the

scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EP—40—1200 with effect from the forenoon of 1st January, 1980.

Dr. Dharmadhikari will be on probation for a period of 2 years with effect from 1st January 1980.

M. R. GIDWANI  
Administrative Officer  
for Director,

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS

#### CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 14th January 1980

No. 33/12/78-EC IX.—The Director General of Works CPWD, is pleased to appoint the undermentioned nominee of the U.P.S.C. as Assistant Architect against temporary post in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000 EB-40-1200 from the date and pay shown against each:—

S. No.	Name	Date of Appt. as Assistant Architect	Pay	Remarks
1.	Sh. M. A. Gore	24-12-79 (F.N.)	Rs. 650/- P.M.	His pay will be fixed according to rules shortly.

(2) Shri M. A. Gore will be on probation for a period of two years from the date of his appointment as Assistant Architect as shown above.

(3) Shri Gore is posted in S. A. (Delhi Admn.)-III Unit, C.P.W.D., New Delhi.

H. D. SINHA,  
Dy. Director of Administration

### MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 24th January 1980

No. 78/RE/161/1.—It is hereby notified for the general information of all users of Railway lines and premises that A.C. Overhead Traction wires will be energised on high Voltage 25 KV or below on or after 1-2-1980 in the following sections in stages where the works are in progress :—

GUDUR (Excl.) to BITRAGUNTA (incl.) :—

Structure No. 137/13, 14 (KM. 137/337.25)

to

211/13, 14 (KM. 211/364.12)

On and from the same date, the overhead traction line shall be treated as live at all time and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of it.

The Public are also warned—

1. To keep away from electric traction wires and fittings in the section;
2. Not to approach or come in contact with such wires and fittings either directly in person or through articles such as poles, bamboos, metallic rods, etc., as it will prove fatal;
3. Not to lean or protrude any portion of their body outside the compartments to avoid getting injured, as steel masts for carrying traction wires have been erected on both sides of the track
4. Not to come within a range of two metres from the electric fittings and overhead electric wires;
5. Not to approach or work in the proximity of overhead wires;
6. Not to travel on foot-boards or ride on the roof of the coaches, as it may prove fatal;
7. To kindly report to the nearest Station Master in case they come across any broken wires;

The Railway Administration will not be liable for any accident caused due to this warning being ignored.

#### Warning to Road Users

No. 78/RE/161/1.—It is notified for information of general public that in connection with introduction of 25 KV AC Electric traction, Height gauges have been erected at all the level crossings in the section Gudur (Excl.) to Bitragunta (incl.) of South Central Railway with a clear height of 15'-4" (4.67m) above road level with a view to prevent loads of excessive heights from coming into contact with or in dangerous proximity to live traction wires. Public are hereby notified to observe the height specified above for the purpose of loading vehicles and to see that the loads carried in road vehicles do not infringe the height gauges under any circumstances.

The dangers of a load of excessive height are as follows :

- (i) Danger to the height gauge and consequent obstruction to the road as well as the Railway line.
- (ii) Danger to the materials or equipment carried on the vehicle itself.
- (iii) Danger of fire and risk of life due to the contact with or dangerous proximity to the live conductors.

The Railway administration will not be liable for any accident caused due to this warning being ignored.

K. BALACHANDRAN, Secy. Rly. Board

#### MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

#### DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD)

#### OFFICE OF THE REGISTRAR COMPANIES MAHARASHTRA

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Delight Pictures Private Limited*

Bombay, the 13th December 1979

No. 9432/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Delight Pictures Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. B. Byramji Private Limited*

Bombay, the 13th December 1979

No. 12659/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. B. Byramji Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. GUPTA  
Asstt. Registrar of Companies,  
Maharashtra, Bombay.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Colombani Import & Export Private Limited*

Pondicherry-1, the 18th January 1980

C. No. 15/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the company "Colombani Import & Export Private Limited", unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA  
Registrar of Companies,  
Pondicherry.

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES, PUN- JAB, H. P. & CHANDIGARH MODEL TOWN, LINK ROAD, JULLUNDUR CITY

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Jagdambe Financiers & Chit Fund Company Private Limited*

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/3054/760.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Jagdambe Financiers & Chit Fund Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
B. L. Financiers & Chit Fund Company Private Limited*

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/3092/762.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of B. L. Financiers & Chit Fund Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Pathankot Goods Carriers Private Limited*

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/3051/764.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Pathankot Goods Carriers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Kapurthala Property Chit Fund & Finances Private  
Limited*

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/3004/766.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kapurthala Property Chit Fund & Finances Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Satpar Finance Private Limited*

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/2673/768.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Satpar Finance Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Rama Krishna Steel Industries Private Limited*

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/3428/770.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Rama Krishna Steel Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Jaggis Export Private Limited*

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/774.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Jaggis Export Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Gulmar Financiers & Chit Fund Private Limited*

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/3347/776.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that the name of Gulnar Financiers & Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of Interexports (India) Private Limited*

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/3061/772.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Interexports (India) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of Umapati Ganesh Finances & Chit Fund Company Private Limited*

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/3077/778.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Umapati Ganesh Finances & Chit Fund Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of Zanni & Co. Private Limited*

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/2225/780.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Zanni & Co. Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of Anandpur Chit Fund Company Private Limited*

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/3075/782.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Anandpur Chit Fund Company Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of Punjab Rubber & Chemical Industries Private Limited*

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/2952/784.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Punjab Rubber & Chemical Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M. H. Combess Private Limited*

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/3070/786.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M. H. Combess Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of Harjas Traders & Chit Fund Financiers Private Limited*

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/3122/788.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Harjas Traders & Chit Fund Financiers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of Anand High Speed Steels Private Limited*

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/2768/790.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Anand High Speed Steels Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL  
Registrar of Companies  
Punjab, H. P. & Chandigarh.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Southind Enterprises Private Limited*

Bangalore, the 19th January 1980

No. 3011/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Southind Enterprises Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI  
Registrar of Companies,  
Karnataka, Bangalore.

## OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Cochin-682016, the 9th January 1980

### ORDER

Subject : Estt-ITO Group B—Promotion Orders—Issue of—

C. No. 2/Estt/Gaz/Con/79-80—The following promotions, postings and transfers are hereby ordered:—

#### I. PROMOTION

The following Inspectors of Income-tax are hereby appointed to officiate as Income-tax Officers, Group-B, in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date(s) they take over charge and until further orders :

1. Shri M. Chandrasekharan.
2. Shri A. R. Gopalakrishnan.

They will be on probation for a period of two years.

2. The above appointments are made on a purely temporary and provisional basis and are liable to termination at any time without notice. The appointments are also subject to the result of Original Petitions No. 2499 of 1977-L and No. 4023 of 1978 before the High Court of Kerala and Civil Writ Petition No. 25/1979 filed before the Delhi High Court.

#### II. POSTINGS AND TRANSFERS :

Sl. No.	Name	From	To	Remarks
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	V. Subramonia Pillai	ITO-B-Ward, Trivandrum	ITO D-Ward, Trivandrum	
2.	K.P.D. Nair	ITO (on return from leave)	ITO B-Ward, Trivandrum	vice Shri V. Subramonia Pillai.
3.	K. S. Scaria	ITO B-Ward, Trivandrum	ITO A-Ward, Trivandrum	
4.	M. Chandrasekharan	ITI (on promotion as ITO Group-B)	ITO B-Ward, Tiruvalla	vice Shri K.S. Scaria

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
5. A. R. Gopala-krishnan	ITI (on promotion as ITO Group-B)	ITO C-Ward, Kottayam	Believing Shri T. Mathai of his add. charge.	

M. S. UNNINAYAR,  
Commissioner of Income-Tax, Kerala-I,  
Ernakulam.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
DELHI-I

New Delhi, the 17th December 1979  
INCOME-TAX

No. F. JUR-DLI-I/79-80/36607.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 124 of I. T. Act, 1961 (43 of 1961) and in Partial modification of the notifications issued earlier on the subject C.I.T. Delhi-I, New Delhi hereby directs that the I.T.O. 5th Additional Salary Circle shall have concurrent jurisdiction with the I.T.O. 2nd Additional Salary Circle, New Delhi in respect of persons/cases assessed/assessable by them excepting the cases assigned u/s. 127 or which may hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T. Delhi-I also authorised the I.A.C. Range-I-B to pass such orders as contemplated in sub-section (2) of the section 124 of the I. T. Act, 1961.

This notification shall take effect from 17th December 1979.

M. W. A KHAN  
Commissioner of Income-tax,  
Delhi-I, New Delhi.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
DELHI-II

New Delhi, the 17th December 1979

F. No. JUR-DLI/II/78-79/36707.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax mentioned in Col. 1 of the schedule herein below shall perform all the functions of Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax under the said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons of such Incomes or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the ITOs of the Districts/Circles mentioned in Col. 2 of the said schedule:—

SCHEDULE

Range	Income-tax Districts/Circles
1	2
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Range-II-A, New Delhi.	Com. Circles-V, VI, VIII, IX, XI & XVII, New Delhi
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Range-II-G, New Delhi.	Company Circle-I, New Delhi.

(1)	(2)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Range-II-H, New Delhi.	Company Circle-IV, New Delhi.

This notification shall take effect from 15-12-79.

M. R. RAGHVAN  
Commissioner of Income-tax,  
Delhi-II, New Delhi.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
DELHI-III

New Delhi, the 17th December 1979

F. No. JUR-DLI/III/79-80/36907.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax, Delhi-III, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax mentioned in Col. 1 of the schedule herein below shall perform all the functions of Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax under the said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons of such incomes or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the I.T.Os of the District/Circles mentioned in Col. 2 of the said schedule:—

SCHEDULE

Name of the Range & Income-tax Districts/Circles

1. Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Range-IV-E,—(i) Distt. V (11), V (12), V(16), VIII (3), VIII (5), VIII (13), VIII (14), VIII (15), X (3), X (11) Special Cir.-VI and Spl. Cir. X, New Delhi.  
(ii) T.R.O. X, New Delhi.
2. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-IV-G, New Delhi.—(i) Cases of the Districts and Circles of this charge to be assigned to IAC u/s 125 of the I. T. Act.  
(ii) Spl. Cir. VI & Spl. Cir. XVI, New Delhi.

This order shall take effect from 17th December 1979.

F. No. JUR-DLI/III/79-80/37007.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 125-A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject CIT Delhi-III hereby directs that all or any of the powers or functions conferred on or assigned to the Income-tax Officers, Special Circle XVI & Special Circle VI-Addl., New Delhi, in respect of any area or persons or classes of persons or incomes or classes of income, or cases or classes of cases shall be exercised or performed concurrently by the I.A.C., Range-IV-G, New Delhi.

2. For the purpose of facilitating the performance of the functions CIT Delhi-III also authorises the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-IV-G to pass such orders as are contemplated in sub-section (2) of section 125-A of the Income-tax Act, 1961.

This notification shall take effect from 17th December 1979.

Sd/-

S. G. JAIN SINGHANI  
Commissioner of Income-tax,  
Delhi-III, New Delhi.

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1980

Ref. No. NBA/14/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 11 bighas, situated at Village Chaswal, Teh. Nabha, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurdev Singh s/o Shri Sadhu Singh,  
r/o Village Palian Kalan, Teh. Nabha, Distt. Patiala,  
(Transferor)

(2) Shri Bachhiter Singh s/o Sh. Sada Ram,  
Sh. Surjit Singh s/o Shri Naghiya Singh,  
r/o Village Chaswal, Teh. Nabha, Distt. Patiala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 11 bighas situated at Village Chaswal, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 236 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha). ~

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana

Date : 9-1-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1980

Ref. No. CHD/40/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 3286, situated at Sector 35-D, Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Puran Singh s/o Shri Jawala Singh r/o Village Bhikhowal, Distt. Hoshiarpur through his Lawful Attorney Sh. Rattan Lal Goyal s/o Sh. Shivji Ram r/o 1226, Sector 19-B, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Om Parkash Dhall s/o Late Shri Anant Ram-Dhall, H. No. 2546, Sector 22-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 3286, Sector 35-D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 175 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana

Date : 9-1-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 9th January 1980

Ref. No. CHD/41/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential H. No. 112, situated at Sector 15-A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Avtar Singh Bhatia s/o Late Sh. Harbans Singh Bhatia through his General Power of Attorney Shri Sat Pal Singh Bhatia s/o Late Shri Harbans Singh Bhatia, r/o F-45, Ashok Vihar, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Kulwant Singh s/o Sh. Asa Singh Badwal r/o H. No. 1198, Sector 15-B, Chandigarh. (Transferee)
- (3) 1. Dr. Indejit Suneja, Punjab University G. F. H. No. 112, Sector 15-A, Chandigarh  
2. Sh. Som Dutt, 1st Floor, 112, Sector 15. A, Chandigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

H. No. 112, Sector 15-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 176 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

**SUKHDEV CHAND**  
Competent Authority,  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana

Date : 9-1-1980  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1980

Ref. No. CHD/33/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2555, situated at Sector 35-D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Rita H. D. Singh wd/o Late Sq. Leader H. D. Singh r/o C-546, Defence Colony, New Delhi through her General Attorney Smt. Asha Sood w/o Sh. Prince Mohan Sood r/o 1166, Sector 8-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Prince Mohan Sood s/o Sh. Shadi Ram Sood, r/o H. No. 1166, Sector 8-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2555, Sector 25-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 160, May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana

Date : 9-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th January 1979

Ref. No. DBS/24/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 10 bighas situated at Village Kishanpura S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dera Bassi in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Pardip Kumar s/o Shri Des Raj,  
R/o Chhat S. Teh. Dera Bassi,  
Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Gurcharan Singh, Bachan Singh, Baldev Singh, Labh Singh, Dayal Singh  
S/o Shri Jetha Singh,  
R/o Naraingarh Jhangian, S. Teh. Dera Bassi,  
Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 10 bighas situated in Kishanpura, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 257 of May, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9th January 1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) S/Shri Faquiria, Balkoo ss/o Shri Tulsi,  
R/o Chhat S. Teh. Dera Bassi,  
Distt. Patiala.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,CENTRAL REVENUE BUILDING  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Ludhiana, the 9th January 1980

Ref. No. DBS/23/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 10 bighas situated at

Village Kishanpura, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Dera Bassi in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—446G1/79

(2) S/Shri Kuldip Kumar, Rajinder Kumar, Ashok Kumar, Sudhir Kumar  
Ss/o Shri Des Raj s/o Shri Hari Chand Khanduja,  
R/o H. No. 1330, Sector 18-C,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 10 bighas situated at Village Kishanpura, S. Teh. Dera Bassi, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 255 of May, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 9th January 1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXCENTRAL REVENUE BUILDING  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the January 1980

Ref. No. CHD/130/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential plot measuring 525.75 sq. yds. bearing No. 140, situated at Sector 35-A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bant Singh Mangat s/o Shri Naranjan Singh, R/o Village & P.O. Rampur, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Sanjay Grover, Rohit Grover representing the HUF headed by Dr. A. D. Grover Ss/o Shri A. D. Grover through Sh. A. D. Grover, R/o 339, Sector 35-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential plot No. 140, Sector 35-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 768 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 9th January 1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXCENTRAL REVENUE BUILDING  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

Ludhiana, the 9th January 1979

Ref. No. NBA 35 79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 13 bighas 6 biswas, situated at Village Chaswal Teh. Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nabha in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shisha Singh s/o Shri Kartar Singh,  
R/o Village Chaswal, Teh. Nabha,  
Distt. Patiala.

(Transferor)

- (2) S/Shri Darshan Singh, Pritam Singh, Jaswant Singh,  
Beant Singh ss/o Shri Piara Singh,  
Shri Mohinder Singh s/o Shri Kartar Singh,  
R/o Village Chaswal, Teh. Nabha,  
Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 13 bighas 6 biswas situated at Village Chaswal, Teh. Nabha.

(The property as mentioned in the sale deed No. 486 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 9th January 1980

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,CENTRAL REVENUE BUILDING  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th January 1979

Ref. No. NBA/33/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 1 kanal 11 marlas with construction, situated at Hira Mahal, Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jagraj Kaur w/o Shri Kuldip Singh,  
R/o Hira Mahal, Nabha.

(Transferor)

- (2) Smt. Joginder Kaur w/o Shri Gautam Kumar Singh,  
R/o Hira Mahal, Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 1 kanal 11 marlas with construction situated at Hira Mahal, Nabha.

(The property as mentioned in the sale deed No. 453 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 9th January 1980

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th January 1979

Ref. No. PTA/35, 79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1 share in Godown situated at Sanaur Road, Patiala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dinesh Kumar s/o Shri Dev Barat  
S/o Shri Behari Lal, Contractor,  
R/o Sanaur Road, Patiala.

(Transferor)

- (2) Shri Priya Barat s/o Shri Dev Barat,  
R/o Sanaur Road, Patiala.

(Transferee)

- (4) S/Shri Chanda Singh, Mukhtiar Singh  
Ss/o Shri Nahar Singh  
R/o Kule Majra.  
Smt. Parminder Kaur d/o Shri Ishar Singh,  
Smt. Ranjit Kaur d/o Shri Mohar Singh,  
R/o Sanaur Road, Patiala.

(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- 1 share in Godown situated on Sanaur Road, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 556 of May, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 9th January 1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th January 1979

Ref. No. PTA-39, 79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

½ share in Godown situated at Sanaur Road, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dinesh Kumar s/o Shri Dev Barat  
Contractor,  
R/o Sanaur Road, Patiala. (Transferor)
- (2) Shri Priya Barat s/o Shri Dev Barat, s/o Shri Beharilal R/o Sanaur Road, Patiala. (Transferee)
- (4) S/Shri Chanda Singh, Mukhtiar Singh  
Ss/o Shri Nahar Singh  
Village Kule Majra.  
Smt. Parminder Kaur d/o Shri Ishar Singh,  
Smt. Ranjit Kaur d/o Shri Mohar Singh,  
R/o Sanaur Road, Patiala.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- ½ share in Godown situated on Sanaur Road, Patiala.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 618 of May, 1979 of the Registering Authority, Patiala.

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 9th January 1980  
Seal :

FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1979

Ref. No. CHD/31/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential plot No. 3404,  
situated at Sector 35-D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sant Ram Sandal s/o Shri Peru Ram  
R/o Village Channtra, Teh. & Distt. Hamirpur (H.P.) through Shri Rattan Lal Goyal  
S/o Shri Shivji Ram  
R/o H. No. 1226, Sector 18-B, Chandigarh as substitute Special Power of Attorney of Shri Tarlok Singh Sehdev s/o Shri Dalip Singh  
R/o 1226, Sector 18-B, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Smt. Balbir Kaur w/o Shri Shiv Lal  
C/o Shri Bhagat Ram s/o Shri Mehar Chand,  
R/o 3562, Sector 23-D, Chandigarh through her General Power of Attorney Shri Bhagat Ram  
S/o Shri Mehar Chand  
R/o 3562, Sector 23-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential plot No. 3404, Sector 35-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 149 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 9th January 1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1979

Ref. No PTA/91/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 3 kanals 7 marlas situated at Village Jhill Teh. & Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Harnekh Singh, Gurbax Singh, Sarwan Singh, Babu Singh, Dev Singh and Dyal Singh  
Sons of Shri Natha Singh  
Resident of Village Siona Teh. & Distt. Patiala.  
(Transferor)
- (2) Smt. Sneh Lata wife of Shri Krishan Kumar  
Resident of Jhill, Distt. Patiala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanals 7 marlas situated at Village Jhill Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1319 of May, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 9th January 1980  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1979

Ref. No. CHD/30/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

SCO No. 70 and 71, situated at Sector 15-D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

23—446GI/79

- (1) Shri H. S. Bhatia s/o Shri N. S. Bhatia,  
R/o 105, Sector 11-A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Mrs. Ranjit Kaur Gill  
W/o Shri Karminder Singh Gill,  
93, Phase III, B-1, Mohali, Punjab. (Transferee)
- (3) M/s. Fashion Corner,  
M/s. Ganesh Karyana Store,  
Shri Babu Ram,  
Shri Kirpa Ram,  
Shri Kulwant Singh,  
Shri Sham Lal,  
Shri Lachhman Singh,  
All R/o SCO No. 70-71, Sector 15-D,  
Chandigarh. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

SCO No. 70 and 71, Sector 15-D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 142 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 9th January 1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1979

Ref. No. PTA/79/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

House No. 7311/5, Sant Nagar, situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kartar Kaur w/o Shri Jagdish Parshad, Narula Mohalla, Narinder Misar, Patiala.  
(Transferor)
- (2) Smt. Harbhajan Kaur  
W/o Shri Amolak (Amlak) Singh,  
Anardana Chowk, Patiala.  
(Transferee)
- (3) Punjab State Electricity Board,  
Patiala.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 7311/5, Sant Nagar, Patiala.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1181 of May, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 9th January 1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Manmohan Singh s/o Shri Avtar Singh,  
R/o Khalsa Mohalla, Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amarjit Singh  
S/o Shri Sarwan Singh Sohi,  
R/o Bhambri, Teh. Malerkotla.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1979

Ref. No. PTA/46/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 500 sq. yds. No. 15-A,  
situated at Model Town, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 15-A, Model Town, Patiala.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 662 of May, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 9th January 1980  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. PTA/57/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 7 bighas 13 biswas, situated at Village Alipur Ariayan, Teh. Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohan Sarup Singh s/o Shri Anand Sarup Singh,  
R/o Alipur Ariayan, Teh. Patiala.  
(Transferor)
- (2) Shri Kuldip Singh s/o Shri Tek Singh,  
R/o Alipur Ariayan, Teh. Patiala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7 bighas 13 biswas situated in Village Alipur Ariayan, Teh. Patiala.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 812 of May, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-1-1980  
Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. PTA/58/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV  
CHAND,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition  
Range, Ludhiana,being the Competent Authority under Section 269B of the  
**Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing**No. Agricultural land measuring 6 bighas 5 biswas, situated  
at Village Alipur Ariayan, Teh. Patiala,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Patiala in May, 1979**for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefore by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of —**

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Mohan Sarup Singh s/o Shri Anand Sarup  
Singh,  
R/o Alipur Ariayan, Teh. Patiala.

(Transferor)

- (2) Shri Surinder Singh s/o Shri Tek Singh,  
R/o Alipur Ariayan, Teh. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of pub-  
lication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.**

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 6 bighas 5 biswas situated at  
Village Alipur Ariayan, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 829 of  
May, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

**SUKHDEV CHAND**

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-1-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. NBA/32/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 17 bighas 4 biswas situated at Village Mandaaur Teh. Nabha Distt. Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Munshi Ram s/o Shri Bishna Ram,  
r/o Ajnaud Kalan, Teh. Nabha. (Transferor)
- (2) (1) Shri Naranjan Singh,  
(2) Shri Ishar Singh,  
(3) Shri Gurmeh Singh, ss/o Shri Kehar Singh,  
Village Mandaaur, Teh. Nabha, Distt. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 17 bighas 4 biswas situated at Village Mandaaur, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 404 of May 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-1-1980  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. PTA/77/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 4926/5, Model Town, Patiala situated at Patiala, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hira Nand Ahuja s/o Shri Chan Ram Ahuja, R/o 2-Washington Street East John's Newfound Land (Canada).

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Prabha Chandoke alias Prabha Chandoke w/o Game Puran Chandoke, R/o H. No. 4926/5, Model Town, Patiala.

(Transferee)

(3) (1) Mr. & Mrs. Prabha Chandoke, Shri Sunil Kutir, Model Town, Patiala. (Person in occupation of the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 4926/5, Model Town, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1151 of May, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-1-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. CHD/52/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 28, situated at Sector 20-A, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Nitya Nand Sharma s/o Shri Dhani Ram, Divisional Forest Officer, Forest Colony, Rly Road, Karnal.
- (2) Smt. Raj Vasudeva w/o Sh. Nitya Nand Sharma, R/o Forest Colony, Rly Road, Karnal.  
(Transferor)
- (2) (1) Smt. Manju Malik w/o Shri Subash Chander Malik, c/o M/s. Punjab National Bank, Sector 17, Chandigarh.
- (2) Shri Subash Chander Malik s/o Shri Ram Asra Mal Malik, Lecturer, Mathematics, D.A.V. Higher Secondary School, Sector 8, Chandigarh.  
(Transferee)
- (3) Shri K. K. Kakkar, Punjab National Bank, 28, Sector 20 A, Chandigarh.  
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 28, Sector 20-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 246 of May 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. AML/36/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. ½ share of land measuring 5 bighas 8 biswas, situated at Jessran, Mandi Gobindgarh, Teh. Amlloh, Distt. Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amlloh in May, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24—446GI/79

- (1) Smt. Lajwanti wd/o Shri Jethu,  
R/o Jassran, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.  
(Transferor)
- (2) Shri Malkiat Singh s/o Shri Jawala Singh,  
R/o Jassran, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

½ share of land measuring 5 bighas 8 biswas at Village Jassran, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 350 of May 1979 of the Registering Authority, Amlloh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. AML/37/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. ½ share of land measuring 5 bighas 8 biswas, situated at Jassran, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in May, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following

- (1) Shri Om Parkash s/o Shri Shankar Mal,  
R/o Jassran, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.  
(Transferee)
- (2) Shri Malkiat Singh s/o Shri Jawala Singh,  
R/o Jassran, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

½ share of land measuring 5 bighas 8 biswas situated at Jassran, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 351, of May 1979 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1980

Ref. No. NBA/36/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 28 kanals, situated at Village Gurditpura, Teh. Nabha, Distt. Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nabha in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) (1) S/Smt. Mahesh Inder,

(2) Rupinder Pal,

(3) Bhupinder Pal ds/o Shri Jaswant Singh,  
R/o Village Gurditpura, Teh. Nabha, Distt. Patiala (Now New Model Town, Patiala).

(Transferor)

(2) Shri Bhupinder Singh s/o Shri Gurnam Singh,  
R/o Village Gurditpura, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 28 kanals situated at Village Gurditpura, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 494 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1980

Ref. No. NBA/37/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 28 kanals 9 marlas, situated at Village Gurditpura Teh. Nabha, Distt. Patiala, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha, in May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Jaswant Singh s/o Shri Achal Singh,  
(2) Smt. Sukhwant Kaur w/o Shri Jaswant Singh,  
(3) Rajinder Pal d/o Jaswant Singh through General Attorney Shri Jaswant Singh,  
R/o New Model Town, Patiala. (Transferor)
- (2) Shri Davinder Singh s/o Shri Gurnam Singh,  
R/o Village Gurditpura, Teh. Nabha, Distt. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 28 kanals 9 marlas situated at Village Gurditpura, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 495 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-1-1980

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

## CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1980

Ref. No. NBA/67/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 12 bighas 9 biswas, situated at Village Chaswal, Teh. Nabha, Distt. Patiala, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hazura Singh s/o Shri Sunder Singh,  
R/o Village Chaswal, Teh. Nabha, Distt. Patiala.  
(Transferor)
- (2) Shri Amarjit Singh s/o Shri Sadhu Singh,  
R/o Village Chaswal, Teh. Nabha, Distt. Patiala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 12 bighas 9 marlas situated at Village Chaswal, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 774 of June, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-1-1980  
Seal :

## FORM TINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1980

Ref. No. NBA/30/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 12 bighas 10 biswas, situated at Village Chaswal Teh. Nabha, Distt. Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hazura Singh s/o Shri Sunder Singh,  
R/o Village Chaswal, Teh. Nabha, Distt. Patiala.  
(Transferor)
- (2) Shri Amarjit Singh s/o Shri Sadhu Singh,  
R/o Village Chaswal, Teh. Nabha, Distt. Patiala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 12 bighas 10 biswas situated at Village Chaswal, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 376 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 4-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**  
**COMMISSIONER OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,**  
**CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. SRD/18/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 9 bighas 7½ biswas, situated at Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sirhind in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, as amended by the Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kamal Datt s/o Shri Dharam Paul,  
R/o Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.  
(Transferor)
- (2) Smt. Malkia Kaur w/o Shri Bachan Singh s/o Shri Chanan Singh,  
R/o Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 9 bighas 7½ biswas situated at Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(The Property as mentioned in the sale deed No. 368 of May, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

**SUKHDEV CHAND**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-1-1980  
 Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. SRD/51/79-80.—Whereas, I,

**SUKHDEV CHAND**

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 10 bighas, situated at Village Ajnali Teh. Sirhind, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sirhind in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ujagar Singh  
s/o Shri Narain Singh  
s/o Shri Bishan Singh,  
r/o Village Kotla Dadheri,  
Teh. Samrala, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

- (2) S/Shri Jaswant Singh, Karamjit Singh & Jagtar Singh  
ss/o Shri Kaka Singh  
r/o Village Talwara,  
Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 10 bighas at Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 692 of May, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

**SUKHDEV CHAND,**  
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 10-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. SRD/17/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 9 bighas 7½ biswas, situated at Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely  
25—446GI/79

(1) Shri Dharam Pal  
s/o Shri Ganda Mal,  
r/o Village Ajnali,  
Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Bachan Singh  
s/o Shri Chanan Singh,  
r/o Village Ajnali,  
Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 9 bighas 7½ biswas situated at Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 367 of May, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 10-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. LDH/R/23/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition  
Range, Ludhiana  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. Land measuring 37 kanals 15 marlas, situated at Village  
Seelo Kalan, Teh. Ludhiana  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering officer at  
Ludhiana on May 1979  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Kishan Singh  
s/o Shri Hazara Singh,  
r/o Seelo Kalan, Teh. Ludhiana. (Transferor)
- (2) S/Shri Rakha Singh, Jarnail Singh, Sinder Singh,  
Jang Singh s/o Shri Kapur Singh,  
r/o Seelo Kalan, Teh. Ludhiana. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 37 kanals 15 marlas situated at Seelo  
Kalan, Teh. Ludhiana,

(The property as mentioned in the sale deed No. 728 of  
the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 10-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. LDH/78/79-80.—Whereas, I,

SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 50-K, measuring 500 sq. yds. situated at Sarabha Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Inderjit Kaur  
d/o Shri Bachan Singh  
s/o Shri Rurh Singh  
r/o Sandhu House, Jagraon Road,  
Ludhiana:

(Transferor)

- (2) Shri Narinderjit Singh  
s/o Shri Narain Singh  
s/o Shri Bachan Singh,  
r/o B-V-260, Sikandri Road,  
Ludhiana.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 50-K, measuring 500 sq. yds. situated at Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 754 of May, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 10-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. NBA/41/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 13 bighas 1 biswas, situated at Village Mandaur, Teh. Nabha, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhag Singh  
s/o Shri Amar Nath,  
s/o Shri Bisheshwar Nath,  
r/o Village Dhamomajra, Teh. Patiala. (Transferor)
- (2) Shri Jagdish Singh Mann  
s/o Shri Jagbir Singh Mann  
r/o Rakhra Farm, Rakhra, Teh. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 13 bighas 1 biswas situated in Village Mandaur, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 514 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 10-1-1980

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. DBS/15/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 3 kanals 8 marlas, situated at Village Lohgarh, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dera Bassi in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sh. Karam Singh s/o Sh. Bachana,  
r/o Lohgarh, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala.  
(Transferor)

- (2) Sh. Jagdev Singh Sidhu s/o Sh. Sucha Singh  
r/o H. No. 1564, Sector 33-D, Chandigarh.  
Sh. Shivraj Singh Brar s/o Sh. Jaywant Singh Brar,  
r/o H. No. 1572, Sector 33-D, Chandigarh.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanals 8 marlas situated at Village Lohgarh, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 177 of May, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 10-1-1980.

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. CHD/51/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Residential House No. 323, Sector 20-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Jagdish Rai Dawar s/o Late Sh. Kanshi Ram Dawar 108, Dora Road, London SW-19, through General Attorney Smt. Shanti Devi Dawar wd/o Dr. Ram Lal Dawar resident of House No. 1157 Sector 18-C, Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) Smt. Sakinder Kaur w/o Sh. Sadhu Singh of Vill. Kotli Post Office Tanda Badha Distt. Patiala.  
(Transferee)
- \* (3) (i) Mr. C. B. Prashar, Advocate  
(ii) Sh. Manmohan Raina  
(iii) Sh. John Joseph  
(iv) Sh. Ashwini Kumar, all residents of House No. 323, Sector 20-A, Chandigarh.  
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential House No. 323 situated at Sector 20-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 241 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 10 January 1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. PTA/121/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 30½ Bighas at V. Tarain Teh. Patiala situated at Vill. Tarain Teh. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Baldev Singh s/o Sh. Kishan Singh  
r/o V. Tarain, Teh. Patiala.

(Transferor)

- (2) S/Sh. Dharam Singh, Labh Singh sons of Sh. Mehar Singh S/Sh. Karam Singh, Gulab Singh, Punjab Singh sons of Shri Ajmer Singh resident of Bathoi Khurd Teh. Patiala.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 30½ Bighas situated at Vill. Tarain Teh & Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1628 of June, 1979 of the Registering Authority, Patiala)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 10 January 1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. NBA/40/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 26 bighas 1 biswas, situated at Village Mandaur, Teh. Nabha, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Harbans Singh, Ram Murti s/o Sh. Amar Nath s/o Sh. Bisheshar Nath Village Shamo Majra, Teh. Patiala.

(Transferor)

- (2) S. Amrik Singh Gill s/o Sh. Himmat Singh Gill s/o Lal Singh r/o Rakhra Farm, Rakhra, Teh. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 26 bighas 1 biswa situated in Village Mandaur, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(The Property as mentioned in the sale deed No. 513 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 10 January 1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. NBA/54/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 25 kanals 13 marlas, situated at Village Kakrala, Teh. Nabha, Distt. Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Nabha in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

26—446GI/79

- (1) Sh. Jora Singh s/o Sh. Sunder Singh,  
r/o Village Kakrala, Teh. Nabha, Distt. Patiala.  
(Transferor)

- (2) S/Shri Amar Singh, Jaggar Singh, Gurtej Singh ss/o  
Sh. Narang Singh, r/o Village Kakrala, Teh. Nabha,  
Distt. Patiala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 25 kanals 13 marlas situated at Village Kakrala, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 619 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 10 January 1980.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. CHD/44/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Residential Plot No. 1022, Sector 36-B situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Major Manmohan Bhatia son of Shri Diyal Chand Bhatia c/o House No. 116 Sector 9-B, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Sh. Arjun Singh son of Sh. Bhagat Singh resident of House No. 1567 Sector 34-C, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential plot No. 1022 Sector 36-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 192 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10 January 1980.

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. CHD/48/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Residential Plot No. 481, Sector 32-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Hans Raj s/o Sh. Hako Ram,  
14, Karsan Colony, Ram darbar,  
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) S/Sh. Jagdish Chand son of Late Sh. Jawala Parshad,  
Ashok Kumar & Ashwani Kumar sons of Sh. Jagdish  
Chand resident of H. No. 468, Sector 20-A,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 481 Sector 32-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 203 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 10 January 1980.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. CHD/46/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Residential plot No. 2561 measuring 475.32 sq. yds. Sector 35-C situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Lt. Col. Manmohan Singh (Retd) s/o S. Narain Singh, Bar-at-Law through General Attorney Bng. J. S. Dhillon, House No. 659 Sector 16-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Surjit Pawittar Singh w/o Late Co. Pawittar Singh, resident of House No. 677, Sector 11-B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2561 Sector 35-C, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 198 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 10 January 1980.

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. AML/28/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri land measuring 10 Bighas situated at Vill. Nasrali Mandi Gobindgarh Teh. Amloh Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Teja Singh son of Shri Kishna resident of Nasrali Sub-Tehsil Amloh Distt. Patiala.  
(Transferor)

(2) Shri Dayal Khan son of Shri Biru resident of Nasrali Tehsil Amloh Distt. Patiala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 10 bighas situated at Vill. Nasrali sub-Teh. Amloh Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 279 of May, 1979 of the Registering Authority, Amloh)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10 January 1980.

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. AML/33/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land measuring 14 biswas situated at Kukkar Majra, Mandi Gobindgarh Teh. Amloh Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Malkiat Singh & Surjit Singh ss/o Sh. Hira Singh resident of Kukkar Majra Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.

(Transferors)

(2) Sh. Chuhan Ram son of Shri Hamira Mal resident of Mandi Gobindgarh Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 14 biswas situated at Kukarmajra Mandi Gobindgarh Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 324 of May, 1979 of the Registering Authority, Amloh)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 10 January 1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. CHD/62/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 446 Sector 35-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Cap. Ravinder Singh Birk s/o Lt. Col. R. S. Birk through spl. attorney Smt. Pritam Kaur w/o S. Ajit Singh Gill r/o H. No. 446, Sector 35-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S. Ajit Singh Gill son of s. Bakshish Singh Gill resident of H. No. 446, Sector 35-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 446, situated in Sector 35-A, Chandigarh  
(The property as mentioned in the sale deed No. 341 of June, 1979 of the Registering Authority Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 10 January 1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. NBA/49/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 17 bighas 4 biswas, situated at Village Mandaur Teh. Nabha, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nabha in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Munshi Ram s/o Shri Bishua Ram s/o Sh. Bhangu r/o Ajnoda Kalan, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) S. Shri Ishar Singh, Gurmel Singh, Naranjan Singh s/o Sh. Kchar Singh, Village Mandaur Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 17 bighas 4 biswas situated at Village Mandaur, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 610 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 10 January 1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. CHD/55/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 3107 sector 35-D, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—446GI/79

(1) Cap. Gian Singh s/o Sh. Puran Singh r/o Mandhar Teh. Jagadhri Distt. Ambala through Spl. Attorney Sh. Darshan Singh s/o Sh. Dalip Singh Grewal resident of House No. 186/187. Govt. College Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Mrs. Inderjit Kaur w/o Sh. Jiwan Singh, House No. 3107, Sector 35-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 3107 situated at Sector 35-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 288 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 10-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. PTA/179/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 1001 Sq. yds. near Gurdwara Dukhniwaran Shaib Road, Patiala, situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Narinder Singh Phoolka s/o Sh. Naranjan Singh thorough Sh. Harpal Singh Dhillon, Advocate, General Attorney Near Railway Station, Patiala.  
(Transferor)

(2) Shri Sadhu Singh s/o Sh. Chatter Singh, Sh. Karamjit Singh, Mohan Singh Amarjit Singh, Naran Dass s/o Sh. Sadhu Singh, R/o Bahera Road, Patiala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 1001 Sq. yds. situated near Gurdwara Dukhniwaran Sahib, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2318 of June, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 10-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. LDH/110/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Street No. 9, Partap Nagar, Ludhiana situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Ludhiana in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Rachhpal Singh s/o Shri Raghbir Singh & Mrs. Ranjit Kaur w/o Sh. Rachhpal Singh, through Shri Gurdial Singh Kalsi c/o Kalsi Timber Store, 160-R Industrial Area 'B', Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Lal Punj Industry through S/Shri Lal Chand, Rajinder Kumar, Vasdev sons of Shri Mohan Lal Resident of 1133, Vishnupuri, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot situated at Street No. 9, Partap Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1022 of May, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range,

Ludhiana.

Date : 10-1-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. JGN/10/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, measuring 4 kanal 14 marlas situated at Village Agwar Gujran Tehsil Jagraon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Joginder Singh s/o Sh. Karam Singh s/o Sh. Partap Singh resident of Village Agwar Pona Tehsil Jagraon. (Transferor)

(2) Smt. Surjit Kaur w/o Shri Gurdev Singh s/o Sh. Uttam Singh r/o Village Aligarh Tehsil Jagraon (Sahid Rachhpal Singh Nagar).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 4 kanal 14 marlas situate at Agwar Gujran Tehsil Jagraon.

(The property as mentioned in the sale deed No. 400 of May, 1979 of the Registering Authority, Jagraon).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-1-1980

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. AML/22/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land measuring 16 biswas 15 biswas situated at Kukkar Majra Mandi Gobindgarh Tehsil Amloh Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1902), in the office of the Registering Officer at Amloh in May, 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shadi Ram son of Shri Achhru Ram through Spl. Attorney,  
Smt. Shanti Devi resident of Mandi Gobindgarh Distt. Patiala.

(Transferor)

- (2) Shri Narinder Pal Singh & Sh. Tejvir Singh sons of Shri Darshan Singh resident of Mandi Gobindgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 16 biswas 15 biswas is situated at Kukarmajra Mandi Gobindgarh Tehsil Amloh Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 208 of May, 1979 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. BRN/9/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 63 kanals 3 marlas situated at Patti Mohar Singh Bhadaur Teh. Barnala Distt. Sangrur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barnala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chanan Singh s/o Sh. Ram Singh resident of Patti Mohar Singh Bhadaur Tehsil Barnala Distt. Sangrur.

(Transferor)

- (2) Smt. Gurcharan Kaur alias Nasib Kaur d/o Sh. Bagh Singh resident of Patti Mohar Singh Bhadaur Teh. Barnala Distt. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 63 kanals 8 marlas situated at Patti Mohar Singh Bhadaur Tehsil Barnala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2043 of May, 1979 of the Registering Authority, Barnala).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. DLH/88/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. B-VI-333, Kucha No. 4, Madhopuri situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chuni Lal son of Shri Barkat Ram resident of B-VI-333, Madhopuri, Kucha No. 4, Ludhiana.  
(Transferor)
- (2) Shri Rajinder Pal son of Shri Hans Raj Jain resident of Kucha No. 4, B-VI-333, Madhopuri, Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. B-VI-33, Madhopuri, Kucha No. 4, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 823 of May, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. JGN/13/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land measuring 19 kanal 12 marlas situated at Village Chakar Tehsil Jagraon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Karam Kaur wd/o Shri Natha Singh s/o Sh. Tehal Singh resident of Village Chakar Tehsil Jagraon Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Darshan Singh, Sher Singh sons of Shri Baboo Singh s/o Shri Pala Singh resident of Village Chakar Tehsil Jagraon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 19 kanal 12 marlas situated at Village Chakar Tehsil Jagraon Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 693 of May, 1979 of the Registering Authority, Jagraon).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/45/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential plot No. 3567 in Sector 35-D situated at Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hakumat Rai s/o Shri Hakim Rai/ro II. No. 15, Ward No. 4, R. S. Pura Distt. Jammu through his General Power of Attorney Sh. Talok Singh s/o Shri Bir Singh of Village Laknaur Tehsil Kharar Distt. Ropar through his Special Power of attorney Mrs. Santosh Saidha w/o Shri F. C. Saidha of V & P. O. Jatana via Doraha Distt. Ludhiana.  
(Transferor)
- (2) Shri Faquir Chand son of Shri Harnamdass resident of House No. 3567, Sector 35-D, Chandigarh  
(Transferee)
- (3) 1. Shri Krishan Kumar Garg and  
2. Shri Manjeet Singh Kapoor resident of 3567, Sector 35-D, Chandigarh.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 3567 situated in Sector 35-D, Chandigarh measuring 169 sq yds.

(The property as mentioned in the sale deed No. 197 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh) .

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana,

Date : 15-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. SML/7/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land measuring 300 sq. yds situated at Fingask Estate, Station Ward, Bara Simla, Simla-3.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in May, 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Venu Bakshi w/o Shri Vikas Bakshi (Miss Anjali Kaintal-before marriage resident of 13, Tolstoy Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Jaspal Kaur wife of Shri Dharampal Singh s/o S. Karam Singh resident of 146/9, Lower Bazar, Simla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 300 sq. yds situated in Fingask Estate, Station Ward, Bara Simla, Simla-3.

(The property as mentioned in the sale deed No. 265 of May, 1979 of the Registering Authority, Simla).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-1-1980  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. BRN/6/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land measuring 23 bighas 10 biswas situated at Village Thulewal Tehsil Barnala Distt. Sangrur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), **has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)** in the office of the Registering Officer

at Barnala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Karam Kaur wd/o Shri Sohan Singh & Deepo Daughter of Shri Sohan Singh resident of Village Thulewal Tehsil Barnala.

(Transferor)

- (2) S/Shri Gurnam Singh, Sarban Singh, Mukand Singh, Chand Singh & Jang Singh sons of Sh. Dalip Singh resident of Thulewal Tehsil Barnala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 23 bighas 10 biswas situated at Village Thulewal Tehsil Barnala Distt. Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1995 of May, 1979 of the Registering Authority, Barnala).

SUKHDEV CHAND

Competitive Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Ludhiana.

Date : 15-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. LDH/182/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd share in Shop No. B-VII-74/1, B-VII-96 & B-VII-74 situated at Chaura Bazar, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kuldip Singh s/o Shri Wadha Singh s/o Shri Chand Ram resident of 7-C shop cum flat Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Rana Silk Store, Chaura Bazar, Ludhiana through Smt. Kaushlya Devi & Sh. Raj Kumar son of Shri Ajodhia Parshad, Partners.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd Share in Shop No. B-VII-96, B-VII-74 & B-VII-74/1, situated at Chaura Bazar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1638 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-1-1980

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Jagtar Singh s/o Shri Wadha Singh s/o Shri Chandi Ram resident of 7-C Shop cum Flat Sarabhanagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s. Rana Silk Store, Chaura Bazar, Ludhiana through Smt. Kaushalya Devi & Shri Raj Kumar son of Shri Ajodhia Parshad, Partners.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. LDH/121/79-80 —Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd share in building No. B-VII-96, B-VII-74 & B-VII-74/I situated at Chaura Bazar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share in building No. B- VII-96, B-VII-74, & B-VII-74/I situated at Chaura Bazar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1158 of May, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-1-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. LDH/183/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd share in building No. B-VII-96, B-VII-74 & B-VII-74/I situated at Chaura Bazar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Harcharan Singh s/o Shri Wadha Singh s/o Shri Chandi Ram resident of 7-C shop cum flat Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Rana Silk Store, Chaura Bazar, Ludhiana through Smt. Kaushalya Devi & Shri Raj Kumar s/o Shri Ajodhia Parsad, Partners.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share in building No. B-VII-96, B-VII-74, & B-VII-74/I situated at Chaura Bazar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1644 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-1-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref No. PTA/86/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agriculture land measuring 27 kanal 15 marlas situated at Village Sanaur Teh. & Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Naranjan Kaur w/o Shri Kartar Singh resident of Sanaur Teh. & Distt. Patiala.  
(Transferor)

(2) Shri Bhupinder Singh s/o Shri Mahabir Singh resident of Sanaur Teh. & Distt. Patiala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act are defined in Chapter XXA of the said Act, that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 27 kanal 15 marlas situated at Sanaur Tehsil & Distt. Patiala.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1264 of May, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. PTA/85/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 27 kanals 16 marlas situated at Village Sanaur Tehsil &amp; Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kartar Singh son of Shri Gurdit Singh resident of Sanaur Tehsil &amp; Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Bhupinder Singh son of Shri Mahabir Singh resident of Sanaur Tehsil &amp; Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 27 kanal 16 marlas situated at Sanaur Teh. &amp; Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1236 of May, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Bachno d/o Sh. Natha Singh s/o Sh. Tehal Singh Village Chakar Tehsil Jagraon Distt. Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

(2) S/Shri Sarwan Singh & Bhajan Singh sons of Sh. Babu Singh son of Sh. Pala Singh r/o Village Chakar Tehsil Jagraon Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. JGN/14/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 19 kanal 12 marlas situated at Village Chakar Tehsil Jagraon Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

29-446GI/79

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 19 kanal 12 marlas situated at Village Chakar Tehsil Jagraon Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 694 of May, 1979 of the Registering Authority, Jagraon).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/59/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share in SCO No. 55, Sector 30-C situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Amrit Pal Singh s/o Shri Tarlochan Singh resident of House No. 338, Sector 35-A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Mrs. Tripta Bhatia w/o Dr. Harbhajan Lal Bhatia House No. 175 Sector 21-A, Chandigarh. (Transferee)
- (3) 1. M/s Vijay & Co., SCO No. 55, Sector 30-C, Chandigarh.  
2. M/s Hari Ram Vinod Kumar, SCO 55, Sec. 30-C, Chandigarh. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share in shop cum office No. 55 situated in Sector 30-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 318 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Major Yogesh Prashad s/o Shri N. P. Mathur D-2/235, Vinay Marg, Chanakya Puri, New Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (2) Shri Basant Singh Thakur s/o Late Shri Thakur Rattan Singh Kenial Lodge Opposite Luck-land School, Simla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. CHD/49/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 249 Sector 35-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 249 situated in Sector 35-A, Chandigarh.  
- (The property as mentioned in the sale deed No. 208 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-1 1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. SRD/29/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land measuring 1 bigha situated at Bara, Sirhind Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Babu Singh son of Shri Chanan Singh r/o Village Bara Tehsil Sirhind Distt. Patiala.  
(Transferor)

(2) Shri Jagdish Chand, Gian Chand & Santokh Dass sons of Shri Chhaju Ram c/o Vishv Karma Engg. Works, Rly. Road, Sirhind.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1 bigha situated at Bara, Sirhind Distt. Patiala,

(The property as mentioned in the sale deed No. 519 of May, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-1-1980

Seal :



## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. DBS/16/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 13 kanal 14 marla at Lohgarh, situated at Village Lohgarh Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dera Bassi in May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Parmeshwari wd/o Sh. Bachana son of Shri Bishna (Self resident of Lohgarh Tehsil Dera Bassi and General Attorney of Smt. Prem daughter of Shri Bachana w/o Shri Gurmit Singh r/o Dalbala Kheri Kurukshetra, Haryana & Smt. Gian Kaur d/o Sh. Bachana W/o Shri Seetal s/o Shri Siba & Karam Kaur d/o Shri Bachana w/o Shri Jangi s/o Sibba resident of Khuda Ali Sher Teh. Kharar.  
(Transferor)

- (2) Shri Jagdev Singh Sidhu son of Shri Sucha Singh Sidhu resident of House No. 1564, Sector 33-D, Chandigarh & Shri Shiv Raj Singh Brar son of Shri Jaswant Singh Brar resident of House No. 1572, Sector 33-D, Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 13 kanals 14 marlas situated in Lohgarh Tehsil Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 178 of May, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-1-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) A. Mchrunnisa W/o R. Arif  
4, Rajasekara Mudali St.,  
Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) R. Venkatesan  
S/o Rathinam,  
88, Park Road, Srinagar Colony,  
Kumbakonam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 18th January 1980

Ref. No. 8606.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

88, Park Road, Srinagar, situated at Colony, Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc. 1001/79) on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at 88, Park Road, Srinagar Colony, Kumbakonam.

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. NBA/13/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 3 kanal 12 marlas situated at Bauran Gate, Circular Road, Nabha (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nabha in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bachna s/o Shri Shiami s/o Shri Mela Ram & Shri Ganga Ram s/o Shri Malla s/o Shri Bela Ram Harijan Bagh, Nabha.

(Transferor)

(2) S/Shri Sant Ram, Luchman Dass sons of Sh. Babu Ram partners M/s Babu Ram Sant Ram, Anaj Mandi, Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanals 12 marlas situated on Bauran Gate Circular Road, Nabha.

(The property as mentioned in the sale deed No. 227 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range,

Ludhiana.

Date : 15-1-1980

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Rattan Singh Dhankhar (Major) s/o Shri Gabdu Ram Village & P.O. Kasni Distt. Rohtak. through General Attorney Shri Mela Singh s/o Shri Chuhar Singh, 16-Haryana Bn. N.C.C. Narnaul (Transferor)
- ((2) Shri Balbir Singh s/o Shri Bhagat Singh of Village, Tandwadi Teh. & Distt. Ambala. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/42/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 115, Sector 34-C situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1115 situated in Sector 34-C, Chandigarh.

(The Property as mentioned in the sale deed No. 185 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CIID/26/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 2062, Sector 21-C situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

30—446GI/79

(1) Smt. Shushilla Kumari wd/o Late Shri Brij Bihari Lal d/o Shri Raghu Nandan Lal Retired S.D.O. Shahbad, Markanda Distt. Kurukshetra.

(Transferor)

(2) Shri Avtar Singh Deepak s/o Shri Tara Singh, Joint Director, Agricultural (Punjab) and Secretary, Punjab State Agricultural Board Chandigarh.

(Transferee)

(3) 1. Miss Usha Mehta

2. Shri S. K. Jain

3. Shri Ravinder Singh

4. Shri A. L. Mitra.

all r/o House No. 2062 Sector 21-C, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 2062 situated in Sector 21-C, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 121 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana,Date : 15-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. LDH/87/79-80.—Whereas J. SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. B-VI-333, Kucha No. 4, Madhopuri situated at Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagan Nath s/o Shri Barkat Ram s/o Shri Dule Shah resident of B-VI-333, Kucha No. 4, New Madhopuri, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Shri Rajinder Pal Jain s/o Shri Hans Raj Jain s/o Shri Faquir Chand Jain, Kucha No. 2, Madhopuri Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. B-VI-333, Kucha No. 3, New Madhopuri, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 822 of May, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana

Date : 15-1-1980

Seal :

FORM TINS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/36/79-80. Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 64 Sector 20-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohinder Singh s/o Shri Suchha Singh resident of House No. 1653 Sector 34-D, Chandigarh.  
(Transferor)(2) Shri Vimal Jit Singh s/o Shri Mohinder Singh r/o House No. 64 Sector 20-A, Chandigarh.  
(Transferee)(3) 1. Shri Davinder Kumar of Union Bank of India  
2. Shri Bakshish Singh r/o H. No. 64 Sec. 20-A, Chandigarh.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 64 situated in Sector 20-A, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 167 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.Date : 15-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. JGN/9/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 4 kanal 14 marlas situated at Village Agwar Gujran Tehsil Jagraon Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagraon in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dalip Singh s/o Shri Karam Singh s/o Shri Partap Singh resident of Village Agwar Pona Tehsil Jagraon Distt. Ludhiana

(Transferor)

(2) Shri Harjinder Singh s/o Shri Gurdev Singh s/o Shri Uttam Singh resident of Aligarh Tehsil Jagraon Saheed Rachhpal Singh Nagar.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanal 14 marlas situated at Agwar Gujran Tehsil Jagraon.

(The property as mentioned in the sale deed No. 486 of May, 1979 of the Registering Authority, Jagraon).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-1-1980  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Smt. Kartaro d/o Shri Natha Singh s/o Shri Tehal Singh resident of Village Chakar Tehsil Jagraon Distt. Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Shri Arjan Singh, Sher Singh & Bhajan Singh sons of Shri Babu Singh s/o Shri Pala Singh Village Chakar Tehsil Jagraon Distt. Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. JGN/15/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 19 kanal 12 marlas situated at Village Chakar Tehsil Jagraon Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 19 kanal 12 marlas situated at Village Chakar Tehsil Jagraon Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 695 of May, 1979 of the Registering Authority, Jagraon).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,  
Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 15-1-1980

Seal :

## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/27/79-80.--Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 1640 Sector 7-C, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kulbhashan Ram Pal s/o Late Shri Daulat Ram Rampal resident of 1640/7-C, Chandigarh through General Attorney Shri Inder Mohan Joshi s/o Shri Chander Shekhar Joshi 21, Teachers Flat, Sector 14 Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Pushpa Rani w/o Sh. Hans Raj & Shri Harbans Lal s/o Shri Gopi Chand residents of SCF 44, Sector 19-D, Chandigarh. (Transferee)
- (3) 1. Shri Ram Dass Yadav, D.S.P. Naraingarh  
2. Sh. Vijay Kumar  
3. Shri Tilak Raj  
4. Shri Mahesh Kumar Khurana  
all residents of 1640 sector 7-C, Chandigarh  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 1640 situated in sector 7-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 133 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Gian Klair d/o Sh. Nachhatar Singh,  
resident of Sahauli  
through General Attorney Sh. Harwant Singh,  
s/o Sh. Gopal Singh,  
r/o Sahauli (Ludhiana).

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jagdip Singh s/o Shri Zora Singh,  
r/o Halwara, Teh. Rajkot,  
Distt. Ludhiana.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. RKT/2/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Land measuring 44 kanals situated at Halwara II, Teh. Rajkot, Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 44 kanals, situated at Halwara II.

(The property as mentioned in the sale deed No. 269 of May, 1979 of the Registering Authority, Rajkot).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/37/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 share in plot No. 101 Sector 36-A situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Col. K. f. S. Chhatwal  
s/o S. Datar Singh,  
B-7, Defence Colony, New Delhi  
through General Attorney Mrs. Sukhbans Kaur  
w/o Sh. Sukhpal Singh  
r/o Village Kathgarh,  
Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

- (2) Sh. Kanwaldeep Singh (Minor) s/o  
Sh. Kuldip Singh,  
through his grand father & guardian  
S. Pritam Singh, s/o Sh. Arjan Singh,  
r/o Vill. & P.O. Phaphre Bhaikhe,  
Distt. Bhatinda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Plot No. 101 situated in Sector 36-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 168 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. AML/24/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 2 bighas 11½ biswas situated at Mandi Gobindgarh, Teh. Amloh, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amloh in May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

31—446G1/79

(1) S/Sh. Bikarmjit Singh,  
Karamjit Singh,  
Amrik Singh,  
Baldev Singh and  
Shri Jagdev Singh,  
ss/o Sh. Mehar Singh s/o Sh. Pakhar Singh,  
r/o Mandi Gobindgarh, Teh. Amloh,  
Distt. Patiala,  
through Shri Mehar Singh, General Attorney,  
(Transferors)

(2) M/s Kohinoor Industries,  
Mandi Gobindgarh, Tehsil Amloh,  
through Smt. Shrinla Rani w/o  
Sh. Harbans Lal Khullar &  
Sh. Sulekh Ram s/o Sh. Natha Singh,  
r/o Mandi Gobindgarh, Tehsil Amloh,  
Distt. Patiala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 2 bighas 11½ biswas, situated at Mandi Gobindgarh, Tehsil Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 243 of May, 1979 of the Registration Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. AML/25/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Land measuring 3 bighas 5 biswas situated at Mandi Gobindgarh, Teh. Amloh, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Tej Kaur, w/o  
Shri Banta Singh,  
r/o Mandigarh,  
Distt. Patiala.

(Transferor)

- (2) M/s Kohinoor Industries,  
Mandi Gobindgarh,  
through Smt. Shimla Rani w/o  
Sh. Harbans Lal Khullar &  
Sh. Sulekh Ram s/o Sh. Natha Singh,  
r/o Mandi Gobindgarh, Tehsil Amloh,  
Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3 bighas 5 biswas, situated at Mandi Gobindgarh, Tehsil Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 245 of May, 1979 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. SML/12/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land measuring 340 sq. yds.  
situated at Fingask House, Simla

(and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shashi Kumari, wd/o  
Sh. Kanwal Kumar Singh,  
r/o Kuintal House No. 9/3578-79 Netaji Subash  
Marg, Darya Ganj,, Delhi 2, Self and  
Indra Kaintal (Minor), d/o  
Sh. Kanwal Kumar Singh Kaintal,  
through Natural Guardian Smt. Shashi Kumari,  
wd/o Sh. Kanwal Kumar Singh,  
Fingask Estate, Simla.

(Transferors)

- (2) Shri Sat Pal Tandon, s/o  
Late Sh. Chaman Lal Tandon, c/o  
M/s Cheap Cloth House,  
95/2, Lower Bazar, Simla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 340 sq. yds, situated at Fingask Estate, Simla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 311 of May, 1979 of the Registering Authority, Simla).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/39/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 share in plot No. 101 Sector 36-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. K. J. S. Chhatwal, s/o S. Datar Singh, B-7, Defence Colony, New Delhi through General Attorney Mrs. Sukhbans Kaur, w/o Sh. Sukhpal Singh, r/o Vill. & P.O. Kathgarh, District Hoshiarpur.

(Transferor)

- (2) Sh. Kanwaldeep Singh (Minor), s/o Sh. Kuldip Singh through his grand father & guardian S. Pitam Singh s/o Sh. Arjan Singh, r/o Vill. & P.O. Phaphre Bhaik Distt Bhatinda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share in Plot No. 101, situated in Sector 36-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 173 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980

Seal :



## FORM ITNS

(1) Smt. Vijay Lakshmi Dev w/o  
Shri Anang Udhey Singh Dev,  
Kothi Maharani Dalip Kaur,  
Lower Mall, Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Tejwant Kaur daughter of Sh. Bhagat Singh,  
r/o Bhagat Bhawan, Bedi Street,  
Nabha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. PTA/40/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisi-  
tion Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having  
a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing  
Plot of land measuring 250 sq. yds.

situated at Lal Bagh Colony, Lower Mall, Patiala

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred

Under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the consideration therefor by more than fifteen  
per cent of such apparent consideration and that the consi-  
deration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 250 sq. yds, situated in Lal Bagh Power  
Mall, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed  
No. 624 of May, 1979 of Registering Authority Patiala).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. PTA/41/7980.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 380 sq. yds (7½ biswas) situated at New Lal Bagh Colony, Lower Mall, Patiala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Vijay Lakshmi Dev, w/o  
Shri Anang Udhey Singh Dev,  
Kothi Maharani Dalip Kaur,  
Lower Mall, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Sham Lal Gupta, s/o  
Late Sumder Chand,  
r/o Canal Colony, Mansa,  
Distt. Bhatinda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 380 sq. yds (7½ Biswas) situated in New Lal Bagh, Lower Mall, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 625 of May, 1979 of the Registering Authority Patiala).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/50/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 share in Plot No. 1564, Sector 36-D  
situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Col. N. N. Sayal s/o Shri Nagina Mal Sayal, of New Delhi through his General Power of Attorney Sh. Kuldip Singh Chahal s/o Sh. Surat Singh, r/o Vill. Narinderpura, Distt. Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Smt. Gurjit Kaur w/o Sh. Kuldip Singh Chahal r/o Vill. & P.O. Narinderpura, Distt. Bhatinda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share of Plot No. 1564 situated in Sector 36-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 209 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. LDH/R/55/79-80.—Whereas I. SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Agricultural land measuring 9 bighas 4 biswas 3 biswasi (Pacca) situated at Village Isewal, Teh. & Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kartar Kaur d/o Shri Ishar Singh s/o Shri Ganga Ram, r/o Village Isewal, Tehsil Ludhiana.  
(Transferor)

(2) Shri Sukhwant Singh s/o Sh. Kartar Singh s/o Sh. Mit Singh, r/o Village Isewal, Tehsil Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 9 bighas 4 biswas 3 biswasi Pacca situated at Village Isewal, Teh. & Distt. Ludhiana.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1227 of May, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 10-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. LDH/76/79-80.—Whereas, I SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 156L, Model Town, Ludhiana situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

32—446Gf/79

- (1) Maj. Damanjit Singh, s/o Dr. Sajjan Singh s/o Sh. Harbans Singh, r/o A-2, 113, Safdar Jang enclave, New Delhi through Power of attorney Sh. Charanjit Singh, s/o Dr. Sajjan Singh s/o Shri Harbans Singh, r/o 7 Model House, Ludhiana.  
(Transferor)

- (2) Smt. Veena Beri w/o Sh. Gian Chand, s/o Sh. Gurdial Singh & Smt. Leela Devi w/o Sh. Gurdial Singh Beri, s/o Sh. Gauri Datt, r/o Beri Building Lakkar Bazar, Ludhiana.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. B-XVIII-225 (156-L), situated at Model Town, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 737 of May, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. PTA/47/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land measuring 638 sq. yds (13 Biswas) situated at Narola Colony, Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Lata Narola wd/o Sh. Om Parkash,  
r/o Narola Colony, Lower Mall,  
Patiala.

(Transferor)

- (2) Smt. Basant Kaur w/o Sh. Makhan Singh  
Narola Colony, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 638 sq. yds (13 Biswas), situated in Narola Colony, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 666 of May, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/47/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhianabeing the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share of Plot No. 1564, Sector 36-D

situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the**aforesaid property and I have reason to believe that the  
fair market value of the property as aforesaid exceeds the  
apparent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the consi-  
deration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of—**

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons namely :—

- (1) Col. N. N. Seyal s/o Sh. Nagina Mal Seyal  
r/o New Delhi  
through his General attorney  
Sh. Kuldip Singh Chehal s/o Sh. Surat Singh  
r/o Village Narinderpura,  
Distt. Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Smt. Gurjit Kaur w/o Sh. Kuldip Singh Chehal  
of Village anw P.O. Narinderpura  
Distt. Bhatinda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette or a  
period of 30 days from the service of notice on  
the respective persons, whichever period expired  
later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA, of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/2 share of Plot No. 1564 situated in Sector 36-D, Chandi-  
garh.

(The property as mentioned in the sale deed  
No. 202 of May, 1979 of the Registering Authority,  
Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. SNM/9/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 68 kanals 9 marlas situated at Vill. Chhajli, Teh. Sunam, Distt. Sangrur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sunam in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Niranjana Singh s/o Shri Lehna Singh,  
s/o Sh. Waryam Singh &  
Smt. Nand Kaur wd/o Sh. Lahna Singh,  
s/o Shri Waryam Singh,  
r/o Village Chhajli, Teh. Sunam. (Transferor)

(2) Shri Bant Singh s/o Sh. Bishan Singh  
s/o Sh. Sada Singh  
r/o Vill. Chhajli,  
Teh. Sunam. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 68 kanals 9 marlas, situated at Vill. Chhajli, Teh. Sunam.

(The property as mentioned in the sale deed No. 610 of May, 1979 of the Registering Authority, Sunam).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. MNK/5/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land measuring 77 kanals 12 marlas situated at Village Mabard Sahib, Tehsil Moonak,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moonak in May 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Thakra Singh s/o Shri Fateh Singh,  
r/o Vill. Mabard Sahib,  
Tehsil Moonak.

(Transferor)

(2) S/Shri Kaur Singh, Gamdoor Singh, Pritam Singh,  
Nachhatar Singh & Charna Singh ss/o Dhan Singh  
and  
Sukhdev Singh, Major Bhalka Singh, ss/o  
Kartar Singh,  
r/o Bhatuan, Teh. Moonak.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 77 kanals 12 marlas, situated at Vill. Mabard Sahib, Teh. Moonak.

(The property as mentioned in the sale deed No. 155 of May, 1979 of the Registering Authority, Moonak).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. SNG/21/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl. land measuring 80 kanals situated at Vill. Bugar, Teh. &amp; Distt. Sangrur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohinder Singh s/o Shri Ram Kishan, r/o Village Bugar, Tehsil Sangrur. (Transferor)
- (2) S/Shri Mukhtiar Singh, Baldev Singh, Chatar Singh, ss/o Chunchal Singh & Dal Bara Singh, Tara Singh ss/o Gurdev Singh and Mohinder Kaur w/o Major Singh. r/o Vill. Bugar, Teh. & Distt. Sangrur. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 80 kanals, situated at Village Bugar, Teh. & Distt. Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 520 of May, 1979 of the Registering Authority, Sangrur).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. AMI./23/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 1 bigha 8 biswas situated at Mandi Gobindgarh, Teh. Amloh, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mchar Singh s/o Sh. Pakhar Singh, s/o Sh. Gurdit Singh, r/o Mandi Gobindgarh, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(2) M/s Kohinoor Industries, through Smt. Shimla Rani Khullar w/o Sh. Harbans Lal Khullar, and Sh. Sulekh Ram s/o Sh. Natha Singh, r/o Mandi Gobindgarh, Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 bigha 8 biswas, situated at Mandi Gobindgarh, Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 242 of May, 1979 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/29/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential Plot No. 433, Sector 35-A, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Harpal Singh Mehal s/o Sh. Mohinder Singh, Vill. Kathgarh, Distt. Hoshiarpur, through special power of attorney Sh. Kuldip Singh Sindhu s/o Sh. Pritam Singh, r/o 433, Sector 35-A, Chandigarh. (Transferors)
- (2) Shri Ranjodh Singh (minor) s/o Sh. Kuldip Singh through his grand mother and guardian Smt. Sugbhans Kaur w/o Sh. Sukhpal Singh, Vill. & P.O. Kathgarh, Distt. Hoshiarpur. (Transferees)
- (3) Shri Gursharn Virk, 433, Sector 35-A, Chandigarh. [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the question of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential plot measuring 631.37 sq. yds, situated at 433, Sector 35-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 137 of May May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980  
Seal ;

## FORM ITNS—

- (1) Shri Parsholam Dass s/o  
Sh. Bhim Sain Aggarwal,  
r/o of Sangrur.

(Transferee)

- (2) Shri Chuhar Lal & Brij Lal &  
Sh. Kishorei Lal Aggarwal,  
r/o New Anaj Mandi, Sangrur.

(Transferee)

- (3) M/s Punsap, Sangrur.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
which period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. SNG/14/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the said Act), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Anaj Mandi, Sangrur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Sangrur in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (2) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
33—446GI/79

## THE SCHEDULE

Shop situated at New Anaj Mandi Sangrur.  
(The property as mentioned in the sale deed  
No. 347 of May, 1979 of the Registering Authority,  
Sangrur).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/53/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/6th share in SCO No. 8 & 9 Sector 17-B, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ujjagar Singh s/o Sh. Waryam Singh & Smt. Surinder Kaur w/o Sh. Amarjit Singh, 182, New Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferors)

- (2) Sh. Gurjit Singh s/o Sh. Kewal Singh r/o 116, Sector 9-B, Chandigarh.

- (3) 1. M/s Onkar Enterprises  
2. Subhash Chander and Co. Bear Bar  
3. Accountant General, Himachal Pradesh & Union Territory  
4. The D.I.G., C.I.D. Punjab, SCO No. 8 & 9, Sector 17-B, Chandigarh.

[Person in occupation of the property]

- (4) 1. Sh. Paramjit Singh s/o Sh. Kewal Singh, r/o 90, Model Town, Phagwara.  
2. Sh. Gurdial Singh s/o Sh. Jiwan Singh, V. Kotla Rai Ka, Teh Moga.  
3. Sh. Tirlochan Singh s/o Sh. Niranjan Singh, 14B Model Town, Phagwara.  
4. Sh. Surinder Singh s/o Sh. Niranjan Singh, 14B Model Town, Phagwara.  
5. Sh. Harbans Singh s/o Sh. Kartar Singh, r/o V. Jasso Majra, Tehsil Nawanshahar, Distt. Jullundur.  
6. Smt. Charan Kaur w/o Sh. Harbans Singh, r/o V. Jasso Majra, Tehsil Nawanshahar, Distt. Jullundur.  
7. Sh. Malkiat Singh s/o Sh. Atma Singh, r/o 89-B, Model Town, Phagwara.  
8. Sh. Bakshish Singh s/o Sh. Nazar Singh, r/o 89-B, Model Town, Phagwara.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/6th share in SCO Nos. 8 & 9, Sector 17-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 273 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/28/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Residential House No. 67, Sector 5, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pritam Kaur w/o Late Tarlochan Singh, through her Attorney Sh. Surjit Singh, r/o H. No. 179, Sector 11-A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Mrs. Daljit Kaur Thandi w/o Air Commodor, S. Mehar Singh Thandi, and Master Tarlochan Singh Thandi (Minor), adopted son of Mrs. Daljit Kaur Thandi through Mrs. Daljit Kaur Thandi resident of Amarvillla Civil Lines, Ludhiana. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. 67, situated in Sector 5, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 136 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/96/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 30% of SCO No. 107-108, situated in Sector 17-B, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Chandigarh in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gurmeet Kaur w/o Sh. Jarnail Singh & Sh. Shinda Singh s/o Sh. Jagir Singh, r/o House No. 26, Sector 8-A, Chandigarh through their General Attorney Sh. Subhash Chand s/o Sh. Rasila Ram, r/o 704, Sector 16, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Sh. Ujagar Singh s/o Sh. Waryam Singh, Sh. Amarjit Singh s/o Sh. Ujagar Singh, Smt. Surinder Kaur w/o Sh. Amarjit Singh, all r/o H. No. 182, New Jawahar Nagar, Jullundur City.

(Transferees)

- (3) 1. State Bank of India, SCO 107-108, Sec. 17-B, Chandigarh.  
2. Himachal Pesticides & Chemicals Ltd. SCO 107-108, Sector 17-B, Chandigarh.

[Person in occupation of the property]

- (4) 1. United Builders Construction (India) Pvt. Ltd. through its Managing Directors, Sh. Raj Kumar Gupta,  
2. Mrs. Usha Kalia  
3. Sh. I. K. Sardana through his Attorney, Sh. Bhagat Ram,  
4. Sh. K. K. Sardana  
5. Sh. Jasbir Singh HUF consisting of self Smt. Harsimran J. Singh, Miss Ravmeet J. Singh, Miss Supreet J. Singh  
6. Sunita Datta  
7. Deepak Chabra through his Attorney Sh. Raj Kumar Gupta, r/o of House No. 26, Sector 8-A, Chandigarh.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

30% of SCO No. 107-108, situated in Sector 17-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 497 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. SNM/13/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agl. land measuring 95 kanals 8 marlas situated at Vill. Hariao, Tehsil Sunam, Distt. Sangrur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sunam in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gurnam Kaur d/o Sh. Kahan Singh & Sh. Dalbir Singh s/o Shri Kahan Singh, r/o Hariao, Teh. Sunam.

(Transferor)

(2) Shri Hazara Singh s/o Shri Faga Singh, r/o Vill. Kukrala, Tehsil Samana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agl. land measuring 95 kanals 8 marlas, situated at Vill. Hariao, Tehsil Sunam.

(The property as mentioned in the sale deed No. 810 of May, 1979 of the Registering Authority, Sunam).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. BRN/12/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 99 kanals 13 marlas situated at Village Harigarh Tehsil Barnala Distt. Sangrur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Barnala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/Sh. Partap Singh, Malkiat Singh, Sukhdev Singh, Nahar Singh, Bhagwan Singh, s/o Sh. Jaswant Singh s/o Sh. Zora Singh, & Smt. Surjit Kaur wd/o Sh. Jeet Singh, s/o Sh. Jaswant Singh, Vill. Harigarh, Teh. Barnala.

(Transferors)

- (2) S/Sh. Gurcharan Singh, Kaur Singh, Roop Singh, Bhura Singh s/o Hekam Singh, s/o Sh. Nihal Singh, and Sukhdev Singh, Piara Singh s/o Sh. Sunder Singh s/o Ram Ditta Singh, r/o Harigarh, Tehsil Barnala, Distt. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agri. land measuring 99 kanal 13 marlas, situated at Village Harigarh, Tehsil Barnala, Distt. Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2142 of May, 1979 of the Registering Authority, Barnala).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/57/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential House No. 1247, Sector 33-C  
situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raghbir Singh Dhaliwal,  
s/o Sh. Didar Singh,  
r/o H. No. 1247, Sector 33-C,  
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Kaplesh Chander s/o Sh. Harbans Singh,  
r/o Gulshan Lodge Set No. 3,  
Near Rivali Simla-1 (HP),  
through his general Attorney  
Sh. Harbans Singh s/o Shri Bhag Ram Sharma,  
Simla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Residential House No. 1247, situated in Sector 33-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 314 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

**SUKHDEV CHAND**

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th November 1979

Ref. No. 33/MAY '79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 56A & 57, situated at Spring Field, Rock Ford and New Fort, Kodaikanal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Kodaikanal (Doc. No. 24/79) on May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Bobking,  
Principal,  
Kodaikanal School Property Association Pvt. Ltd.,  
Kodaikanal.  
(Transferor)
- (2) (1) Shri V. C. Sekar,  
(2) Shri V. Jeyabalan,  
(3) Shri V. Kunasekaran,  
(4) Shri V. Uthayam,  
(5) Shri V. Jothirajan,  
(6) Shri V. Sagayam,  
(7) Shri V. Samarasam,  
M/s. V.A.M. Valliappa Nadar & Sons,  
178-A, Murugan Illam, Ramnad Road,  
Madurai-9.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 24/79 SRO Kodaikanal

1. Land & Buildings at 'Spring Field', Rock Ford and New Fort, Kodaikanal.
2. Land & Buildings at Door No. s. 17 /396A, 17/396B, 17/397, 17/397A, and 17/398, Fern Hill Road, Kodaikanal.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006

Date : 28-11-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th December 1979

Ref. No. 14/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 48, situated at Basavian Street, Madras-21, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Royapuram, Madras (Doc. No. 676/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

34—446GT/79

- (1) Smt. Chengammal,  
No. 21, Thangavelu Pillai Street,  
Madras-21.

(Transferor)

- (2) Shri M. Sundararamiah,  
No. 53, Mayor Basudev Street,  
Madras-21.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 676/79 SRO, Royapuram, Madras

Land and Buildings at Door No. 48, Basavian Street,  
Madras-21.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006

Date : 11-12-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th December 1979

Ref. No. 61/May/1979.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14, situated at Krishnarajapuram Agraharam, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 847/79) on May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. R. Mariammal,  
W/o Shri Ramasamy Chettiar,  
14, Krishnarajapuram Agraharam, Madurai.  
(Transferor)
- (2) Smt. D. Radha Ammal,  
W/o Shri G. Dharmarajan,  
3-A, Vyasarayapuram Madam Lane,  
Madurai.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 847/79 SRO, Pudumandapam, Madurai

Land and Buildings at Door No. 14, Krishnarajapuram Agraharam, Madurai.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006

Date : 11-12-1979

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. R. Mariammal,  
W/o Shri Ramasamy Chettiar,  
14, Krishnarajapuram Agraharam, Madurai.  
(Transferor)
- (2) Shri G. Dharmarajan,  
3-A, Viyasarayapuram Madam Lane,  
Madurai.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th December 1979

Ref. No. 62/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14, situated at Krishnarajapuram Agraharam, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam, Madurai (Doc. 845/79) on May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 845/79 SRO, Pudumandapam, Madurai  
Land and Buildings at Door No. 14, Krishnarajapuram  
Agraharam, Madurai.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006

Date : 11-12-1979  
Seal :

FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th December 1979

Ref. No. 70/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. New No. 32, situated at Kandappa Chetty Street, George Town, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Sowcarpet, Madras, (Doc. No. 284/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Mrs. T. Muthulakshmi,  
No. 46, Niniappan Street, Madras-1.
- (2) Mrs. K. Karpagavalli,  
No. 23, P. M. Chetty Street, Vellore.
- (3) Mrs. S. Sowadambal,  
No. 153, Reserve Bank Staff Quarters,  
Poonamallee High Road, Madras.

(Transferor)

- (2) Shri A. Mohan,  
No. 34, Niniappan Street,  
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 284/79 SRO, Sowcarpet, Madras

Land and Buildings at New Door No. 32, Kandappa Chetty Street, George Town, Madras-1.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006

Date : 11-12-1979  
Seal :



## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd January 1980

Ref. No. 57/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 214, situated at East Veli Street, Madurai, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSRO I Madurai (Doc. No. 2859/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. S. Ramakrishnan,  
No. 5, Lakshmipuram 4th Street,  
Madurai.

(Transferor)

- (2) Smt. L. Kasthuri,  
No. 187-A, East Veli Street,  
Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 2859/79 JSRO I, Madurai

Land and Buildings at Door No. 214, East Veli Street, Madurai.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006

Date : 3-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd January 1980

Ref. No. 59/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14, situated at Lakshmiapuram 7th Street, Madurai, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I, Madurai (Doc. No. 1724/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sabiya Blvi,  
No. 1, Bharati Road,  
Narimedu, Madurai-2.

(Transferor)

(2) Smt. R. Muthammal,  
No. 3/830, Andullah Rowther Lane,  
Mela Pallivasal Street, Paramakudi,  
Ramanad Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Document No. 1724/79 JSRO I, Madurai

Land and Buildings at Door No. 14, Lakshmiapuram 7th Street, Madurai.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006

Date : 3-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd January 1980

Ref. No. 68/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2, 12, 14 & 15 situated at Perali Road, Virudunagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO II, Virudunagar (Doc. No. 792/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) The Southern Cotton Press Company (P) Ltd., represented by Chairman and Director, Sri Abdulla Bhoy M. Bhat, No. 11, Sembudoss Street, Madras-1. (Transferor)
- (2) The Chilles Export House Ltd., represented by Managing Director, Shri A. N. Damodaran, Kasappukara Street, Virudunagar. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 792/79 JSRO II, Virudunagar

Land and Buildings at Door Nos. 2, 12, 14 and 15, Perali Road, Virudunagar.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006

Date : 3-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd January 1980

Ref. No. 1/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 68, situated at Devarayan Chetty Street, Thirumagal Nagar, Ramnad Road, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO III, Madurai (Doc. 1550/79) on May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state din the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri K. Karupiah Nadar.  
(2) Shri K. Subbiah Nadar.  
Partners in M/s. Shri Jegadeeswari Vilas Paper Mart, East Avani Moola Street, Madurai.  
(Transferor)

- (2) Smt. R. Indira Ammal,  
Plot No. 68, Devarayan Chetty St.,  
Thirumagal Nagar, Ramnad Road, Madurai.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 1550/79 JSRO III, Madurai

Land and Buildings at Door No. Plot No. 68, Devarayan Chetty Street, Thirumagal Nagar, Ramnad Road, Madurai.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006

Date : 3-1-1980  
Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madrass-600 006, the 9th January 1980

Ref. No. 67/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Pantheon Road, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 510/79) on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

35—446GI/79

(1) Dr. Mohamed Taqui Khaleeli  
represented by power of Attorney  
Shri M. Kazim Khaleeli,  
No. 13, College Road, Nungambakkam,  
Madras-6.

(Transferor)

(2) Asan Memorial Association  
represented by its Secretary  
Shri A. K. Gopalan,  
Cochin House, Anderson Road,  
Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 510/79 SRO, Periamet, Madras.  
Land & Buildings at Pantheon Road, Egmore, Madras-8.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006.

Date : 9-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th January 1980

Ref. No. 75/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 235 situated at Tiruvottiyur High Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Royapuram, Madras (Doc. No. 738/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mr. K. Rangakumar  
2. Lakshmi Thulasi  
3. Miss. Vyjayanthimala  
4. Mr. K. Krishnamurthy for minor K. Haripriya.  
No. 7 Temple Street,  
Madras-10.

(Transferors)

- (2) Mr. P. K. Abubucker,  
No. 153, Poonamallee High Road,  
Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 738/79 S.R.O. Royapuram, Madras.

Land &amp; Buildings at Door No. 235, Tiruvottiyur High Road, Madras.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006.

Date : 9-1-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th January 1980

Ref. No. 94/MAY/79.—Whereas, I, ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

T.S. No. 4018 situated at Sivanthakulam Second Street, Tuticorin

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO II, Tuticorin (Doc. No. 1276/79) on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Lakshmi Ammal,  
W/o Sri P. A. P. Nataraja Nadar,  
Melur Bungalow Street,  
Tuticorin.

(Transferor)

(2) Smt. Annakili Ammal,  
W/o Shri Petchimuthu,  
No. 5, Doovipuram 5th Street,  
Tuticorin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 1276/79 JSRO II, Tuticorin.  
Land & Buildings at T.S. No. 4018. Sivanthakulam Second Street, Tuticorin.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006.

Date : 9-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th January 1980

Ref. No. 98/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 140 situated at Broadway, Madras-600 001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO II Madras North (Doc. No. 1945/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. C. Morel,  
2. C. Aloysius,  
3. C. Boriface,  
4. Mrs. S. Soundaraballa Samy,  
5. Mrs. Philomina,  
6. Mrs. Amalorpara, Mary D. Samy,  
7. Mrs. Clara Nalpon and  
8. Mrs. Fathima Mathew,  
No. 72, Laporte Street, Pondicherry.

(Transferors)

- (2) 1. Smt. M. Habasa Becvi.  
2. Mrs. Rahimathunisa,  
3. Mrs. M. Salcena Bi and  
4. Miss M. Fazirunisa,  
Mosque Street, Tiruchampali,  
Mayuram, Tanjore Dt.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 1945/79 J.S.R. II, Madras North.  
Land & Building at Door No. 140, Broadway, Madras-600 001.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006.

Date : 9-1-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th January 1980

Ref. No. 63/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33, situated at Nowroji Road, Kilpauk, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO Periamet, Madras. (Doc. No. 542/79) in May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Smt. Kanaharaj @ Rajeshwari,  
No. 33, Nowroji Road, Kilpauk,  
Madras-10.

(Transferor)

(2) The Union Christian Association,  
No. 9-A, Whites Road,  
Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 542/79 SRO, Periamet, Madras.  
Land & Buildings at Door No. 33, Nowroji Road, Kilpauk,  
Madras-10.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006.

Date : 14-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006; the 14th January 1980

Ref. No. 64/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33, situated at Nowroji Road, Kilpauk, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras (Doc. No. 543/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri M. Dorairaj,  
No. 33, Nowroji Road, Kilpauk,  
Madras-10.

(Transferor)

(2) The Union Christian Association,  
No. 9-A, Whites Road,  
Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 543/79 SRO, Periamet, Madras.

Land &amp; Buildings at Door No. 33, Nowroji Road, Kilpauk, Madras-10.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006.

Date : 14-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri M. Haridas,  
No. 33, Nowroji Road, Kilpauk,  
Madras-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Union Christian Association,  
No. 9-A, Whites Road,  
Madras.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th January 1980

Ref. No. 65/MAY/79.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33, situated at Nowroji Road, Kilpauk, Madras-10,

(and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at SRO Periamet, Madras (Doc. No. 544/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 544/79 SRO, Periamet, Madras.  
Land & Buildings at Door No. 33, Nowroji Road, Kilpauk,  
Madras-10.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006.

Date : 14-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th January 1980

Ref. No. 66/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33, situated at Nowroji Road, Kilpauk, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Periamet, Madras (Doc. No. 545/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Subbalakshmi Ammal,  
No. 33, Nowroji Road, Kilpauk,  
Madras-10.

(Transferor)

- (2) The Union Christian Association,  
No. 9-A, Whites Road,  
Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 545/79 SRO, Periamet, Madras.

Land &amp; Buildings at Door No. 33, Nowroji Road, Kilpauk, Madras-10.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006.

Date : 14-1-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006**

MADRAS-600 006, the 14th January 1980

Ref. No. 79/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8 situated at Lajapathi Roi Road, Chinna Chokkikulam, Madurai (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO Tallakulam, Madurai (Doc. No. 1892/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
36—446GI/79

- (1) 1. Smt. R. Mani,  
W/o Shri V. A. Mani  
2. Shri V. Prasannamani  
3. And another.  
Valayapatti, Podukottai.

(Transferors)

- (2) Smt. M. Saithoon Beevi,  
W/o Shri Mutalif Rawther,  
11, Simmakal 2nd Lane, Madurai.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.**

**THE SCHEDULE**

Document No. 1892/78 SRO, Tallakulam, Madurai.

Land &amp; Buildings at Door No. 8 (T.S. No. 946), Lajpath Roi Road, Chinna Chokkikulam, Madurai.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
MADRAS-600 006.

Date : 14-1-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st January 1980

Ref. No. 7282.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 141, situated at Mahadhana St., Mayavaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mayuram (Doc. 352/79) on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Subbada Bivi  
W/o Haji Abdul Razaack  
Ayapadi, Mayuram Tk.

(Transferor)

- (2) Abdul Salam  
S/o Mohammed Gani Rowther  
Pavadakudi Main Road,  
Nannilam Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building at 141, Mahadhana St., Mayuram.  
(Doc. 352/79)

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006.

Date : 21-1-1980  
Scal :

## FORM ITNS

(1) M. K. R. Krishnan  
S/o M. K. Ranganatha Iyer,  
Lal Bahadur Nagar, Mayuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Havva Bivi  
W/o M. A. Salam,  
Bavattakudi Nannilam Tk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 21st January 1980

Ref. No. 8657.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 51, situated at Mahadhana St., Mayuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nakodar on Mayuram (Doc. No. 438/79) on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 51, Mahadhana St., Mayuram.  
(Doc. No. 438/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
MADRAS-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. PTA/49/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 33-C, situated at Model Town, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) (i) Sh. Jasbir Singh s/o Ranbir Singh, Self & Special Attorney
- (ii) Smt. Jaswant Kaur, w/o Late Sh. Ranbir Singh
- (iii) Shri Santosh Singh and
- (iv) Shri Dharamvir Singh ss/o Sh. Ranbir Singh
- (v) Smt. Ussal Inder Kaur d/o Sh. Ranbir Singh
- (vi) Smt. Inderbir Kaur d/o Sh. Ranbir Singh
- (vii) Smt. Tejinder Kaur, w/o late Sh. Sudarshan Singh
- (viii) Parbhdarshan Singh
- (ix) Narinder Pal Singh, ss/o Sh. Sudarshan Singh
- (x) Abnash Kaur d/o Sh. Sudarshan Singh
- (vi) Smt. Swaranjit Kaur d/o Sh. Ranbir Singh,
- (xii) Sh. Parmbir Singh s/o Sh. Ranbir Singh,
- (xiii) Smt. Mahesh Vir Kaur d/o Sh. Ranbir Singh,
- (xiv) Sh. Gursaranjit Singh s/o Sh. Ranbir Singh, all r/o 33-C, Model Town, Patiala.

(Transferors)

- (2) Captain Amarjit Singh s/o Brig. Fateh Singh  
r/o 3578/5, Lehal,  
Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 33-C, situated at Model Town, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed House No. 33-C, situated at Model Town, Patiala.

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-1-1980

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th January 1980

Ref. No. 8602.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 119, Salai St., Manojappa, situated at Ayyampettai (Doc. No. 385/79) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ayyampettai (Doc. 385/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
21—436GI/79

- (1) A. R. Raghuraman,  
S/o M. Ramaswamy Iyer,  
24, Kasi Viswanathar Kizh St.,  
Kumbakonam. (Transferor)
- (2) A. L. Raghavan,  
360, Salai St.,  
Ayyampettai,  
Papanasam Tk. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 119 Salai St., Ayyampettai.  
(Doc. No. 385/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006.

Date : 16-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th January 1980

Ref. No. 7209.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, 244, Choolaimedu High Road, situated at Madras-94 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 1986/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) P. A. A. Mohamed Sheriff,  
No. 1, Batcha Sahib St.,  
Choolaimedu High Road, Madras-94.  
(Transferor)

(2) A. N. Nazirudeen,  
A.O.A. Vajeeha Beevi, North St.,  
Athikkadai, Tanjore Dt.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 244, Choolaimedu High Road,  
Madras-94.  
(Doc. No. 1986/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006.

Date : 16-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

MADRAS-600 006, the 16th January 1980

Ref. No. 7249.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Rajan Road, situated at Srinivasapuram, Tanjore-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 1984/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Saraswathi Ammal,  
W/o Subramania Iyer,  
32, Oliver Road, Madras-4. (Transferor)
- (2) Smt. Mythili Narayanan,  
23/89, Rajan Road, Srinivasapuram,  
Tanjore-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Rajan Road, Srinivasapuram, Tanjore-1.  
(Doc. No. 1984/79)

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
MADRAS-600 006.

Date : 16-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th January 1980

Ref. No. 10202.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4, situated at Ahil Medu St., Erode

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. 2180/79) on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Keshilal R. Lulla, 133, Agraharam St., Erode.

Neetha P. Lulla, 133, Agraharam St., Erode.

Shyamavanthi Bai, 133, Agraharam St., Erode.

Ravi (Minor) rep. by Neetha P. Lulla 133, Agraharam St., Erode.

(Transferors)

(2) A. Annalakshmi W/o K. Appachi,  
72P. Aghilmedu St., Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 72P, Aghilmedu St., Erode.  
(Doc. 2180/79).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Income-tax, Acquisition Range-II,  
Madras-600 006.

Date : 16-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

MADRAS-600 006, the 18th January 1980

Ref. No. 10206.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1588/1 and 1588/4, situated at Kotagiri Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nilgiris (Doc. No. 291/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) T. M. Seley goudar, B. K. Bellan, Madha goudar, B. S. Lakshmana goudar, T. H. Joghee, B. Chicken Gowri Ammal, J. Muthan, Pellaialmmal, R. Katti, M. Venkatesan, M. Savanandam, Lakshmi Ammal, B. Ramaswamy, A. Kannan, K. Gowri Ammal, J. Karunainathan, Aravenu, Kotagiri.

(Transferors)

(2) B. K. Mathiammal, B. S. Lakshmana goudar, K. Seethiammal, L. Haliammal, Suri Raju, Mani, B. L. Mahalingam, B. L. Kumar C/o B. S. Lakshmana goudar, Pedlabi, Konavakarai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at S.F. 1588/1 and 1588/4 Kotagiri Village.  
(Doc. No. 291/79)

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
MADRAS-600 006.

Date : 18-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

MADRAS-600 006, the 18th January 1980

Ref. No. 10222.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2, Arts College Road, situated at Coimbatore-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) C. B. Venkatesan,  
C. B. Srinivasan,  
C. B. Suresh,  
Minor Karthik rep. by C. B. Srinivasan,  
No. 2, Arts College Road,  
Coimbatore, (Transferors)
- (2) K. Govindaswamy Naidu Medical Trust,  
Coimbatore-18. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 2, Arts College Road, Coimbatore.

(Doc. No. 2536/79)

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Income-tax, Acquisition Range-II,  
MADRAS-600 006.

Date : 18-1-1980  
Seal :

## FORMS ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1980

Ref. No. NBA/11/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 10 bighas 15 biswas, situated at village Chaswal, Teh. Nabha, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurdev Singh s/o Shri Sadhu Singh,  
r/o Village Palian Kalan, Teh. Nabha, Distt. Patiala.  
(Transferor)
- (2) Shri Bachitter Singh s/o Shri Sada Ram,  
Shri Surjit Singh s/o Shri Nagahian Singh,  
r/o Village Chaswal, Teh. Nabha, Distt. Patiala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 10 bighas 15 biswas situated at Village Chaswal, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 191 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana

Date : 9-1-1980  
Seal :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

## NOTICE

INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL  
SERVICE EXAMINATION, 1980

F.12/1/79-EI(B)

New Delhi, the 9th February 1980

A combined competitive examination for recruitment to Grade IV of the Services mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATIALA, PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR AND TRIVANDRUM commencing on the 20th July, 1980 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 9th February, 1980.

THE CENTRES AND THE DATE OF THE COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure, para 11).

2. The services to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in Grade IV of the Services are given below :—

- |                                     |    |
|-------------------------------------|----|
| (i) The Indian Economic Service     | 40 |
| (ii) The Indian Statistical Service | 40 |

The number of vacancies mentioned above are liable to alteration.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of any one or both the Services, mentioned in para 2 above. Once an application has been made, no change will ordinarily be allowed.

If a candidate wishes to be admitted for both the Services, he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 6 below once only, and will not be required to pay separate fee for each of the Services for which he applies.

N.B.—A Candidate will be considered only for the Service(s) for which he applies. A candidate who applies for both the Services should specify clearly in his application the order of his preference for the Services, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preference when making appointments.

No request for alteration in the preferences indicated by candidates in respect of Services for which they desire to be considered, would be entertained unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of declaration of the results of the written examination.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Postal Order payable to the Secretary Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION, 1980. APPLICATION ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION, 1980 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 31st March, 1980, (14th April, 1980 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 31st March, 1980) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman and Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman and Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 31st March, 1980.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 48.00 (Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

8. A refund of Rs. 30.00 (Rs. 8.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

R. S. AHLUWALIA  
Deputy Secretary

## ANNEXURE

## INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.



BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards, his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission (See paras 6 and 7 of Notice and paras 5 and 6 below).
- (ii) Attested/certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/Certified Copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession, where applicable (See para 5 below).
- (vii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled in.
- (viii) Two self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms × 27.5 cms.

NOTE—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii) (v) & (vi) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF NOVEMBER, 1980. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR THE VIVA VOCE ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF VIVA VOCE. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (vi) are given below and in paras 4, 5 and 6 :—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(ii) *Certificate of Age.*—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered the application may be rejected.

Note 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

Note 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualifications.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate, showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination, an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing

that he has passed the qualifying examination with one or more of the subjects specified in Rule 6 must be submitted in addition to the attested/certified copy of the University certificate.

NOTE—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at the examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than 15th October, 1980.

(iv) *Two copies of Photograph*.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application, and in any case they must reach the Commission's office [except as provided for in Note under paragraph 3(iii) above] within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer, or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate, if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

*The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.*

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\* \_\_\_\_\_ son/daughter\* of \_\_\_\_\_ of village/town\* \_\_\_\_\_ in District/Division\* \_\_\_\_\_ of the State/Union Territory\* \_\_\_\_\_ belongs to the \_\_\_\_\_ Caste/Tribe\* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe\* under :—

the Constitution (Scheduled Caste) Order, 1950\*.

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950\*.

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951\*.

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951\*.

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956\*.

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976\*.

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*.

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*.

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*.

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967\*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*.

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*.

2. Shri/Shrimati/Kumari\* \_\_\_\_\_ and/or\* his/her family ordinarily reside(s) in village/town\* \_\_\_\_\_ of \_\_\_\_\_ District/Division\* of the State/Union Territory\* of \_\_\_\_\_

Signature.....

\*\*Designation.....

(with seal of Office)

Place.....

Date.....

State/Union Territory\*

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/ Additional District Magistrate/ Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development officer (Lukshadweep).

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 5(b)(ii) or 5(b)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 :—

(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various State;

(2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;

(3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;

(4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

(ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(b)(iv) or 5(b)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(iii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5(b)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being the resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

(iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b)(vii) or 5(b)(viii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(b)(ix) or 5(b)(x) should produce an attested/certified copy of a certificate, in the form prescribed below from the Director General, Re-settlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequent thereof.

*The form of certificate to be produced by the candidate.*

Certified the Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_ of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area\* and was released as a result of such disability.

Signature.....  
Designation.....  
Date.....

\*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under rule 5(b)(xi) or 5(b)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate, in the form prescribed below, from the Director General, Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

*The form of certificate to be produced by the candidate.*

Certified that Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_ of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....  
Designation.....  
Date.....

(vii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 5(b)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(i), (ii) and (iv) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms).

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars, that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines Delhi (110054) and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Revoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi (110001), (ii) Sale Counters of the Publication Branch, Udyog Bhavan, New Delhi, (110001) and office of the Union Public Service Commission, New Delhi-110011 and (iii) the Government of India Block Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets, are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

13. *Communications regarding applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

1. NAME OF EXAMINATION.
2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
3. ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

